बालाघाट
रविवार 15 नवम्बर 2026
कार्तिक शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 53
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

पाकिस्तान के जलवायु मंत्री आएंगे भारत

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से जारी तनाव के बीच एक अहम कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। पाकिस्तान सरकार ने अपने जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण समन्वय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक को भारत भेजने का फैसला किया है। वह 20 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के पहले सम्मता संवाद मंच में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर मलिक के दौरे की पुष्टि की है। उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पाकिस्तान की ओर से प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया है। भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनावपूर्ण रिश्तों के मद्देनजर किसी पाकिस्तानी केंद्रीय मंत्री का भारत आना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

12 घंटे में चार भूकंप के झटकों से दहला जम्मू-कश्मीर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में शनिवार को मात्र 12 घंटे के भीतर चार बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। लगातार आए भूकंप से डोडा और किश्तवाड़ जिले के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि, राहत की बात है कि अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार, पहला भूकंप शनिवार सुबह 2:38 बजे किश्तवाड़ में आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.3 दर्ज की गई। इसके बाद सुबह 8:31 बजे डोडा में 2.7 तीव्रता का दूसरा झटका महसूस हुआ। महज 17 मिनट बाद सुबह 8:48 बजे इसी जिले में 3.3 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई जमीन से करीब पांच किलोमीटर नीचे थी। दोपहर 1:09 बजे डोडा में 2.9 तीव्रता का चौथा झटका महसूस किया गया। इसी बीच ताजिकिस्तान में भी 12 घंटे के भीतर दो बार भूकंप आया। यहां पहला झटका 4.0 और दूसरा 4.1 तीव्रता का दर्ज किया गया।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स से डिस्चार्ज

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को शनिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें बुधवार को सुबह की सैर के दौरान अचानक बेहोश होकर गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ घिनट तक बेहोश रहने के बाद उन्हें सुरक्षाकर्मी शुरुआत में घर ले गए थे, लेकिन बाद में एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में लाया गया, जहां हृदय रोग विभाग की देखरेख में उनकी जांच और उपचार किया गया। यह पिछले दो वर्षों में उनका सबसे लंबे समय तक बेहोश रहने का मामला था। इससे पहले वह जून 2025 में पैनीलाल में एक कार्यक्रम के दौरान और इस साल जनवरी में दो बार अपने घर पर भी बेहोश हो चुके हैं।

कुछ ना कहना

सोना हुआ सस्ता



दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर केंद्र का बड़ा एक्शन प्लान

191 फैक्ट्रियां होंगी सील; 5480 किमी सड़कें सुधारने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों के साथ गहराते वायु प्रदूषण के संकट से निपटने के लिए केंद सरकार ने अब सख्त रुख अपनाया है। प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से लेकर धूल उड़ाती सड़कों, ट्रैफिक जाम और कचरे के पहाड़ों तक पर एक साथ कार्रवाई की तैयारी है। केंदीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नियमों का पालन नहीं करने वाली 191 औद्योगिक इकाइयों को तत्काल सील करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, 5480 किलोमीटर सड़कों को सुधारने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 233 जाम वाले स्थानों पर यातायात व्यवस्था सुधारने और दिल्ली के 154 बॉर्डर एंट्री पॉइंट पर मल्टीलेन फ्री फ्लो सिस्टम विकसित करने की समयसीमा भी तय की गई है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के मंत्रियों तथा अधिकारियों के साथ प्रदूषण नियंत्रण के उपायों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब केवल बैठकें और योजनाएं बनाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि तय समयसीमा में जमीन पर कार्रवाई दिखनी चाहिए। प्रदूषण नियंत्रण के नियमों की अनदेखी करने वाले उद्योग सरकार के निशाने पर हैं। समीक्षा बैठक में सामने आया कि 191 औद्योगिक इकाइयों ने बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद एयर पॉल्यूशन कंट्रोल डिवाइस लगाने के लिए ऑर्डर तक नहीं दिए। ऐसे उद्योगों को तत्काल सील करने के निर्देश केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को दिए गए हैं। वहीं, एनसीआर के 2345 उद्योगों को ऑनलाइन कंटीन्युअस एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। इनमें से 2298 इकाइयों को इस प्रणाली से जोड़ा जा चुका है। यानी करीब 98 प्रतिशत लक्ष्य पूरा हो चुका है। शेष 47 उद्योग बंद या सील किए जा चुके हैं। औद्योगिक इकाइयों को पार्टिकुलेट मैटर का उत्सर्जन 50 एमजी/एनएम को निर्धारित सीमा के भीतर रखने के निर्देश दिए गए हैं। ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम के जरिए उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषण पर लगातार नजर रखी जा सकेगी।

5480 किमी सड़कें सुधारने का लक्ष्य, अब तक 3221 किमी पर काम

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की बड़ी वजह सड़क की धूल भी है। इसे नियंत्रित करने के लिए 5480 किलोमीटर सड़कों के सुधार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हालांकि, अब तक 3221 किलोमीटर सड़कों का काम ही पूरा हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने बाकी सड़कों का काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इसमें गड्ढे भरने, फुटपाथों की मरम्मत और सड़क किनारे धूल जमा होने से रोकने के उपाय शामिल हैं। मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों की दो शिफ्ट में चलाने के लिए भी कहा गया है, ताकि सड़कों की नियमित सफाई हो सके।



233 जाम वाले स्थानों पर होगी कार्रवाई

ट्रैफिक जाम से वाहनों का उत्सर्जन बढ़ता है और प्रदूषण की समस्या गंभीर होती है। इसे देखते हुए ब्लॉक में 233 ऐसे स्थानों की पहचान की गई है, जहां यातायात का दबाव अधिक रहता है। इन स्थानों पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली के 154 बॉर्डर एंट्री पॉइंट पर 31 दिसंबर 2026 तक मल्टीलेन फ्री फ्लो सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे वाहनों को बॉर्डर पर अनावश्यक रूप से रुकना नहीं पड़ेगा और ट्रैफिक जाम तथा उससे होने वाले उत्सर्जन को कम करने में मदद मिल सकती है।

रोजाना 6747 टन कचरा निस्तारण की क्षमता बढ़ानी होगी

दिल्ली-एनसीआर में कचरा प्रबंधन भी प्रदूषण नियंत्रण की बड़ी चुनौती है। नगर निकायों को प्रतिदिन 6747 टन कचरा निस्तारण क्षमता की कमी दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही ओखला, गाजीपुर, भलस्वा और बंधवारी में जमा पुराने कचरे के पहाड़ों को हटाने का काम तेज करने को कहा गया है। इन लैंडफिल साइटों पर जमा पुराने कचरे के निस्तारण में तेजी लाने पर जोर दिया गया है। निर्माण गतिविधियों से उड़ने वाली धूल पर नियंत्रण के लिए 3000 से अधिक निर्माण स्थलों का मौके पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

आप विधायक चरणजीत सिंह चमकौर साहिब से टिकट कटने पर बागी, हर हाल में लड़ूंगा चुनाव

लुधियाना। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक चरणजीत सिंह ने चमकौर साहिब विधानसभा सीट से टिकट नहीं देने पर गहरी नाराजगी जताकर घोषणा की कि वह हर हाल में इस सीट से चुनाव लड़ूंगा। 'आप' ने अपनी दूसरी सूची में पंजाब में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व अध्यक्ष और पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी को चमकौर साहिब से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। चरणजीत सिंह ने 2022 के विधानसभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चरणजीत सिंह चन्नी को 7,900 से अधिक मतों के अंतर से हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर किया था। अब टिकट नहीं मिलने पर सिंह ने दावा किया कि उन्होंने विधायक के तौर पर इमंदारी से काम किया और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए कई विकास परियोजनाएं शुरू कीं। उन्होंने अपनी जगह गढ़ी को उम्मीदवार बनाए जाने पर सवाल उठाकर उनकी जीत की संभावनाओं पर संदेह जताया। सिंह ने कहा, मैं विधायक के तौर पर अपना काम इमंदारी से कर रहा हूं। मेरे खिलाफ कोई आरोप नहीं है और न ही भ्रष्टाचार का कोई मामला है। फिर पार्टी ने ऐसा क्यों किया? उन्होंने जोर दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री को हराने के बावजूद पार्टी ने उन्हें कोई अन्य पद नहीं दिया। सिंह ने बताया कि जब गढ़ी को विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया था, तब उन्हें यह बताया गया था कि यह नियुक्ति संगठन को मजबूत करने के लिए की गई है, न कि चुनाव लड़ने के लिए। पार्टी नेतृत्व की अनदेखी पर सवाल उठाकर सिंह ने कहा कि वह पिछले एक साल से मुख्यमंत्री मान से मिलने के लिए केवल दो मिनट का समय मांग रहे थे, लेकिन उन्हें वह भी नहीं मिला।

चिराग का राहुल पर पलटवार- फोन टैपिंग आरोप संसद बाधित करने की रणनीति

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए फोन टैपिंग के आरोपों को आगामी संसद सत्र को बाधित करने की सुनियोजित रणनीति करार दिया। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होने के नाते राहुल गांधी से जिम्मेदारीपूर्ण बयान देने और व्यवहार करने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन वह बार-बार इसतरह के आरोप लगाते हैं जिन्हें वे न प्रमाणित करते हैं और न ही उनकी पुष्टि करते हैं। हाजीपुर के सांसद पासवान ने राहुल गांधी पर आरोप लगाकर भाग जाने का सिलसिला कायम रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी हमेशा आरोप लगाकर भागते हैं। उन्होंने कभी भी अपने लगाए गए आरोपों को प्रमाणित या पुष्ट करने की परवाह नहीं की है। चिराग पासवान ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप को लेकर निशाना साधा, जिसमें लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का दावा किया गया था। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि राहुल गांधी के आरोप का समर्थन करने के लिए एक लाख लोग भी सामने नहीं आए हैं और दिल्ली में उनकी हालिया रैली में कम भीड़ ने साबित कर दिया कि उनके आरोपों का जनता पर कोई असर नहीं पड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती देने वाले राहुल गांधी के दावे का मजाक उड़ाया, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि प्रधानमंत्री जानते हैं कि उनके फोन में इस बात के सबूत हैं कि उन्हें विदेशी ताकतें नियंत्रित कर रही हैं और सरकार उनका फोन टैप कर रही है। चिराग पासवान ने पूरे घटनाक्रम को एक पैटर्न बताया, जिसे वे पिछले कुछ समय से देख रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, यह एक ऐसा पैटर्न है, जिसे हम पिछले कुछ समय से देखते आ रहे हैं। संसद का सत्र शुरू होने से पहले वे कोई मुद्दा उठाते हैं, सदन के भीतर हंगामा करते हैं और कार्यवाही बाधित कर देते हैं। शीतकालीन सत्र नजदीक है और वे एक बार फिर उसी पुरानी रणनीति का सहारा ले रहे हैं।



यूपी चुनाव 2027-सपा-कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर 17 नवंबर को अहम बैठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हैं। चुनावी तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच गठबंधन तथा सीटों के बंटवारे को लेकर महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। 17 नवंबर को प्रस्तावित बैठक में सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी शामिल हो रहे हैं। बैठक को दोनों दलों के बीच भविष्य की चुनावी रणनीति तय करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में सपा और कांग्रेस पहले भी गठबंधन के तहत चुनाव लड़ चुके हैं। इसके बाद आगामी विधानसभा चुनाव में दोनों दलों के बीच तालमेल को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं। बैठक में सीटों के बंटवारे, गठबंधन की रूपरेखा और चुनावी रणनीति जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श होने की संभावना है। समाजवादी पार्टी का लक्ष्य 2027 के विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करना है, वहीं कांग्रेस भी प्रदेश में अपना जनाधार बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। दोनों दलों के बीच गठबंधन को सफलता काफी हद तक सीटों के उचित बंटवारे और आपसी समन्वय पर निर्भर करेगी। राजनीतिक जानकारों की नजर बैठक पर टिकी है, क्योंकि सीटों को लेकर दोनों पार्टियों के बीच बनने वाली सहमति आगामी चुनाव की दिशा प्रभावित कर सकती है। हालांकि, अभी सीटों की संख्या और बंटवारे के फॉर्मूले को लेकर किसी अंतिम निर्णय की जानकारी सामने नहीं आई है। 17 नवंबर की बैठक के बाद गठबंधन को लेकर तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है। फिलहाल दोनों दलों की ओर से चुनावी तैयारियों और संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

कांग्रेस गिग वर्कर्स को मजदूर नहीं, पार्टनर बनाना चाहती -राहुल गांधी

हैदराबाद। राहुल गांधी ने शनिवार को हैदराबाद पहुंचे वहां उन्होंने कहा कि बीजेपी और आरएसएस गिग वर्कर्स को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है। आपसे 24 घंटे काम कराकर अस्वपतियों, अडानी-अंबानी को फायदा पहुंचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस आपको पार्टनर बनाना चाहती है। हम आपके परिवार को शिक्षा और सुरक्षा देना चाहते हैं। राहुल ने गिग वर्कर्स के लिए तेलंगाना सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने डिलीवरी एजीक्यूटिव, कैब ड्राइवर और ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े अन्य कर्मचारियों को संबोधित किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल ने कहा कि एक्सीडेंट होता है, बीमारी होती है, इससे नुकसान होता है। परिवार परेशान होता है। इसलिए, तेलंगाना सरकार हर गिग वर्कर को पांच लाख रुपए एक्सीडेंट बीमा और 10 लाख रुपए हेल्थ इंश्योरेंस देने जा रही है। उन्होंने कहा कि हर ट्रांजेक्शन में राउड डिलीवरी में एक फीसदी पैसा सीधा आपके बैंक अकाउंट में आपके भविष्य के लिए जाएगा। यह पैसा आपको कंपनी को देना होगा। राहुल ने कहा कि तेलंगाना के शहरों में आप दिन भर धूप में स्कूटर पर चलते हो, लेकिन रेस्ट करने के लिए जगह नहीं है। इसलिए, राज्य सरकार गिग वर्कर के लिए रेस्ट जोन बनाने जा रही है। राहुल ने कहा कि कुछ समय पहले मैं आपसे मिला था, तेलंगाना कि गिग वर्कर्स के साथ मेरी बैठक हुई थी। आपने अपना दुख, दर्द बताया था। कांग्रेस और हमारे तेलंगाना सीएम ने वादा किया था कि आपकी मांगे पूरी करेंगे। हमने मदद और प्रोटेक्शन का वादा किया था, जो आज पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक गिग वर्कर अपने डेटा को नहीं देख सकता था। अब ये कानून गिग वर्कर को आपके डेटा पर अधिकार देने जा रहा है। इस दौरान वर्कर्स के लिए वेलफेयर बोर्ड की शुरुआत भी हुई, जो राज्य में उनके लिए कानून और कल्याणकारी योजनाएं लागू करेगा। इससे पहले राहुल और तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी गिग वर्कर्स की बाइक रैली में भी शामिल हुए। इस दौरान राहुल महिला बाइक राउडर के स्कूटर के पीछे बैठे नजर आए। वहीं, हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस की भारत समिट के दूसरे दिन राहुल गांधी उसमें भी शामिल होंगे।



देश के पहले प्रधानमंत्री की जयंती पर खड़गे, राहुल और प्रियंका गांधी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान को याद किया। खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत को आजादी से लेकर एक मजबूत, आधुनिक, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील राह की नींव रखने तक नेहरूजी का ऐतिहासिक योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद तमाम चुनौतियों के बीच नेहरू ने अपनी दूरदर्शी सोच, मजबूत नेतृत्व और अटूट संकल्प से देश के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास को नई दिशा दी। गांडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि पंडित नेहरू का लोकतंत्र, समानता, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच में गहरा विश्वास था और उन्होंने ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर नागरिक को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर मिले और सभी एकता, भाईचारे और देशहित की भावना के साथ आगे बढ़ें। खड़गे ने बाल दिवस के अवसर पर बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा, समान अवसर और अपने सपनों को पूरा करने का अधिकार दिलाने के संकल्प को और मजबूत करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि आजादी उनकी मंजिल नहीं, देश के नए सफर का मुकाम थी और स्वराज उनके लिए सत्ता नहीं, हर नागरिक की भागीदारी एवं देश के भविष्य की जिम्मेदारी थी। उन्होंने कहा कि भारत उनके लिए एक खोज, एक विचार था - विविधता जिसकी शक्ति, लोकतंत्र जिसका विश्वास और समानता जिसका आधार हो। राहुल गांधी ने कहा कि एक आधुनिक, वैज्ञानिक, प्रगतिशील और आत्मविश्वासी भारत का उनका सपना आज भी हमारी प्रेरणा है और उस सपने के भारत की ओर हमारा प्रयास ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा पर संपत्ति विवाद

मुंबई । बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का जुहू स्थित आलीशान बंगला जलसा अब पारिवारिक संपत्ति विवाद की वजह बन गया है। अमिताभ बच्चन की भाभी और उनके छोटे भाई अजिताभ बच्चन की पत्नी रमोला बच्चन ने 33 साल पुराने एक दस्तावेज की चुनौती देकर बंगले के मालिकाना हक पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रमोला ने आरोप लगाया है कि वर्ष 1993 में एक गिफ्ट डीड के जरिए यह संपत्ति जया बच्चन के नाम कर दी गई, जबकि इस लेन-देन में उनकी जानकारी और सहमति नहीं ली गई थी। मामला अब अंधेरी स्थित डिप्टी रजिस्ट्रार ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज के कार्यालय तक पहुंच गया है। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने सुनवाई शुरू कर दी है और संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। हालांकि, अभी तक संपत्ति के मालिकाना हक और विवादित दस्तावेज की वैधता पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।



मैं ओवैसी तेरे आंगन का...पवन खेड़ा ने एआईएमआईएम और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कसा तंज

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद कांग्रेस ने निशाना साधना शुरू किया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने ओवैसी पर फिल्मी अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है, जिसका नाम है मैं ओवैसी तेरे आंगन का।

कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपनी टिप्पणी में पुरानी फिल्म मैं तुलसी तेरे आंगन की का जिक्र कर कहा, वहां पिक्चर थी ना मैं तुलसी तेरे आंगन की, अब लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है मैं ओवैसी तेरे आंगन का। उनके इस बयान को ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कांग्रेस की राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

इसके पहले कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी भी दोनों नेताओं के गठबंधन को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के बीच हुआ सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का गठबंधन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के इशारे पर तैयार किया गया है। कांग्रेस सांसद तिवारी का दावा था कि बीजेपी इसतरह के गठबंधनों के जरिए विपक्षी दलों के वोटों में बंटवारा कराने की रणनीति अपनाती है।

उन्होंने महाराष्ट्र और बिहार के सीमांचल क्षेत्र का उदाहरण देकर कहा था कि इसतरह के राजनीतिक समीकरणों से चुनाव में वोटों का विभाजन होता है, जिसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है। गौरतलब है कि चंद्रशेखर आजाद ने आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सामने भी गठबंधन का प्रस्ताव रखा था, लेकिन दोनों दलों के साथ सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद ओवैसी और चंद्रशेखर ने साथ आने का फैसला किया। अब इस गठबंधन ने प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है।

गोधरा कांड-राकेश अस्थाना का सनसनीखेज दावा, लालू यादव पर फंसाने की कोशिश का आरोप

नई दिल्ली। सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक राकेश अस्थाना ने गोधरा ट्रेन अग्निकांड की जांच से जुड़ा एक चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि तत्कालीन रेल मंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने उन्हें जस्टिस यूसी बनर्जी समिति के माध्यम से फंसाने की कोशिश की थी। अस्थाना ने इंटरव्यू के दौरान यह बात कही। सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक अस्थाना ने बताया कि उन्हें दिल्ली में कार्यरत उनके एक पुराने मीडियाकर्मी साथी ने फोन कर सतर्क कर दिया था। साथी ने उन्हें चेतावनी दी थी कि जस्टिस यूसी बनर्जी समिति के नाम पर उन्हें गोधरा मामले में फंसाने की कोशिश हो सकती है। हालांकि, अस्थाना ने इस पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया कि लालू प्रसाद यादव का इसके पीछे कोई निजी या राजनीतिक मकसद था। यह घटना साल 2002 की है जब गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगने से 59 कारसेवकों की मौत हो गई थी। केंद्र में सरकार बदलने के बाद साल 2004 में लालू प्रसाद यादव ने रेल मंत्री के रूप में जस्टिस यूसी बनर्जी समिति का गठन किया था। लालू प्रसाद यादव द्वारा गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि ट्रेन में आग दुर्घटना के कारण लगी थी, संभवतः कोच में रखे स्टोव के कारण लगी हो सकती है।

दो साल से अधूरा पड़ा पलहेरा का प्राथमिक स्कूल भवन, एक ही अतिरिक्त कक्ष में पढ़ने को मजबूर बच्चे

निर्माण के लिए मिलीं केवल दो किस्तें, पंचायत सचिव बोले- 9 लाख रुपए मिलने पर 12 से 13 लाख का करा चुके हैं काम, मजदूरों का भुगतान भी अटका





पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पलहेरा में प्राथमिक स्कूल भवन का निर्माण अधूरा होने से बच्चों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल भवन स्वीकृत होने के बाद निर्माण कार्य शुरू तो हुआ, लेकिन वर्ष 2024 से अब तक भवन पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में प्राथमिक शाला का संचालन आज भी एक अतिरिक्त कक्ष में किया जा रहा है, जहां एक ही कमरे में अलग-अलग कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाना शिक्षकों के लिए चुनौती बना हुआ है। बच्चे लंबे समय से अपने नए स्कूल भवन के तैयार होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण उनकी यह उम्मीद अब तक पूरी नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि स्कूल भवन निर्माण के लिए पंचायत को अब तक शासन की ओर से केवल दो किस्तें ही प्राप्त हुई हैं। पर्याप्त राशि नहीं मिलने के कारण निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। इसी संबंध में ग्राम पंचायत पलहेरा के सचिव देवेंद्र मानेश्वर से दूरभाष पर चर्चा की गई। उन्होंने स्वीकार किया कि प्राथमिक शाला वर्तमान में अतिरिक्त कक्ष में संचालित हो रही है और स्कूल भवन का निर्माण बीते कुछ वर्षों से जारी है, लेकिन राशि की कमी के कारण भवन अब तक पूरा नहीं हो पाया है। सचिव देवेंद्र मानेश्वर ने बताया कि भवन निर्माण के लिए अब तक दो किस्तों में कुल 9 लाख रुपए मिले हैं, जबकि पंचायत द्वारा करीब 12 से 13 लाख रुपए का निर्माण कार्य कराया जा चुका है। शेष राशि नहीं मिलने से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। उन्होंने बताया कि पंचायत की ओर से लगातार राशि की मांग भेजी जा रही है, लेकिन संबंधित विभाग से अगली किस्त जारी नहीं होने के कारण काम पूरा कराना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि निर्माण कार्य में लगने वाले मजदूरों और अन्य भुगतान को लेकर भी पंचायत के सामने परेशानी खड़ी हो रही है। स्वीकृत राशि से अधिक का काम कराए जाने के बाद अब भुगतान करना मुश्किल हो रहा है। सचिव ने संबंधित विभाग से जल्द से जल्द स्कूल भवन निर्माण की शेष किस्त जारी करने की मांग की है, ताकि अधूरे निर्माण को पूरा कराया जा सके और बच्चों को अपने स्कूल भवन में पढ़ाई करने की सुविधा मिल सके।

विद्युत करंट की चपेट में आने से तेंदुए की मौत, सात आरोपी पकड़े गए

वन विभाग ने पोस्टमार्टम के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत कराया शव का दाह संस्कार, वन अपराध प्रकरण दर्ज कर जांच जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता परियोजना मंडल के क्षेत्राधिकार अंतर्गत दक्षिण बारिया बीट के कक्ष क्रमांक 1166 की सीमा से लगभग 450 मीटर दूर राजस्व क्षेत्र में 13 नवंबर को एक नर तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। प्रारंभिक जांच में तेंदुए की मृत्यु विद्युत करंट लगने से होना सामने आया है। वन विभाग ने इस मामले में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर अब तक सात आरोपियों को पकड़ लिया है। प्रकरण में आगे की विवेचना जारी है।



घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए), नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश, भोपाल से जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप तत्काल कार्रवाई करते हुए घटनास्थल की सुरक्षित किया गया।

14 नवंबर को विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम ने मृत तेंदुए का परीक्षण एवं पोस्टमार्टम किया। इस दौरान डॉ. सुनील गोयल, पशु चिकित्साधिकारी बैहर, डॉ. सुरेन्द्र मसकोले एवं डॉ. नेहा अहाके, पशु चिकित्सा सहायक शल्पा परसवाड़ा उपस्थित रहे। पोस्टमार्टम के बाद मृत वन्यप्राणी के आवश्यक अंगों एवं अवयवों को फॉरेंसिक जांच के लिए सीलबंद किया गया।

इसके पश्चात निर्धारित मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार नर तेंदुए के शव का दाह संस्कार किया गया। इस दौरान अनिल शुक्ला, क्षेत्रीय महाप्रबंधक जबलपुर, गौरव चौधरी, मुख्य वन संरक्षक वनवृत्त बालाघाट, सुंदर निवेदन एम., संभागीय प्रबंधक लामता परियोजना मंडल बालाघाट, श्री तिलकचंद घोरमारे, नायब तहसीलदार परसवाड़ा, डिकेश चौधरी, प्रतिनिधि एनटीसीए क्षेत्रीय कार्यालय नागपुर, कुंवरसिंह मेरावी, सरपंच नाटा तथा देवेश खराड़ी, उप संभागीय प्रबंधक सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन विभाग द्वारा संपूर्ण कार्रवाई की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई। इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 422/02 दिनांक 13 नवंबर 2026 दर्ज किया गया है। प्रकरण में सात आरोपियों को पकड़ा गया है तथा विद्युत करंट से वन्यप्राणी की मृत्यु के मामले में विस्तृत जांच एवं विवेचना जारी है।

राज्य स्तरीय शालेय रोड साइकिलिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

भामोडी-रेंगाटोला फोरलेन पर 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की मास स्टार्ट स्पर्धा आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 70वीं राज्य स्तरीय शालेय रोड साइकिलिंग प्रतियोगिता के अंतर्गत जनिवार को भामोडी-रेंगाटोला फोरलेन पर 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की मास स्टार्ट रोड साइकिलिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।



ऊल्लेखनीय है कि 70वीं राज्य स्तरीय शालेय रोड साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 15 नवंबर 2026 तक राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित भामोडी-रेंगाटोला फोरलेन पर किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से आए खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता का समापन 15 नवंबर को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में किया जाएगा।

शुभारंभ अवसर पर सहायक संचालक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय श्री मोहित डेहरिया, शासकीय हाईस्कूल जागपुर के प्राचार्य श्री टी.के. गौतम, जिला क्रीड़ा अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी, जिला साइकिलिंग संघ के सचिव मनोज उपवंशी सहित खेल एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न संभागों से आए आॅफिशियल्स, दल प्रबंधक, कोच, मैनेजर एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में जिला साइकिलिंग संघ, शिक्षा विभाग एवं खेल विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गौनाझोला और डोरा में कबड्डी एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन-युवाओं ने दिखाया दमखम

सामुदायिक पुलिसिंग के तहत थाना रूपझर पुलिस की पहल

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के साथ पुलिस-जनता के बीच मजबूत हुआ विश्वास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से थाना रूपझर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत ग्राम गौनाझोला एवं ग्राम डोरा में कबड्डी और वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दोनों गांवों में 10 एवं 12 नवंबर 2026 को आयोजित इन खेल प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के विभिन्न गांवों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। 10 नवंबर को ग्राम गौनाझोला में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता के साथ थाना प्रभारी रूपझर निरीक्षक कामेश धुमकेती के नेतृत्व में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती सुनीता भलावी, जनपद सरपंच सुंदर सिंह उइके, जनपद सदस्य मोहबल सिंह उइके, पूर्व जनपद सदस्य श्रीमती सुशीला सरोते एवं थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेती सहित अमर सिंह मरकाम, नरबद सिंह मरकाम, कमल सिंह बोमचेर, दयाल सिंह मरकाम, विनोद मेरावी, राकेश मरकाम, सुरेश मेरावी सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कबड्डी का प्रथम पुरस्कार केसलई की टीम ने 5,555 रुपये तथा द्वितीय पुरस्कार गौनाझोला की टीम ने 3,333 रुपये प्राप्त किया। वहीं सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सांहा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 5,000 रुपये तथा दीनाटोला की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 2,500 रुपये का पुरस्कार जीता। इसी क्रम में 12 नवंबर को ग्राम डोरा में भी कबड्डी एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती सीमा भलावी, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती दुलारी अर्जुन टेकाम, जिला पंचायत सदस्य दल सिंह चन्दे, उपसरपंच दुर्गेश बिसेन, थाना रूपझर प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेती एवं डोरा चौकी के सहायक उपनिरीक्षक धनेन्द्र कलोहारी सहित चित्रानंद ठाकरे, नेहरू सिंह खण्डाते, अशोक खण्डाते, संतोष खण्डाते, राजेश मेरावी, रामेश्वर कटरे, सुनील उइके, मेहतर सिंह भेलावी, सुरेन्द्र गौतम, श्रीमती गीता पालेवार, निर्मला टेकाम सहित अन्य अतिथि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।ग्राम डोरा में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में केसलई की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 6,000 रुपये तथा डोरा की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 3,000 रुपये का पुरस्कार जीता। वहीं वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सांहा की टीम 5,000 रुपये के प्रथम पुरस्कार तथा परसवाड़ा की टीम 3,000 रुपये के द्वितीय पुरस्कार की विजेता रही।दोनों प्रतियोगिताओं में गौनाझोला, केसलई, डोरा, बिजोरा, चीनी, उमरिया, जैतपुरी, परसवाड़ा, सांहा, दीनाटोला एवं गुदमा सहित आसपास के गांवों की टीमों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत करना मुख्य उद्देश्य

थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेती के नेतृत्व में आयोजित इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना, युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना तथा पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय, आपसी विश्वास एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करना रहा। सामुदायिक पुलिसिंग के माध्यम से पुलिस ने ग्रामीण युवाओं के साथ संवाद और सहयोग बढ़ाने का सकारात्मक संदेश दिया। दोनों आयोजन को सफल बनाने में सामुदायिक पुलिसिंग विभाग, आयोजन समिति, खिलाड़ियों, जनप्रतिनिधियों एवं समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा। ग्रामीणों ने पुलिस की इस पहल की प्रसंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता की अपेक्षा जताई।

भेंडारा के पीएम श्री स्कूल में बाल दिवस पर आयोजित हुआ बैगलेस डें

पद्मेश न्यूज। डोंगरमाली वार्तासेवनी। खैरलांजी विकासखंड अंतर्गत पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भेंडारा में १४ नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ बैगलेस डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ साथ व्यावहारिक, रचनात्मक एवं आनंददायक गतिविधियों से जोड़ना था। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों को बाल दिवस के महत्व एवं चाचा नेहरू के जीवन तथा बच्चों के प्रति उनके स्नेह और विचारों से परिचित कराया गया। बैगलेस डे के अंतर्गत विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बच्चों के लिए खेलकूद, चित्रकला, रंगोली, प्रश्नोत्तरी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, समूह गतिविधियाँ एवं कौशल आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, कल्पनाशीलता एवं सृजनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने सहयोग,सहभागिता, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व जैसे जीवनोपयोगी गुणों का विकास किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। बल्कि जीवन के अनुभवों, रचनात्मकता और व्यावहारिक कौशलों से भी समृद्ध होती है। बैगलेस डे बच्चों को तनावमुक्त वातावरण में सीखने और अपनी प्रतिभा निखारने का एक सार्थक अवसर प्रदान करता है। संपूर्ण कार्यक्रम आनंद, उमंग एवं उत्साह से परिपूर्ण रहा। निश्चित ही यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ।



कृषि उपज मंडी का विधायक गौरव सिंह पारधी ने किया निरीक्षण

किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर दिया जोर

पद्मेश न्यूज। वार्तासेवनी। कटंगी क्षेत्र के किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और कृषि उपज मंडी को व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने के उद्देश्य से विधायक गौरव सिंह पारधी ने कटंगी कृषि उपज मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ एसडीएम विजय सिंह यादव भी मौजूद रहे। विधायक ने मंडी परिसर का जायजा लेते हुए किसानों को मिलने वाली सुविधाओं, आवश्यक व्यवस्थाओं एवं मंडी संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विधायक पारधी ने संबंधित अधिकारियों से मंडी की वर्तमान स्थिति और व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी उपज के विक्रय के लिए किसी प्रकार की परेशानी ना हो, इसके लिए मंडी में सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंडी संचालन से संबंधित आवश्यक तैयारियां और व्यवस्थाएं जल्द से जल्द पूर्ण कर मंडी को सुचारू रूप से प्रारंभ किया जाए। विधायक ने मंडी की व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से दुरुस्त करने पर जोर देते हुए कहा कि क्षेत्र के किसानों को उनकी उपज के विक्रय के लिए बेहतर सुविधा और उचित व्यवस्था मिलनी चाहिए। मंडी का सुचारू संचालन प्रारंभ होने से कटंगी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को अपनी कृषि उपज के विक्रय में सुविधा मिलेगी।



आंचलिक छत्तीसगढ़ी प्रोग्राम
चुनमुनिया
आकर्षक झांकियों के साथ
गायक - दामाद बाबू
राजनांदगांव के द्वारा प्रस्तुत
7440787959
8085493332

भजियापार एवं चिखलाबांध में कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न

विधायक गौरव सिंह पारधी ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

पद्मेश न्यूज। वार्तासेवनी। कटंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भजियापार एवं चिखलाबांध में गत रात्रि आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में विधायक गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचकर खिलाड़ियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों से मुलाकात की। विधायक पारधी ने मैदान में खेल रहे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा खेल प्रेमियों एवं उपस्थित ग्रामवासियों से आत्मीय भेंट कर उनका अभिनंदन स्वीकार किया। इस अवसर पर विधायक पारधी ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी खेल क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजन युवाओं में अनुशासन, आपसी सहयोग, टीम भावना और खेल के प्रति रुचि को बढ़ावा देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों का निरंतर आयोजन होना युवाओं की प्रतिभा को आगे लाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों के खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही आयोजन को सफल बनाने में जुटी आयोजन समिति,सहयोगकर्ताओं एवं समस्त ग्रामवासियों को बधाई दी। विधायक पारधी ने खिलाड़ियों के उत्साह और खेल प्रेमियों की उपस्थिति की सराहना करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में खेल आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने की बात कही। इस अवसर पर जनक सिंह ठाकरे, मितेश पटले,संतोष सोनवाने , राजेन्द्र पटले, नरेन्द्र जामुनपानी,कपूर उइके ,ज्ञानसिंह उइके, अनीश पटले एवं समस्त आयोजन समिति के सदस्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।



बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर ट्रॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
रविवार 15 नवम्बर 2026

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

बूढ़ी में पाइपलाइन के एयर वॉल्व लीकेज, सड़कों से घरों तक पहुंच रहा पानी

नगर पालिका अध्यक्ष ने एक-दो दिन में मरम्मत करवाने की कही बात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के बूढ़ी क्षेत्र में पेयजल पाइपलाइन के एयर वॉल्व में लगातार हो रहे लीकेज अब स्थानीय रहवासियों के लिए परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 1 में रेलवे क्रॉसिंग से लेकर बूढ़ी आईटीआई तक अलग-अलग स्थानों पर पाइपलाइन के एयर वॉल्व से पानी का रिसाव हो रहा है। स्थिति यह है कि पाइपलाइन से निकलने वाला पानी सड़कों पर बहने के साथ आसपास के खाली प्लॉटों और रहवासियों के घरों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों को आवागमन के साथ-साथ घरों में पानी भरने की समस्या का भी सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर पूर्व में भी वार्डवासियों ने नगर पालिका में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद कुछ स्थानों पर सुधार कार्य भी कराया गया, लेकिन इसके बावजूद समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई है।



14 नवंबर को एक बार फिर बूढ़ी के जोड़ा महुआ के पास पाइपलाइन के एयर वॉल्व में लीकेज होने से बड़ी मात्रा में पानी बहने लगा। लगातार पानी निकलने के कारण आसपास की सड़क पर जलभराव की स्थिति बन गई। यहां रहने वाले निर्मल चौधरी ने बताया कि पिछले 10 से 12 दिनों से पाइपलाइन के एयर वॉल्व टूटने और लीकेज होने के कारण पानी लगातार बह रहा है। उन्होंने बताया कि पाइपलाइन से निकलने वाला पानी एक खाली प्लॉट से होते हुए उनके घर के अंदर तक प्रवेश कर रहा है। इससे घर में पानी भरने की समस्या पैदा हो रही है और परिवार को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। निर्मल चौधरी के अनुसार, इस समस्या को लेकर उनके द्वारा नगर पालिका में शिकायत भी की गई थी, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। लगातार पानी बहने से सड़क पर भी पानी फैल रहा है, जिससे राहगीरों और आसपास के रहवासियों को दिक्कत हो रही है। उनका कहना है कि यदि समय रहते लीकेज को ठीक नहीं कराया गया तो पानी का बहाव और बढ़ सकता है, जिससे घरों और आसपास के क्षेत्रों में परेशानी बढ़ने की आशंका है। इसी तरह बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास भी पाइपलाइन के एयर वॉल्व से बड़ी मात्रा में पानी बह रहा है। क्षेत्र में ऐसे तीन से चार स्थान सामने आए हैं, जहां एयर वॉल्व में लगातार लीकेज होने के कारण पेयजल व्यर्थ बह रहा है। एक ओर शहर में पानी की उपलब्धता और उसके उचित उपयोग को लेकर प्रयास किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर पाइपलाइन में खराबी के चलते बड़ी मात्रा में पानी सड़कों पर बह रहा है। वार्डवासियों का कहना है कि नगर पालिका को इन सभी स्थानों का निरीक्षण कर तत्काल मरम्मत करानी चाहिए, ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके और लोगों को हो रही परेशानी से राहत मिले। इस संबंध में नगर पालिका की जलप्रदाय शाखा के शिव ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पाइपलाइन के एयर वॉल्व में तकनीकी समस्या आ रही है, जिसके चलते कुछ स्थानों पर वॉल्व टूटने और लीकेज की स्थिति बनी है। नगर पालिका की ओर से कुछ वॉल्व की मरम्मत भी कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि यह तकनीकी कार्य है और पाइपलाइन को सीधे बंद कर देने से क्षेत्र के कई घरों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसी वजह से मरम्मत के दौरान कुछ परेशानियां सामने आ रही हैं। हालांकि विभाग की ओर से खराब वॉल्व को दुरुस्त करने का काम किया जा रहा है।

सभी लीकेज वाले स्थानों को दुरुस्त करवाया जाएगा - भारती

इस पूरे मामले को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि बूढ़ी क्षेत्र में पाइपलाइन के एयर वॉल्व से पानी बहने की जानकारी उनके संज्ञान में भी आई है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा आगामी एक से दो दिनों में सभी लीकेज वाले स्थानों की दुरुस्त करवाया जाएगा। साथ ही जिन रहवासियों के घरों और आसपास के क्षेत्रों में पानी पहुंचने से परेशानी हो रही है, वहां भी तत्काल सुधार कार्य कराया जाएगा।

अमेरिका में बालाघाट के यूनिक राहंगडाले ने हासिल की मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी

गूगल में वैज्ञानिक के रूप में कर चुके हैं कार्य, वर्तमान में रिवीण कंपनी में सीनियर मैनेजर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट के होनहार युवा यूनिक राहंगडाले ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित द यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट आर्लिंगटन से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि हासिल की है।यूनिक का शोध उन्नत माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक पैकेजिंग की विश्वसनीयता, पदार्थों के विश्लेषण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए आई) के माध्यम से संभावित जोखिमों का पूर्वानुमान लगाने पर आधारित रहा। उनका शोध अत्याधुनिक तकनीकी विषयों से जुड़ा है, जिसे उन्होंने प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. डेरेक अगोनाफर के मार्गदर्शन में पूरा किया। अब तक उनके 30 से अधिक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं और वैज्ञानिक मंचों पर प्रकाशित हो चुके हैं।शैक्षणिक उपलब्धि के साथ ही यूनिक ने वैश्विक तकनीकी क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई है।वे पूर्व में गूगल में रिलायबिलिटी सिमुलेशन साइंटिस्ट के पद पर कार्य कर चुके हैं। वर्तमान में अमेरिका की प्रतिष्ठित इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी रिवियन में सीनियर मैनेजर ऑफ रिलायबिलिटी के पद पर कार्यरत हैं।

प्राचार्य युवराज रहांगडाले के सुपुत्र हैं यूनिक

आपको बताए कि यूनिक राहंगडाले नगर के शिक्षाविद् डॉ. युवराज राहंगडाले, प्राचार्य सान्दीपनि विद्यालय



बालाघाट एवं श्रीमती चित्ररेखा राहंगडाले, प्राचार्य द बालाघाट पब्लिक स्कूल के सुपुत्र हैं। उनकी बहन प्रणाली राहंगडाले भी अमेरिका के सिएटल में अमेजन के रोबोटिक्स विभाग में डेटा साइंटिस्ट के रूप में कार्यरत हैं।यूनिक की इस उपलब्धि से राहंगडाले परिवार सहित पूरे बालाघाट जिले में हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता पर शिक्षाविदों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं नगरवासियों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

महाराष्ट्र के बोडरागणी में नवेगांव की महिला की हत्या,पुरुष साथी घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर खैरी पुल से लगे महाराष्ट्र के ग्राम बोडरागणी में एक महिला की हत्या और उसके पुरुष साथी को घायल किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतिका की पहचान मध्यप्रदेश के थाना खैरलांजी के ग्राम नवेगांव निवासी ३५ वर्षीय वर्षा तुरकर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला और उसके साथी पुरुष के साथ अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा लूटपाट किए जाने के बाद महिला की हत्या कर दी गई। जबकि उसके साथी को घायल कर आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षा तुरकर दो बच्चों की मां थीं और किसी पुरुष साथी के साथ महाराष्ट्र के ग्राम बोडरागणी पहुंची थीं। वहां किन परिस्थितियों में और किस उद्देश्य से दोनों गए थे इसकी जानकारी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि इसी दौरान अज्ञात व्यक्तियों ने दोनों को निशाना बनाते हुए लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान आरोपियों ने महिला की हत्या कर दी तथा उसके पुरुष साथी को घायल अवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद खैरलांजी पुलिस ने मामले की गंभीरता से लेते हुए जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस के द्वारा महिला के शव को बरामद कर शव चिन्हेदन गृह में सुरक्षित रखवाया गया है। वहीं घटना स्थल का निरीक्षण कर वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। घायल पुरुष साथी से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकें। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि वारदात किन परिस्थितियों में हुई और इसमें कितने लोग शामिल थे। लूटपाट के साथ हत्या किए जाने की आशंका को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है।

बूढ़ी की पारंपरिक मंडई में उमड़ी भीड़, झूलों और मिठाइयों की दुकानों पर रही रौनक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली के बाद जिलेभर में पारंपरिक मंडई मेलों का सिलसिला शुरू हो जाता है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक इन दिनों मंडई की धूम है। इसी परंपरा के तहत 14 नवंबर को शहर के वार्ड क्रमांक 1 स्थित बूढ़ी आईटीआई के आगे स्कूल मैदान में पारंपरिक मंडई का आयोजन किया गया।



और बताशों की खरीदारी की, जबकि बच्चों के बीच झूलों को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। महिलाएं, युवा और बुजुर्ग भी परिवार के साथ मेले में पहुंचे। सभी ने अपनी-अपनी पसंद के अनुसार खरीदारी और मनोरंजन का आनंद लिया। पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे लोगों के कारण आयोजन में उत्सवी माहौल नजर आया।स्थानीय लोगों के अनुसार बूढ़ी की मंडई कई वर्षों पुरानी परंपरा है। क्षेत्र के निवासी और आयोजन से जुड़े लोग प्रतिवर्ष इसका आयोजन करवाते आ रहे हैं। इस मंडई का विशेष महत्व इसलिए भी है, क्योंकि यह वर्षों से आयोजित हो रही इस मंडई में स्थानीय लोगों के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और मेले का आनंद लिया। मंडई के लिए सुबह से ही मैदान में तैयारियां शुरू हो गई थीं। स्थानीय और बाहरी छोटे व्यापारियों ने यहां मिठाइयों, बताशों और अन्य घरेलू व पारंपरिक सामग्रियों की दुकानें सजाईं। वहीं बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले लगाए गए। शाम होते-होते मैदान में लोगों की आवाजाही बढ़ने लगी और पूरा परिसर मेले की रौनक से गुलजार हो गया। मंडई में पहुंचे लोगों ने अपनी पसंद की मिठाइयों स्थानीय संस्कृति और सामाजिक मेल-मिलाप को बनाए रखने के साथ छोटे व्यापारियों की रोजगार का अवसर भी उपलब्ध कराती है। आयोजन के दौरान रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जागरण का भी आयोजन किया जाता है। इसी के चलते देर रात तक मंडई स्थल पर चहल-पहल बनी रही। बच्चों ने झूलों का आनंद लिया तो परिवारों ने खरीदारी कर इस पारंपरिक मेले में अपनी सहभागिता निभाई। इस तरह बूढ़ी की मंडई ने एक बार फिर क्षेत्र की पुरानी परंपरा और सामूहिक उत्सव की भावना को जीवंत कर दिया।

दीपावली की छुट्टी से लौट रहा था श्रेयांस, रास्ते में मौत ने रोक दी जिंदगी की राह!

अज्ञात वाहन की टक्कर से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे 28 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत, परिवार का इकलौता बेटा था मृतक, टक्कर मारने वाले वाहन का अब तक सुराग नहीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बेहतर भविष्य के सपने लेकर घर से निकला एक नौजवान अपनी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही जिंदगी की जंग हार गया। दीपावली की छुट्टियां बिताकर बालाघाट लौट रहे 28 वर्षीय श्रेयांस तुमराने को रास्ते में अज्ञात वाहन ने ऐसी टक्कर मारी कि उसे संभलने तक का मौका नहीं मिला। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उपचार के लिए जिला अस्पताल लाते समय उसकी मौत हो गई। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर अपने भविष्य को संवारने में जुटे श्रेयांस की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था।





घर से बालाघाट के लिए निकला, रास्ते में हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम नवेगांव तीनटोला निवासी दादूराम तुमराने तीनटोला स्थित सेवा सहकारी समिति में कार्यरत हैं जिनकी पुत्री का विवाह पूर्व में हो चुका है,जबकि श्रेयांस उनका इकलौता बेटा था बताया गया कि 28 वर्षीय श्रेयांस बालाघाट के बूढ़ी में किराए के कमरे में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। दीपावली की छुट्टियों में वह अपने घर गया हुआ था। शुक्रवार की रात करीब 10 से 11 बजे के बीच वह बाइक से वापस बालाघाट लौट रहा था। इसी दौरान वारासिवनी-बालाघाट मार्ग पर कायदी के आगे वैष्णोदेवी मंदिर के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में श्रेयांस गंभीर रूप से घायल हो गया था।

सिर में आई गंभीर चोट, अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

बताया गया कि सड़क हादसे की सूचना मिलने पर घायल श्रेयांस को एंबुलेंस की मदद से वारासिवनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए मध्यरात्रि के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। हालांकि सिर में गंभीर चोट होने के कारण जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। भविष्य के सपने संजोकर निकले युवक की मौत की खबर ने परिजनों को झकझोर कर रख दिया।

इकलौते बेटे की मौत से परिवार में मातम

शनिवार की अस्पताल से सूचना मिलने के बाद अस्पताल चौकी पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्रवाई की।परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया। मृतक के जीजा राहुल ने बताया कि श्रेयांस परिवार का इकलौता बेटा था और बालाघाट में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। उन्हें भी दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और किस वाहन ने टक्कर मारी, इसकी जानकारी नहीं है।

वारासिवनी पुलिस करेंगी मामले की जांच

अस्पताल चौकी पुलिस के अनुसार मामले में शून्य पर मर्ग कायम किया गया है। मर्ग डायरी अग्रिम जांच के लिए संबंधित थाना भेजी जाएगी। अब संबंधित थाना पुलिस दुर्घटना के कारणों और टक्कर मारकर फरार हुए अज्ञात वाहन का पता लगाने के लिए जांच करेगी।

इज्तेमाई शादी आज -22 जोड़े कहेंगे, निकाह कुबूल है

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर साल की तरह इस साल भी जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चरल सोसायटी बालाघाट की जानिब से इज्तेमाई शादी का इंतजाम किया गया है। 15 नवंबर रविवार को अंजुमन शादी हॉल में आयोजित इस इज्तेमाई शादी में सोसाइटी की जानिब से 22 मुस्लिम नवयुवक-युवती जोड़ों का निकाह इस्लामी रस्मो रिवाज के साथ तहत कराया जाएगा। साथ ही निकाह कुबूल करने वाले तमाम जोड़ों की सोसायटी की जानिब से उपहार स्वरूप घर-गृहस्थी की सामग्रियों का वितरण किया जाएगा। रविवार को आयोजित इज्तेमाई शादी में मुफ्ती ए महाराष्ट्र मुजतबा शरीफ साहब तशरीफ लाएंगे।आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत बरात रवानगी के साथ की जाएगी। यह बारात अंजुमन शादी हॉल से बैहर चौकी होते हुए शहर के विभिन्न चौक चौराहों गस्त लगाते हुए ,वापस अंजुमन शादी हाल पहुंचेगी। जहां सोसायटी द्वारा इस्लामी रस्मो रिवाज के अनुसार 22 मुस्लिम जोड़ों का निकाह संपन्न कराया जाएगा।जिसके उपरांत उन्हें घर गृहस्ती की सामग्रियों का वितरण कर ,निकाह में मौजूद तमाम लोगों को लंगर ए मोहम्मदी (खाना तक्सीम) किया जाएगा।यह तमाम जानकारी शनिवार मुस्लिम एजुकेशनल एंड कल्चर सोसायटी बालाघाट पदाधिकारियों द्वारा दी गई।



सेहरा गाते हुए निकाली जाएगी बारात

अंजुमन शादी हॉल में आयोजित इस इज्तेमाई शादी की शुरुआत बरात रवानगी के साथ अंजुमन शादी हॉल से होगी जहां निकाह के पूर्व एक सामूहिक बारात निकाली जाएगी ।यह बारात अंजुमन शादी हाल से बैहर चौकी, देवी तालाब रोड से मेन मार्केट होते हुए,काली पुतली चौक, आंबेडकर चौक, जयस्तंभ चौक, वहां से बूढ़ी अस्पताल मार्ग से बस स्टैंड, रानी अवंती बाई चौक होते हुए बैहर मार्ग रजा चौक, जामा मस्जिद चौक से वापस अंजुमन शादी हाल पहुंचेगी जहां सोसायटी की जानिब से 22 मुस्लिम जोड़ों का निकाह कराया जाएगा।

रेत का अवैध परिवहन करते चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं खनिजों के भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शनिवार सुबह खनिज विभाग के उड़नदस्ता दल ने विशेष अभियान चलाकर रेत का अवैध परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की हैं। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश एवं उप संचालक खनि प्रशासन सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के दौरान तहसील बालाघाट के ग्राम भमोड़ी में रेत का अवैध परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गईं। जब्त वाहनों को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए कलेक्टर कार्यालय स्थित खनिज शाखा में सुरक्षार्थ रखा गया है। वहीं, तहसील लालबर्रा के ग्राम देवरी में भी रेत का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई, जिसे पुलिस थाना लालबर्रा की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग द्वारा चारों वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम तथा मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग का यह अभियान जिले में अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करने तथा शासन को होने वाली राजस्व हानि रोकने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त लोगों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

लालबर्रा में 3 दिसंबर से लगेगा दो दिवसीय विशाल निः शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर

बैठक में क्षेत्रीयजनों को शिविर का लाभ दिलवाने सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र के नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं और बेहतर चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के प्रांगण में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आगामी 3 और 4 दिसंबर को प्रातः 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक आयोजित होगा। शिविर को सफल बनाने और इसकी रूपरेखा तैयार करने के लिए नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह महत्वपूर्ण बैठक पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य मौसम बिसेन, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, पनविहरी सरपंच विरेन्द्र बनवाले, वन समिति सभापति धनेन्द्र भलावी, खमरिया भाजपा मंडल पूर्व अध्यक्ष कन्हैया चौहान और बीएमओ. डॉ. रितु धुर्वे सहित क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के सरपंचों एवं गणमान्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित की गई।





भोपाल के सुपर स्पेशियलिटी विशेषज्ञों द्वारा दी जायेगी सेवाएं

बैठक में उपस्थितजनों को जानकारी दी गई कि चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल भोपाल के सहयोग से इस दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में भोपाल से आने वाले सुपर स्पेशियलिटी विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा क्षेत्रवर से पहुंचने वाले मरीजों का निःशुल्क परीक्षण और उपचार किया जायेगा। आयोजित शिविर में कैंसर रोग, अस्थि रोग (हड्डी), स्त्री एवं प्रसूति रोग, शिशु रोग, चर्म रोग और अन्य गंभीर बीमारियों का विशेषज्ञ परामर्श व उपचार किया जायेगा एवं निःशुल्क दवाईयां प्रदान की जायेगी। वही गंभीर बीमारियों से ग्रसित पाये जाने वाले मरीजों को आगे के उच्च उपचार हेतु भोपाल भेजा जायेगा। साथ ही आयोजित शिविर में विभिन्न प्रकार की खून से संबंधित जांचे की जायेगी, डिजिटल एक्स-रे, सोनोग्राफी, इको, ईसीजी, नेत्र (आँख) परीक्षण, डायबिटीज (मधुमेह) और फेफड़ों की कार्यक्षमता का परीक्षण किया जायेगा। वही बैठक के दौरान शिविर के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया गया, ताकि लालबर्रा क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों के अधिक से अधिक लोग इस महाअभियान का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को जिम्मेदारी व दायित्व भी सौंपे गये हैं, जिससे हर जरूरतमंद व्यक्ति तक इस स्वास्थ्य शिविर की जानकारी पहुंच सके। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

100 से अधिक विशेषज्ञ करेंगे जांच - मौसम

पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने बताया कि लालबर्रा मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय प्रांगण में आगामी 3 दिसंबर से दो दिवसीय विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार शिविर का आयोजन होना है। जिसकी तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन को सुचारू रूप से चलाने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने पर चर्चा की गई। आगे बताया कि इस शिविर में भोपाल के प्रसिध्द चिरायु हॉस्पिटल के 100 से अधिक विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम लालबर्रा पहुंचेगी। इस टीम में सामान्य रोगों के साथ-साथ हृदय रोग, स्त्री रोग, कैंसर, नेत्र रोग, हड्डी रोग, नाक-कान-गला, मानसिक रोग और फेफड़ों से संबंधित जटिल बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में मरीजों का परीक्षण और उपचार पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। साथ ही यह भी बताया कि स्पेशियलिटी चिकित्सकों के द्वारा जिन मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा और जिन मरीजों को आगे के उपचार के लिए चिन्हित किया जायेगा उन्हें बेहतर इलाज के लिए भोपाल भेजा जायेगा। मरीजों का भोपाल आना-जाना और वहां रहने का संपूर्ण उपचार पूरी तरह से निःशुल्क रहेगा। इससे पूर्व दिसंबर 2022 में भी इस प्रकार के विशाल शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें लगभग 10 हजार लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई थी और 3400 मरीजों को चिन्हित कर भोपाल भेजा गया था। इसी सफलता को ध्यान में रखते हुए इस बार व्यवस्थाओं को और अधिक भव्य एवं सुदृढ़ बनाया जा रहा है ताकि पिछली कमियों को दूर करते हुए अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

पांढरवानी मण्डई में गूंजेगी छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की गूंज, सुप्रसिध्द गायिका आरू साहू देंगी भव्य प्रस्तुति



पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के ग्राम पांढरवानी में 15 नवंबर को पारंपरिक मंडई मेले का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष मंडई के इस पावन अवसर पर ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए छत्तीसगढ़ की सुप्रसिध्द लोकगीत गायिका आरू साहू का विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसे लेकर क्षेत्र में अभूतपूर्व उत्साह नजर आ रहा है। आयोजन समिति सदस्य, क्षेत्रीय जनपद सदस्य दीपक कावरे एवं जावेद कुरैशी ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मंडई के छठवें दिन 15 नवंबर को ग्रामीणजनों के सहयोग से दिन-रात मंडई मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें क्षेत्रीय ग्रामीणजनों के मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ की लोकप्रिय लोकगायिका आरू साहू द्वारा शानदार प्रस्तुति दी जायेगी। इस छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू और अपनी मधुर आवाज से देश-विदेश में अपनी एक अलग पहचान बना चुकीं आरू साहू के गीतों को सुनने के लिए पांढरवानी सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों में भारी उत्सुकता है। इस आयोजन से न केवल पारंपरिक मेले की रौनक बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण संस्कृति और लोक कला को भी एक नया मंच मिलेगा। आगे बताया कि उक्त कार्यक्रम समाजसेवी अनुराग चतुरमोहता के मुख्य आतिथ्य, शशांक रेगारे की अध्यक्षता एवं जनपद सदस्य दीपक कावरे के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंडई समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणजनों ने की है।

कांग्रेसियों ने मनाई भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती





पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्राम गृह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा 14 नवंबर को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी का जन्म दिवस सादगीपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम समस्त कांग्रेसियों के द्वारा देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे याद किया एवं उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा देश के प्रथम प्रधानमंत्री स्व. पं. जवाहरलाल नेहरू जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए भारत के निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए नमन किया और उनके बताये मार्ग पर चलकर पार्टी एवं देशहित में काम करने की बात कही। चर्चा में कांग्रेस कमेटी लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष मनीराम भोयर ने बताया कि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती सादगीपूर्वक मनाकर उन्हें नमन किया गया। श्री भोयर ने बताया कि स्व. श्री नेहरू जी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे उन्होने आधुनिक भारत के नवनिर्माण की नींव रखी, देश को नई दिशा व दशा प्रदान करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। बच्चों के प्रति अथह प्रेम व स्नेह के कारण उनकी जयंती 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है। साथ ही यह भी बताया कि पंडित नेहरू जी ने देश की आजादी के बाद बेहद कठिन परिस्थितियों में देश की कमान संभाली और राष्ट्र को एक मजबूत दिशा दी। उन्होंने देश की नींव मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई, जिसकी बदौलत आज देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, विधायक प्रतिनिधि सुमित स्वामी, बंटी शर्मा, नीतिन साखला, रामनाथ सोनी, श्री कटरे, राहुल, मुस्कान कटरे सहित अन्य कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेरे पिता ने मुझे हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आना सिखाया राहुल गांधी ने पूर्व पीएम राजीव गांधी के लिखे पत्र को सार्वजनिक किया

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने दिवंगत पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी के लिखे एक पत्र को सार्वजनिक रूप से साझा किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि उनके पिता ने उन्हें हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आना सिखाया है। उन्होंने लिखा- यह मेरे पिता की दी गई सीख की अच्छी झलक है कि हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से व्यवहार करना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के पूर्व पीएम राजीव गांधी ने यह पत्र 7 फरवरी, 1990 को किशोर आजवानी को लिखा था। अपने पत्र में दिवंगत कांग्रेस नेता राजीव गांधी ने लिखा था- 'प्रिय किशोर आजवानी, जिन लोगों ने आपका पत्र पढ़ा और उसे मेरे पास भेजा, उनमें से किसी ने भी आप पर हंसी नहीं उड़ाई और न ही मैंने, जब मैंने व्यक्तिगत रूप से आपका पत्र पढ़ा। उन्होंने लिखा- किसी का भी समय इतना कीमती नहीं हो सकता कि वह शुभकामनाओं और सहानुभूति के लिए समय न निकाल सके, जिस भी व्यक्ति के मन में सहानुभूति और सद्भावना की भावनाएं हों और साथ ही उन्हें व्यक्त करने के लिए लिखने का साहस हो, वह कभी भी किसी भी सूरत में महत्वहीन व्यक्ति नहीं हो सकता है। शुभकामनाओं सहित, राजीव गांधी। राहुल गांधी ने एक्स पर अपने पिता की लिखी चिट्ठी को शेयर करने से पहले एक बार फिर से पीएम मोदी को बहस की चुनौती दी। उन्होंने वीडियो पोस्ट में कहा कि मैं इस बात को लगातार दोहरा रहा हूं कि अगर पीएम मोदी मुझसे डिबेट करने के लिए आते हैं, तो उनका राजनीतिक करियर पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। ये बात वो जानते हैं और मैं भी जानता हूं। वह मुझे बार-बार देश-विरोधी कहते हैं, तो मैं भी पूरे देश को दिखाना चाहता हूं कि आखिर वास्तविकता में देश-विरोधी कौन है! कौन किसके और कब से कंट्रोल में हैं और उन्हें यह सच्चाई पता है। उन्होंने कहा कि इस बात पर भी ध्यान दीजिए कि उनके मन में डर है, क्योंकि अब वो मेरे ऊपर कोई भी टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। मुझ पर हमले नहीं कर रहे हैं। वह बहुत ही सावधानी बरत रहे हैं, जिसके पीछे एक बहुत बड़ा कारण है।

बागपत में भीषण हादसा- इकोनॉमिक कॉरिडोर पर पिकअप ने कैंटर को मारी टक्कर, दो की मौत

बागपत। बागपत में इकोनॉमिक कॉरिडोर पर हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। शनिवार सुबह करीब चार बजे गांगनौली कट के पास हादसा हुआ, जब ट्रांसफार्मर से लदी एक मल्टिट्रा बोलेरो पिकअप ने सड़क किनारे खड़े एक कैंटर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, दिल्ली से देहरादून की ओर जा रहे कैंटर का अगला टायर पंक्चर हो गया था, जिसके कारण चालक ने उसे सड़क किनारे रोक रखा था। इसी दौरान, उसी दिशा में जा रही पिकअप के चालक विकास को तड़के झपकी आने की आशंका है, जिससे वह खड़े कैंटर को देख नहीं पाया और तेज गति से उसमें जा घुसा। इस दर्दनाक हादसे में 52 वर्षीय कैंटर चालक दिनेश राघव, जो बदरपुर, दक्षिणी दिल्ली के निवासी थे, और पिकअप में सवार 60 वर्षीय यादराम, जो जयपुर, राजस्थान के रहने वाले थे।

मुरलीखाम में दिन-रात की मंडई आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुरलीखाम में सार्वजनिक मंडई समिति के तत्वाधान में 15 नवंबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में समिति अध्यक्ष दीपक कावरे, सचिव योगेश जामरे ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिन-रात की मंडई के अवसर पर 15 नवंबर को रात 9 बजे से ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए छत्तीसगढ़ के प्रसिध्द 'मोर मीतान' छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रसिध्द 'मोर मीतान' छत्तीसगढ़ी के गायक अमृत भट्ट एवं गायिका तनु साहू एवं सहित अन्य कलाकारों के द्वारा करमा, सुआ, ददरिया सहित लोकप्रिय छत्तीसगढ़ी लोकगीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दी जायेगी। वही संगीतकार एवं टीम आयोजक राजेश भाई तथा मंच संचालक निलेश भाई रहेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सार्वजनिक मंडई समिति मुरलीखाम के अध्यक्ष दीपक कावरे, सचिव योगेश जामरे, संरक्षक सरपंच श्रीमती प्रेमलता ओमप्रकाश बिसेन, कोषाध्यक्ष अनिल पंचेश्वर, ग्राम अध्यक्ष मुकेश बाहेश्वर, सचिव सुनील कावरे, कोषाध्यक्ष विरेन्द्र पंचेश्वर सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

नेवरगांव वा. में डबल डंडार 18 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. में नवमी मंडई समिति के तत्वाधान में 18 नवंबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर डबल डंडार कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में समिति अध्यक्ष आशिक रजा खान ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नवमी मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से डबल डंडार का आयोजन किया गया है। जिसमें न्यू शारदा चउरंग मंडल पडारटोला एवं जय अंबे नवयुवक मंडल सरंडा के डंडार गायकों के द्वारा अपनी प्रस्तुती दी जायेगी और यह डंडार का कार्यक्रम 20 साल बाद नेवरगांव वा. में आयोजित किया जा रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणजनों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर जिलेवासियों से पहुंचने की अपील समिति अध्यक्ष आशिक रजा खान, उपाध्यक्ष राधेलाल बिसेन, किशोर जामरे, सह उपाध्यक्ष दिलीप कावरे, सचिव प्रशांत भालेकर, सहसचिव यादोराव जामरे, कोषाध्यक्ष पवन मंडलवार, सहकोषाध्यक्ष मुकेश हनवत, कपिल गुर्जर, संगठन मंत्री रतिराम खरे, सहसंगठन मंत्री वसंत तुरकर, मीडिया प्रभारी निश्चित भैरम, राज बिसेन, संरक्षक भरतलाल धुर्वे, मुन्नियाज अली खान, फागुलाल जामरे, पृथ्वीलाल गौतम, रूपलाल माते, महेश बिसेन, धनपाल टेंभरे, सुरेश भगत, दिनेश भैरम, गिरधारी बाहेश्वर, पांडुरंग गौतम, रामदास कावरे, राजेश जामरे, सेवक जामरे, धनपाल बिसेन, लोचनलाल गौतम सहित अन्य ग्रामीणजनों ने की है।

घोटी में दुय्यम महिला शायरी आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति के तत्वाधान में मंडई के अवसर पर 15 नवंबर को दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 15 नवंबर को रात 9 बजे से दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें शायर गीता उपवंशी एवं भामिनी शेण्डे अपने साथी कलाकारों के द्वारा सुमधुर स्वरों में शायरी की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति घोटी के अध्यक्ष चंद्रकुमार सहारे, उपाध्यक्ष डुलेन्द्र बोरकर, मुकेश सार्वे, सचिव ओमकार मंडलवार, जैवराम लानगे, कोषाध्यक्ष धनेन्द्र लानगे, ओमकार औजेकर सहित ग्रामीणजनों ने की है।

आजाद समाज पार्टी के विधानसभा प्रभारी बने धर्मेन्द्र चौहान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आजाद समाज पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार एवं मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बालाघाट जिले के लालबर्रा क्षेत्र निवासी धर्मेन्द्र चौहान को विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया है। आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष नितेश वीच द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिससे उनके समर्थकों में हर्ष की लहर व्याप्त है। आजाद समाज पार्टी के नवनियुक्त विधानसभा प्रभारी धर्मेन्द्र चौहान ने बताया कि जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर संगठन के विस्तार और पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने के क्षेत्र में काम किया जायेगा। धर्मेन्द्र चौहान को विधानसभा प्रभारी बनाये जाने पर क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं शुभचिंतकों द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी है।



नगर में अज्ञात कारणों से पांच पशुओं की हुई मौत ,चार की हालत गंभीर

अज्ञात कारणों से हुई घटना से मचा हड़कंप, पशु मालिक ने पोस्टमार्टम कराने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में आवारा मवेशियों की समस्या के बीच १४ नवंबर की सुबह एक चिंताजनक मामला सामने आया। जहां नगर के अलग अलग स्थानों पर विचरण कर रहे करीब नौ मवेशियों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इनमें से पांच मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार अन्य मवेशियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। जीवित मवेशियों को उनके मालिकों के द्वारा घर ले जाकर उपचार कराया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर मवेशियों की तबीयत बिगड़ने के पीछे अत्यधिक चावल खाने अथवा किसी जहरीले पदार्थ या कीटनाशक के सेवन की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।



अलग अलग स्थानों पर तड़पते मिले मवेशी नपा ने उठाया

प्राप्त जानकारी के अनुसार १३ नवंबर की रात नगर के विभिन्न क्षेत्रों में मवेशी विचरण कर रहे थे। १४ नवंबर की सुबह जब नगरवासियों की नजर इन पर पड़ी तो कई मवेशी अलग अलग स्थानों पर अस्वस्थ अवस्था में पड़े हुए थे। इनमें ओवेडकर चौक के पास टी, गांधी चौक में एक, वार्ड क्रमांक ३ में श्री नागवंशी के घर के सामने एक तथा पंजाब नेशनल बैंक के पीछे एक मवेशी सहित अन्य स्थानों पर भी मवेशियों के बीमार पड़े होने की जानकारी सामने आई। अचानक इस प्रकार मवेशियों की हालत बिगड़ने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और पशु मालिकों में चिंता व्याप्त हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर पालिका के द्वारा मृत मवेशियों को हटाने की कार्यवाही की गई। पशु मालिकों के मौके पर नहीं पहुंचने पर नगर पालिका की टीम ने ट्रैक्टर की सहायता से पांचों मृत मवेशियों की उठवाया तथा गड्ढा खुदवाकर उन्हें दफनाने की प्रक्रिया पूरी की। नगर में लंबे समय से आवारा मवेशियों का विचरण करना समस्या बना हुआ है जहां यातायात प्रभावित होता है। नगर पालिका के द्वारा समय समय पर मवेशियों की धरपकड़ कर उन्हें कांजी हाउस में पहुंचाया जाता है ,लेकिन पशु मालिकों के द्वारा उन्हें छुड़ाकर दोबारा सड़कों पर छोड़ दिए जाने के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है।

पशु मालिकों ने घर ले जाकर शुरू कराया उपचार

मवेशियों की तबीयत खराब होने की जानकारी मिलने पर पशु मालिक दिनेश बैरागी एवं घनश्याम तेलासे ने अपने अपने एक एक मवेशी को तत्काल घर पहुंचाकर उपचार शुरू कराया। वहीं पशु मालिक सुनील कारसरपे ने भी नगर में जीथित अवस्था में पड़े दो मवेशियों को अपने घर ले जाकर उनका उपचार प्रारंभ करवाया। हालांकि तब तक पांच मवेशियों की मौत हो चुकी थी। घटना से चिंतित सुनील कारसरपे ने पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मवेशियों का पोस्टमार्टम करवाकर उनकी अचानक हुई मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने की मांग की है।

गांव गया था इसलिए मवेशी घर में बांधे नहीं गए - सुनील कारसरपे

पशु मालिक सुनील कारसरपे ने बताया की मैं प्रतिदिन अपने मवेशियों को घर में बांधकर रखता हूं। परंतु मैं गांव गया हुआ था जिस कारण से मवेशी रात तक घर नहीं आए और उन्हें किसी ने बांधा नहीं सुबह मुझे सूचना लगी तो मैं आकर देखा मेरे दो मवेशी की मौत हो चुकी थी और दो मवेशी तड़प रहे थे। जिन्हें तत्काल उठाकर घर ले जाकर उपचार चालू कर दिया है ,हमारे मोहल्ले में दिनेश बैरागी ,घनश्याम तेलासे के घर भी एक एक मवेशी बीमार है । तो इसकी शिकायत करने हम थाने में आए हुए थे कि हमारे मवेशी का पोस्टमार्टम किया जाए की किस कारण से उनकी तबीयत खराब हुई है यह पता लग सके।

बाल दिवस के विशेष अवसर पर जीनियस स्कूल में हुये विविध कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। बाल दिवस के विशेष अवसर पर जीनियस स्कूल में सुरक्षित बचपन, उज्ज्वल भविष्य विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक सुधीर जायसवाल, प्राचार्या श्रीमती रंजीता राय एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश संजय राज ठाकुर ने विद्यालय का भ्रमण किये तथा कक्षा ६वीं, ७वीं एवं ८वीं के विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सहभागिता एवं प्रस्तुति भी अत्यंत सराहनीय रही। श्री ठाकुर ने बच्चों के अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा एवं कानूनी संरक्षण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक दबाव, उत्पीड़न एवं किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार के विरुद्ध निडर होकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किये, साथ ही बच्चों की सुरक्षा हेतु बनाए गए पॉक्सो अधिनियम के बारे में भी विस्तार से बताएं। उन्होंने न्याय व्यवस्था के तीन प्रकारों की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की एक छात्रा ने उनसे प्रश्न किया। आपके कार्य का सबसे कठिन हिस्सा कौन सा होता है,इस पर उन्होंने बताए कि दो पक्षों के बीच विवाद होने पर निष्पक्ष निर्णय लेना एक न्यायाधीश के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण कार्यों में से एक है। सभी साक्ष्यों की सावधानीपूर्वक जाँच करके यह सुनिश्चित करना आवश्यक होता है कि किसी निर्दोष को सजा ना मिले और न्याय बना रहे। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। इसने बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, अपनी बात निडरता से रखने तथा सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।



नगर के कांग्रेस कार्यालय में पंडित जवाहरलाल नेहरु का मनाया गया जन्मदिन

राजनीति के साथ साथ एक समृद्ध शिक्षक और साहित्यकार थे पंडित जवाहरलाल नेहरू- विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन वारासिवनी कांग्रेस



जनसंपर्क कार्यालय में कांग्रेसियो ने बड़े ही धुमधाम से मनाया। कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेसियों ने उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठजनों ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू कुशल राजनीति के साथ साथ एक समृद्ध शिक्षक और साहित्यकार थे। कोमल हृदय वाले जवाहर नेहरू को बच्चों का विशेष लगाव रखते थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आजादी के बाद १७ साल तक प्रधानमंत्री के रूप में भारतवर्ष की सेवाएं की और आधुनिक भारत की नींव रखी। पंडित जवाहरलाल नेहरू एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। उन्होंने पहले और आजादी के बाद भी उन्हें भारतीय राजनीति में एक केंद्रीय योद्धा माना जाता है। इस मौके पर विधायक पटेल ने अपनी मां और धर्म पत्नी के साथ जनसंपर्क कार्यालय पहुंचकर परिवार कांग्रेसजनों के साथ वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान ब्लाक अध्यक्ष जीतू राजपूत, तेजराम नगपुरे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल मंडिल, जेसराज पारधी, सुदेश गुड्डू सोनी, सुनील राणा, राहुल अरोरा, चिंटू जैन, मुन्ना राणा, पवन बिसेन, मुन्ना राणा, रितिक गौतम, राजकुमार चौधरी, झामसिंह भगत, राकेश वर्मा,कैलाश दुल्हानी, सरोज गौतम, अक्षय मेश्राम, राधेश्याम जैतवार, उज्ज्वल गौतम, राजा अली, कुलदीप गौतम, ओम पटेल, मुदित अग्रवाल,संदेश बिसेन सहित स्कूली छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

पंडित जवाहरलाल नेहरु व विधायक विवेक पटेल के जन्मदिन पर काटा केक

बाल दिवस पर गांधी बाल उद्यान में स्वास्थ्य शिविर व विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। देश के प्रथम प्रधानमंत्री और बच्चों के बीच चाचा के नाम से मशहूर पंडित जवाहरलाल नेहरु व वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के विधायक विवेक पटेल का जन्मदिन शनिवार को कांग्रेसजनों व स्कूली बच्चों और विधायक विवेक पटेल के समर्थकों द्वारा नगर के गांधी बाल उद्यान में मनाया गया। जन्मदिन के दिन सुबह से ही विधायक निवास पर कांग्रेसजनों और आम नागरिकों ने पहुंचकर विधायक विवेक पटेल को जन्मदिन की बधाई प्रेषित की। वहीं नगर के गांधी बाल उद्यान पर समर्थकों ने केक काटा। इस दौरान जीतू राजपूत,जेसराज पारधी, धवल मंडिल, तेजराम नगपुरे, सुदेश गुड्डू सोनी, सुनील राणा, राहुल अरोरा, चिंटू जैन, मुन्ना राणा, पवन बिसेन, मुन्ना राणा, रितिक गौतम, राजकुमार चौधरी, झामसिंह भगत, राकेश वर्मा,कैलाश दुल्हानी, सरोज गौतम, अक्षय मेश्राम, राधेश्याम जैतवार, उज्ज्वल गौतम, राजा अली, कुलदीप गौतम, ओम पटेल, मुदित अग्रवाल,संदेश बिसेन सहित स्कूली छात्र छात्राएं मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि आप लोगो ने सभी के सहयोग से इस कार्यक्रम को सफल आयोजन हो सका। मेरे जन्मदिन पर आपकी बधाई एवं शुभकामनाएं से साथ ही आप सभी का जिंदगी भर आभारी रहूंगा।



शासकीय अशासकीय स्कूलों के छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किया पेश

इस अवसर पर गांधी बाल उद्यान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और नन्हे मुन्हे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें नगरी क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया। कैरियर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय कमला नेहरू, शांति शिशु निकेतन और सांदीपनी स्कूलों के छात्र छात्राओं ने सामूहिक सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी।जहां विधायक विवेक पटेल के हस्ते सभी को पुरूस्कृत किया गया। इस दौरान नगर के शासकीय अशासकीय स्कूल की विद्यार्थियों शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे । विभिन्न स्कूलों के छात्राओं ने अपनी ड्राइंग पर एक से बढ़कर एक मनोहरी चित्र बनाकर लाए थे। स्वास्थ्य शिविर में १५० से अधिक लोगों की आंखें जांच के बाद विधायक पटेल की हस्ते ९० लोगो को निःशुल्क चश्मा वितरण किया गया।

विधायक पटेल के जन्मदिन पर गांधी बाल उद्यान में काटा गया केक

इस अवसर पर गांधी बाल उद्यान में विधायक विवेक पटेल के समर्थकों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनके जन्मदिन धुमधाम से मनाया। जहां पर विद्यार्थियों बच्चों से विधायक विवेक पटेल ने स्वयं मिलकर उनसे हाथ मिलाया और उनका समर्थन किया। वहीं विधायक विवेक पटेल प्रातः काल अपनी मां उर्मिला पटेल के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया और मंदिर पहुंचकर भगवान की पूजा अर्चना कर क्षेत्र में सुख समृद्धि की। वहीं उनको जन्मदिन की बधाई देने के लिए सुबह से देर रात तक उनके आवासीय परिसर में लोगों का आना जाना लगा रहा। सभी ने उनके दीर्घायु कामना करते हुए उनकी शुभकामनाएं प्रेषित की।

जनता का विश्वास, प्रेम और आशीर्वाद का परिणाम है जो क्षेत्र में विकास किया-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र में मंडई पर्व के अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर ग्रामीणजनों के बीच पर्व की खुशियां साझा कर रहे हैं। इन दिनों विधानसभा क्षेत्र के गांव गांव में डामा, डंढार,देवी जागरण, छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य एवं आकर्षक झांकियों सहित अनेक सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन उत्साह पूर्वक आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों से पुरा ग्रामीण अंचल उत्साह के रंग में रंगा नजर आ रहा है ।ये कार्यक्रम केवल मनोरंजन का माध्यम नही बल्कि सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और मेल मिलाप की मजबूत कड़ी भी हैं। इनके माध्यम से ग्रामीणजन अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर एक दूसरे से मिलते हैं,पुराने परिचितों एवं रिश्तेदारों से मुलाकात करते हैं और आपसी सुख दुख साझा करते हैं। साथ ही नई पीढ़ी को अपनी लोकसंस्कृति,परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से सीखने का अवसर मिलता है। इसी के तहत ग्राम खैरी, खुर्सीपार, मोहगांव खुर्द, कोरंडी, देवगांव, साकड़ी, लिंगमारा कलारीटोला, कोधुरा, गरंटोला, महँदीवाड़ा , चिचगांव सहित विभिन्न ग्रामों में आयोजित मंडई कार्यक्रमों में शामिल हुए। ग्राम खैरी में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए प्रदीप जायसवाल ने कहा कि पचरी टोला से गोसाई टोला तक सड़क निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाने की बात कही। उन्होंने इस कार्य के लिए सरपंच रामप्रसाद तितरमारे द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा



कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार और विकास कार्यों को गति देना आवश्यक है।

प्रदीप जायसवाल ने मेधावी छात्रा अल्फा मंसुरी का किया सम्मान

ग्राम महँदीवाड़ा में कक्षा आठवीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा अल्फा मंसुरी को प्रदीप जायसवाल ने सम्मानित कर पुरस्कृत किया।वहीं ग्राम साकड़ी एवं चिचगांव में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री प्रबल जायसवाल भी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणजनों को दीपावली एवं मंडई पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

जनता का स्नेह और आशीर्वाद सेह ही बना वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र की पहचान

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र मेरा अपना परिवार है। यहां का प्रत्येक गांव प्रत्येक परिवार और प्रत्येक व्यक्ति मेरे लिए अपने परिवार का हिस्सा है। आप सभी के स्नेह सहयोग और आशीर्वाद से ही मुझे मध्यप्रदेश शासन में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। जब मुझे कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी मिली तब वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र का नाम केवल जिले या संभाग में ही नहीं बल्कि पूरे मध्यप्रदेश और देश में गौरवान्वित हुआ। यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि इस क्षेत्र की जनता के विश्वास,प्रेम और आशीर्वाद का परिणाम है। श्री जायसवाल ने कहा कि श्रीराम बालाजी की पावन भूमि लिंगमारा कलारीटोला के ग्रामीणजनों से मेरा रिश्ता वर्षों पुराना आत्मीय और अटूट है। यहां के लोगों ने हमेशा मुझे अपना स्नेह विश्वास और आशीर्वाद दिया है यह अपनापन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। आप सभी का आशीर्वाद सदैव मुझ पर बना रहा है और आगे भी मुझे आप सभी से इसी स्नेह सहयोग और आशीर्वाद की अपेक्षा है। इस दौरान किशोर तामेश्वर ,मिलिंद नगपुरे, अनीश मिश्रा, विक्की एरे, रामप्रसाद तितरमारे, रमनलाल लिल्हारे, दीकमलाल मते, राजकुमार तितरमारे, दिनेश तितरमारे, पून लिल्हारे, विनोद लिल्हारे, गणेश सोनबाने, द्रोण डोहरे, चन्द्रशेखर सुलखिया, चन्द्रशेखर नगपुरे, फ गुलाल मरठे,परमानंद सरपुरे, महेश मरठे,देवकलाल म रठे, दयाराम मरठे,संतोष ठाकरे,पदेशी कुमरे, जगलाल चौधरी, सुरेश चौधरी, उत्कृष्ट चौधरी, नरेन्द्र बिसेन, योगेश सोनटक्के, गोरिलाल ठाकरे, पारिखलाल बिसेन, वासुदेव सोनटक्के, वैभव सोनटक्के, भाऊ लाल कठवडे,दीवान मडावी, रामेश्वर डोरे, गौरव पंचेश्वर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्यायाधिपति द्वारकाधीश बंसल ने किया वारासिवनी न्यायालय भवन का निरीक्षण

लालबर्रा में सिविल जज न्यायालय स्थापित करने अधिवक्ता संघ ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के न्यायाधिपति एवं पोर्टफोलियो न्यायाधिपति द्वारकाधीश बंसल १४ नवंबर को वारासिवनी व्यवहार न्यायालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने न्यायालय भवन के विभिन्न कक्षों एवं अदालत का बारीकी से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान भवन की जर्जर स्थिति, छत से झड़ते प्लास्टर एवं बाहर दिखाई दे रहे सरियों को लेकर संबंधित न्यायाधीशों से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यायाधिपति द्वारकाधीश बंसल जिला मुख्यालय बालाघाट में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने के पश्चात वारासिवनी पहुंचे। उन्होंने पूरे न्यायालय भवन का निरीक्षण कर भवन की दीवारों एवं छतो की स्थिति देखने के साथ ही न्यायाधीश कक्ष और अदालत का भी अवलोकन किया। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के एसडीओ को भी बुलाकर भवन की स्थिति के संबंध में चर्चा की गई। निरीक्षण के पश्चात न्यायाधिपति ने वारासिवनी न्यायालय के समस्त न्यायाधीशों एवं अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सचिव के साथ बैठक कर चर्चा की। इसके बाद वे अधिवक्ता संघ के बार रूम पहुंचे जहां अधिवक्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने न्यायालय से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया। जहाँ अधिवक्ता संघ लालबर्रा एवं क्षेत्रीय ग्रामीणों की ओर से मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के मुख्य न्यायाधीश के नाम न्यायाधिपति द्वारकाधीश बंसल को ज्ञापन सौंपकर लालबर्रा तहसील में सिविल जज वर्ग.२ न्यायालय की स्थापना के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया कि लालबर्रा तहसील की आबादी लगभग ए लाख ७० हजार ९६० है। तहसील क्षेत्र में ७७ ग्राम पंचायतें एवं १८५ राजस्व ग्राम शामिल हैं। लालबर्रा से बालाघाट की दूरी लगभग २५ किलोमीटर तथा वारासिवनी की दूरी करीब २१ किलोमीटर है। ऐसे में पक्षकारों को आवागमन में समय और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तहसील परिसर में शासकीय भूमि उपलब्ध है जहां न्यायालय भवन का निर्माण कराया जा सकता है। वहीं तहसील कार्यालय में अस्थायी व्यवस्था के तहत न्यायालय संचालित करने का सुझाव भी दिया गया। जिला न्यायाधीश प्रणेश कुमार प्राण ने बताया कि न्यायाधिपति का बालाघाट कार्यक्रम के लिए आगमन हुआ था । यह काफी संवेदनशील जज है तो उनके द्वारा न्यायालय भवन का निरीक्षण किया गया है जहां अधिवक्ताओं ने समस्या बतायी। अभी हमारी न्यायिक सहाह की शुरुआत हुई है यह मैराथन में भी उपस्थित रहेंगे जहां लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। न्यायालय व्यवस्था के सहायक के रूप में हमको बजट आता है उससे कार्यक्रम, इनाम और व्यवस्था होते हैं प्रचार प्रसार के लिए कोई बजट नहीं होता हैं। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश प्रणेश कुमार प्राण , प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश मीणा, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश संजय राज ठाकुर, पक्सो एक्ट विशेष न्यायाधीश कविता इनवाती, न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्या सिंह, ऋषभ डॉगल सिंह, नयन जैन, अंकिता जैन, नायब नाजिर आशीक शेंडे सहित अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी,सदस्य, बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

ड्रामा और डंढारो से ग्रामीण प्रतिभाएं निखरती हैं-विक्रम देशमुख

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। दीपावली पर्व के बाद जनपद वारासिवनी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में सार्वजनिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे डंढार, ड्रामा, दृश्यम शायरी, रिकॉर्डिंग डांस,आदि का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जनपद पंचायत वारासिवनी के ग्राम झालीवाड़ा, सिहरातोला और कोस्से में मंडई के अवसर पर ड्रामा का आयोजन किया गया। मंडई उपरांत राजिकालीन ड्रामें के आयोजन पर ग्राम सिहरातोला धानेगाँव में पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख अपने साथियों सहित पहुंचे। स्वागत उपरांत विक्रम देशमुख के द्वारा पुरातन मंडई परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह परंपरा शायद हमारे पूर्वजों द्वारा ग्राम में आपसी बुराई को खत्म करने और मेल मिलाप बढ़ाने के लिए शुरू की गई होगी। विक्रम देशमुख के द्वारा जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक ११ से जिला पंचायत सदस्य रहते हुए इन ग्रामों में किए गए विकास कार्यों को मंच से जनता के समक्ष बताया। और कहा कि नशा और नशे के कारोबार करने वालों से सावधान रहने की अपील की। वही ग्राम कोस्से में रात्रि में आयोजित दो ड्रामे और एक शायरी के कार्यक्रम के कारण ग्राम कोस्से में काफी चहल.पहल देखी गई। ग्राम कोस्से पहुंचने पर स्थानीय सरस्वती विविध नाट्यकला पथक के आयोजक मंडल द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर ग्राम धानेगाँव के सरपंच लक्ष्मीकांत वैस,पूर्व सरपंच ओमकार पटले, जनपद सदस्य विनोद पटले,नरेंद्र सुलखिया, युगल किशोर सुलखिया,धनेंद्र बेले,जीतू तुरकर,नंद किशोर राणा ,पूर्व सरपंच अरविन्द बिसेन ,जगलाल राहांगडाले, उत्कर्ष चौधरी,कृष्णा हनवत,सुरेश चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।



भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है। वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को अभीमारक्ष राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी। वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास की गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है। वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय (जस्क्ष) के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारों राज्यों को अभीमारक्ष राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं।

आधुनिक कृषि की अदृश्य कीमत- अल्पकालिक उत्पादन लाभ के लिए दीर्घकालिक प्राकृतिक संसाधनों का बलिदान देना आत्मघाती है

वैश्विक स्तरपर वीसवीं सदी में हरित क्रांति को मानव इतिहास की सबसे बड़ी कृषि उपलब्धियों में गिना गया,जिसने अकाल से जूझती दुनियाँ को अन्न-आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया।रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और उन्नत बीजों के व्यापक उपयोग ने उत्पादन को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाया। किंतु इक्कीसवीं सदी में वही मॉडल अब एक वैश्विक पर्यावरणीय, स्वास्थ्य और पारिस्थितिक संकट का रूप ले चुका है। रासायनिक खादों का अंधाधुंध उपयोग मिट्टी की उर्वरता, भूजल की शुद्धता, खाद्य पोषण और जैव विविधता चारों स्तंभों को एक साथ कमजोर कर रहा है। यह संकट केवल किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका हर जगह इसके दुष्परिणाम स्पष्ट दिखने लगे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि मिट्टी केवल फसल उगाने का माध्यम नहीं है,बल्कि यह एक जीवंत पारिस्थितिक प्रणाली है जिसमें अरबों सूक्ष्मजीव, केंचुए, फफूंद और जीवाणु सक्रिय रहते हैं। ये तत्व मिट्टी को भुरभुरा बनाते हैं, पोषक तत्वों का चक्र चलाते हैं और पौधों को प्राकृतिक रूप से पोषण उपलब्ध कराते हैं।रासायनिक खादों विशेषकर नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश आधारित उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग इस संतुलन को नष्ट कर देता है।लगातार रसायनों के प्रयोग से मिट्टी की जैविक कार्बन सामग्री घटती है, जिससे उसकी जल धारण क्षमता कम हो जाती है और वह कठोर, निर्जीव तथा बंजर होने लगती है। अंतरराष्ट्रीय मृदा विज्ञान संगठनों के अनुसार, विश्व की लगभग 33 प्रतिशत कृषि भूमि पहले ही किसी न किसी रूप में क्षरण का शिकार हो चुकी है। भारत, चीन और अमेरिका जैसे कृषि प्रधान देशों में मिट्टी की ऊपरी उपजाऊ परत तेजी से खत्म हो रही है। यह स्थिति दीर्घकाल में खाद्य उत्पादन को अस्थिर बना देती है और किसानों को और अधिक रसायनों पर निर्भर होने के लिए मजबूर करती है, एक ऐसा दुष्चक्र, जिससे बाहर निकलना अत्यंत कठिन हो जाता है।लाभकारी रासायनिक खादों का सबसे घातक प्रभाव मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीवों पर पड़ता है। नाइट्रोजन स्थिर करने वाले जीवाणु, माइकोराइजा फफूंद और जैविक अपघटक जीव मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता के आधार होते हैं। जब रसायन सीधे पौधों को पोषण उपलब्ध करा देते हैं, तो ये सूक्ष्मजीव निष्क्रिय होने लगते हैं या मर जाते हैं। परिणामस्वरूप मिट्टी की आत्मनिर्भरता समाप्त हो जाती है और वह बाहरी इनपुट पर निर्भर हो जाती है।



साथियों बात अगर हम संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्टों को समझने की करें तो यह चेतावनी देती हैं कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही,तो आने वाले दशकों में बड़ी मात्रा में कृषि भूमि जैविक रूप से मृत हो सकती है। ऐसी मिट्टी में उत्पादन बनाए रखने के लिए रसायनों की मात्रा लगातार बढ़ानी पड़ती है, जिससे लागत, प्रदूषण और जोखिम तीनों बढ़ते हैं।रासायनिक खादों का एक बड़ा हिस्सा पौधों द्वारा अवशोषित नहीं हो पाता और वर्षा या सिंचाई के साथ मिट्टी की निचली परतों में रिसकर भूजल में मिल जाता है। नाइट्रेट और फॉस्फेट जैसे तत्व भूजल को प्रदूषित कर देते हैं, जो सीधे पीने के पानी के स्रोत बनते हैं। यह समस्या अब केवल ग्रामीण कृषि क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी गंभीर रूप ले चुकी है।भारत के इंदौर में जहरीला जल पीने से 15 से अधिक लोगों की मृत्यु की घटना इस संकट की भयावहता को उजागर करती है। यह केवल एक स्थानीय दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यापक समस्या का प्रतीक है जिसमें कृषि रसायन, औद्योगिक अपशिष्ट और अव्यवस्थित जल प्रबंधन मिलकर मानवजीवन के लिए घातक परिस्थितियाँ पैदा कर रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, नाइट्रेट-प्रदूषित जल से लू बेबी सिंड्रोम, कैंसर और अन्य दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथियों बात अगर हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जल संकट और कृषि रसायन को समझने की करें तो यूरोप के कई देशों, विशेषकर नीदरलैंड्स और फ्रांस में,भूजल में नाइट्रेट स्तर खतरनाक सीमा को पार कर चुका है,जिसके कारण सरकारों को उर्वरक उपयोग पर कड़े नियम लगाने पड़े हैं। अमेरिका में डेड ज़ोन की समस्या-जहाँ नदियों से बहकर गए पोषक तत्व समुद्र में ऑक्सीजन की कमी पैदा कर देते हैं,कृषि रसायनों के दुष्प्रभावका अंतरराष्ट्रीय उदाहरण है। यह दर्शाता है कि रासायनिक खाद का असर केवल खेत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि नदियों, झीलों और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र तक फैल जाता है। साथियों बात अगर हम रसायनों के अत्यधिक उपयोगसे खाद्य पोषण में गिरावट और जहरीला भोजन इसको समझने की करें तो,रसायनों के अत्यधिक उपयोग से फसलें भले ही आकार में बड़ी और देखने में आकर्षक हों, लेकिन उनकी पोषण गुणवत्ता लगातार गिर रही है।इसके कई तत्वों की कमी सीधे पौधों की पोषण संरचना को प्रभावित करती है।इसके अतिरिक्त कीटनाशकों और उर्वरकों के अवशेष भोजन में बने रहते हैं, जो मानव शरीर में धीरे-धीरे जमा होकर कैंसर, मधुमेह, हार्मोन असंतुलन और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी ने कई कृषि रसायनों को संभावित कार्सिनोजेन की श्रेणी में रखा है, जो इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है।रासायनिक खाद और कीटनाशकों से जुड़ा स्वास्थ्य संकट तात्कालिक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और व्यापक होता है। किसान, खेत मजदूर और ग्रामीण समुदाय सबसे पहले इसकी चपेट में आते हैं, लेकिन शहरी उपभोक्ता भी इससे अछूते नहीं हैं। भोजन, पानी और पर्यावरण तीनों माध्यमों से रसायन मानव शरीर में प्रवेश करते हैं।यह एक ऐसा साइलेंट पैंडेमिक है, जो धीरे-धीरे समाज की स्वास्थ्य संरचना को कमजोर कर रहा है और स्वास्थ्य प्रणालियों पर भारी बोझ डाल रहा है।मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट का सीधा असर उसमें रहने वाले जीव-जंतुओं पर पड़ता है। केंचुए, जिन्हें मिट्टी का किसान कहा जाताहै,रासायनिक खादों के कारण तेजी से कम हो रहे हैं। कीटों और सूक्ष्म जीवों की विविधता में कमी से प्राकृतिक परागण और कीट नियंत्रण की प्रक्रियाएँ बाधित होती हैं। इससे जैव विविधता का संतुलन बिगड़ता है और पारिस्थितिकी तंत्र अस्थिर हो जाता है।पक्षियों, उभयचरों और जलीय जीवों की कई प्रजातियाँ कृषि रसायनों के कारण संकटग्रस्त हो चुकी हैं। यह केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है, क्योंकि पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बिगड़ने का अंतिम प्रभाव मानव जीवन पर ही पड़ता है। साथियों बात अगर हम जैविक खाद और टिकाऊ खेतीएकमात्र व्यवहारिक विकल्प, इसको समझने की करें तो इस वैश्विक संकट का समाधान रासायनिक खेती के विकल्पों में निहित है।जैविक खाद, हरी खाद, कंपोस्ट, वर्मी-कंपोस्ट और प्राकृतिक कृषि पद्धतियाँ मिट्टी की उर्वरता को पुनर्जीवित कर सकती हैं। ये न केवल मिट्टी के सूक्ष्मजीवों को संरक्षित करती हैं, बल्कि भूजल प्रदूषण को भी रोकती हैं।जैविक खेती से उत्पादित भोजन अधिक पोषक और सुरक्षित होता है, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।विश्व के कई देशों ने टिकाऊ कृषि को नीति स्तर पर अपनाना शुरू कर दिया है। यूरोपीय संघ की फार्म टू फोर्क रणनीति, भारत की प्राकृतिक खेती पहल और अफ्रीका में एग्रो-इकोलॉजी आंदोलन इस दिशा में सकारात्मक कदम हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संध्या के सामने एक निर्णायक मोड़ पैदा हो गया है,रासायनिक खादों का संकट केवल कृषि का मुद्दा नहीं है; यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरणीय सुरक्षा, खाद्य संप्रभुता और भावी पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है। यदि वर्तमान रफ्तार जारी रहे, तो दुनियाँ को भोजन की कमी नहीं, बल्कि स्वस्थ भोजन की कमी का सामना करना पड़ेगा। अब यह स्पष्ट हो चुका है किअल्पकालिक उत्पादन लाभ के लिए दीर्घकालिक प्राकृतिक संसाधनों का बलिदान देना आत्मघाती है।जैविक खाद और टिकाऊ खेती केवल विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुकी है।यह परिवर्तन केवल किसानों से नहीं,बल्कि नीति- निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उपभोक्ताओं और वैश्विक समुदाय से सामूहिक प्रतिबद्धता की मांग करता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

अहिंसा ही मानवता का सबसे बड़ा धर्म और विश्व शांति का आधार

-कांतिलाल मांडोत

हिंसा से कभी स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती, प्रेम, करुणा और सहिष्णुता से ही सुरक्षित एवं समृद्ध विश्व का निर्माण संभव है। अहिंसा भारतीय संस्कृति की आत्मा और मानव जीवन का सबसे बड़ा नैतिक आदर्श है। यह केवल जीव को शारीरिक कष्ट नहीं पहुँचाने तक सीमित नही है,बल्कि मन ,वचन और कर्म से किसी के प्रति बुरा भाव न रखना भी अहिंसा है।

दूसरों के दुःख को समझना, उनके सुख में सहभागी बनना, प्राणिमात्र के प्रति दया रखना और परस्पर प्रेम एवं सद्भाव से जीवन जीना ही अहिंसा का वास्तविक स्वरूप है। अहिंसा मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाती है, जबकि हिंसा मन में क्रोध, द्वेष, भय और अशांति को जन्म देती है। आज जब विनाशकारी युद्ध, आतंकवाद, आपसी संघर्ष और वैचारिक टकराव से जूझ रही है, तब अहिंसा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को एक-दूसरे का पूरक बताया था। उनका मानना था कि सत्य और अहिंसा को व्यवहार में अलग नहीं किया जा सकता। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को चोट नहीं पहुँचाना नहीं, बल्कि अगाध प्रेम और कष्ट सहने की अपार क्षमता रखना है। गांधीजी ने अहिंसा को कायरता नहीं, बल्कि वीरता और आत्मबल का सर्वोच्च प्रतीक माना। उन्होंने अपने जीवन और आंदोलनों के माध्यम से दुनिया को दिखाया कि बिना हथियार उठाए भी अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध बड़ी लड़ाई लड़ी जा सकती है। दक्षिण अफ्रीका से लेकर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन तक उनका अहिंसक संघर्ष इसका प्रमाण है।

अहिंसा मनुष्य का स्वाभाविक गुण है। जैसे पानी का स्वभाव शीतलता और चीनी का स्वभाव मिठास है, वैसे ही आत्मा का स्वभाव करुणा और अहिंसा है। हिंसा मनुष्य के भीतर उत्पन्न होने वाला विकार है, जो क्रोध, लोभ, अहंकार और स्वार्थ से जन्म लेता है। जब मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानता है तो उसके भीतर दया, क्षमा, प्रेम और सहिष्णुता के भाव विकसित होते हैं। यही भाव परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र तक शांति का वातावरण बनाते हैं।

भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उनका संदेश था कि सभी जीवों को अपना जीवन प्रिय है। प्रत्येक प्राणी सुख चाहता है और दुःख से बचना चाहता है। मनुष्य जिस प्रकार अपने जीवन की रक्षा चाहता है, उसी प्रकार पशु-पक्षी और छोटे से छोटे जीव भी जीवन जीने का अधिकार रखते हैं। इसलिए किसी भी प्राणी को अनावश्यक कष्ट पहुँचाना उचित नहीं है। जैन दर्शन का मूल सिद्धांत जियो और जीने दो इसी भावना को अभिव्यक्त करता है। भगवान महावीर का यह संदेश आज भी पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शक है।

भारतीय इतिहास में सम्राट अशोक का जीवन अहिंसा की शक्ति का उल्लेखनीय उदाहरण है। कलिंग युद्ध में हुए भारी जनसंहार और विनाश ने उनके हृदय को झकझोर दिया। युद्ध की विजय के बावजूद उन्हें आत्मिक शांति नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर धम्म, करुणा और लोककल्याण का मार्ग अपनाया। उनका जीवन बताता है कि तलवार से राज्य जीता जा सकता है, लेकिन लोगों का हृदय प्रेम और सद्भाव से ही जीता जा सकता है।

आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती युद्ध और बढ़ता हुआ अंतरराष्ट्रीय तनाव है। अनेक देशों के बीच सीमा विवाद, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, धार्मिक कट्टरता और वर्चस्व की लड़ाई ने मानवता को संकट में डाल रखा है। युद्ध में केवल सैनिक ही प्रभावित नहीं होते, बल्कि निर्दोष नागरिक, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और आने वाली पीढ़ियां भी इसकी कीमत चुकाती हैं। विकास के लिए खर्च होने वाला धन हथियारों और सैन्य तैयारियों पर खर्च हो जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विज्ञान और जनकल्याण के कार्य पीछे छूट जाते हैं। युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। एक संघर्ष समाप्त होता है तो उसके पीछे नई नफरत और नए विवाद जन्म ले लेते हैं।

हिंसा का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि वह प्रतिशोध की भावना को जन्म देती है। हिंसा का उत्तर हिंसा से देने पर संघर्ष की श्रृंखला समाप्त नहीं होती। इसके विपरीत संवाद, समझौता, न्याय और कूटनीति से कठिन से कठिन विवाद का समाधान निकाला जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि अन्याय और अत्याचार के सामने चुप रहा जाए। अहिंसा का अर्थ अन्याय को स्वीकार करना भी नहीं है। अहिंसा का रास्ता अपनाते हुए सत्य, न्याय और अधिकारों के लिए दृढ़ता से खड़ा होना ही वास्तविक साहस है।

अहिंसा केवल राष्ट्रों और समाजों के लिए ही नहीं, बल्कि परिवार और व्यक्तिगत जीवन के लिए भी आवश्यक है। घर में कटु वचन, क्रोध और अपमान भी मानसिक हिंसा के रूप हैं। यदि परिवार के सदस्य एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें, मतभेदों को बातचीत से सुलझाएं और क्षमा को जीवन का हिस्सा बनाएं तो परिवार में सुख और शांति बनी रह सकती है। समाज में भी जाति, भाषा, धर्म और विचारधारा के आधार पर नफरत फैलाने के बजाय आपसी सम्मान और भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए।

आज दुनिया के शक्तिशाली देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को जिम्मेदारी है कि वे युद्ध को बढ़ावा देने के बजाय शांति की पहल करें। संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों को विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, मानवाधिकारों की रक्षा और देशों के बीच विश्वास बढ़ाने में प्रभावी भूमिका निभानी चाहिए। प्रत्येक राष्ट्र को यह समझना होगा कि उसकी वास्तविक शक्ति केवल सैन्य सामर्थ्य में नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, शिक्षा, वैज्ञानिक प्रगति और नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में है।

भारत ने सदियों से दुनिया को अहिंसा, सहिष्णुता, करुणा और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है। महात्मा गांधी और भगवान महावीर की विचारधारा आज भी विश्व को शांति का रास्ता दिखाती है। आवश्यकता है कि इन आदर्शों को केवल पुस्तकों और भाषणों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि व्यवहार में अपनाया जाए।

अंततः अहिंसा कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल की सबसे बड़ी पहचान है। हिंसा भय पैदा कर सकती है, लेकिन विश्वास नहीं; वह विनाश कर सकती है, लेकिन स्थायी विकास नहीं। मानवता का भविष्य युद्ध के मैदानों में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और सद्भाव के वातावरण में सुरक्षित है। दुनिया के देशों को हथियारों की प्रतिस्पर्धा छोड़कर मानव कल्याण की प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। हमें यह समझना होगा कि दूसरों को दुःख देकर स्वयं सुखी नहीं रहा जा सकता। जीना है तो जीने दो, सुखी रहना है तो दूसरों को सुख दो। यही अहिंसा का संदेश है और यही विश्व शांति का सबसे मजबूत आधार है। हम चाहते हैं कि हमारा जीवन हमसे नहीं ले। तो हम दूसरों का जीवन लेने से बचे,आपसे दूसरो की प्राण रक्षा भी करे।हम किसी को नही मारते यह भी अहिंसा हो है।

भजन क्लबिंग: भक्ति की क्लब संस्कृति की नई दस्तक

अध्यात्म अब केवल उम्र के आखिरी पड़ाव की चीज नहीं रहा। वह युवाओं की धड़कनों में शामिल हो रहा है। डिजिटल युग की भागदौड़, अकेलेपन, तनाव और निरंतर स्क्रीन-उपस्थिति के बीच नई पीढ़ी भक्ति के ऐसे रूप तलाश रही है, जो उसके जीवन की गति और उसकी अभिव्यक्ति से जुड़ सकें। इसी बदलते सामाजिक परिदृश्य में 'भजन क्लबिंग' एक नई और रोचक सांस्कृतिक प्रवृत्ति के रूप में सामने आई है। भजन क्लबिंग का अर्थ है-भजन, कीर्तन और भक्ति-संगीत को पारंपरिक धार्मिक आयोजन की सीमाओं से बाहर निकालकर ऐसे सामूहिक वातावरण में प्रस्तुत करना, जहाँ युवा गाते हैं, झूमते हैं, नृत्य करते हैं और संगीत की लय में स्वयं को विसर्जित करते हैं। वातावरण में आधुनिक संगीत की ऊर्जा होती है, लेकिन केंद्र में भक्ति रहती है। इसे एक तरह से क्लब की ऊर्जा और सत्संग की आत्मीयता का संगम कहा जा सकता है। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लंबे समय से यह धारणा रही है कि धर्म और अध्यात्म वृद्ध पीढ़ी के विषय हैं। नई पीढ़ी आधुनिकता, तर्क और तकनीक के साथ आगे बढ़ते हुए धार्मिक अनुष्ठानों से दूरी बना रही है। लेकिन भजन क्लबिंग का उभार इस धारणा की चुनौती देता दिखाई दे रहा है। युवा यह कह रहे हैं कि आध्यात्मिकता चाहिए, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति उनकी भाषा और उनके समय के अनुरूप भी हो सकती है। भारत में क्लब संस्कृति का विकास मुख्यतः मनोरंजन, संगीत, नृत्य और सामाजिक मेल-जोल के माध्यम के रूप में हुआ। देर रात तक चलने वाले कार्यक्रमों में तेज संगीत, चमकती रोशनी और आधुनिक जीवनशैली का प्रभाव दिखाई देता रहा। अब उसी सामाजिक ढाँचे में भक्ति का प्रवेश अपने आप में सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। भजन क्लबिंग में सामान्यतः शराब, धूम्रपान और नशीले पदार्थों के स्थान पर भक्ति-संगीत, सामूहिक गायन और सकारात्मक ऊर्जा को महत्व दिया जाता है। यह अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। युवा यदि रात के समय मनोरंजन के लिए बाहर निकलते हैं तो उन्हें ऐसा विकल्प मिलना, जहाँ आनंद के साथ आत्मिक जुड़ाव भी हो, निश्चित रूप से विचारणीय है। इसमें एक और महत्वपूर्ण पक्ष है-सामूहिकता। सोशल मीडिया ने लोगों को आभासी रूप से जोड़ दिया है, लेकिन वास्तविक जीवन में अकेलापन बढ़ा है। हजारों डिजिटल मित्रों के बावजूद मनुष्य कई बार स्वयं को अकेला पाता है। भजन क्लब में अनजान लोग भी एक स्वर में गाते हैं। कुछ समय के लिए मोबाइल दूर होता है और मनुष्य मनुष्य के निकट आता है। यह अनुभव मानसिक स्तर पर भी राहत दे सकता है। आज का युवा केवल उपदेश सुनना नहीं चाहता, वह अनुभव करना चाहता है। वह किसी बात को इसलिए स्वीकार नहीं करता कि परंपरा ऐसा कहती है। वह जानना चाहता है-इससे मुझे क्या मिलेगा? भजन क्लबिंग इसी प्रश्न का एक व्यावहारिक उत्तर देती प्रतीत होती है। संगीत मनुष्य की भावनाओं को सीधे प्रभावित करता है। सामूहिक गायन में व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत सीमाओं से ऊपर उठकर समूह का हिस्सा बन जाता है। जब सैकड़ों लोग एक साथ 'राम', 'महावीर', 'शिव', 'कृष्ण' या किसी अन्य आराध्य का स्मरण करते हैं तो वातावरण में सामूहिक ऊर्जा पैदा होती है। जैन दृष्टि से देखें तो भक्ति का मूल उद्देश्य केवल बाहरी उल्लास नहीं, बल्कि आत्मा की ओर यात्रा है। नवकार मंत्र, स्तवन, धकामर, मंगल पाठ या तीर्थंकरों की स्तुति यदि संगीत के माध्यम से युवा मन तक पहुँचती है तो यह स्वागतयोग्य प्रयोग हो सकता है-बशर्ते भक्ति मनोरंजन में विलीन न हो जाए। यहीं उस परी प्रवृत्ति की सबसे बड़ी कसौटी है। भारत के सार्वजनिक जीवन में भी पिछले कुछ वर्षों में आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक चेतना की सार्वजनिक अभिव्यक्ति अधिक दिखाई देने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक राष्ट्रीय नेता और सार्वजनिक व्यक्तित्व भारतीय परंपरा, योग, ध्यान, मंदिरों, तीर्थों, भक्ति और संस्कृतिक विरासत से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय दिखाई देते हैं। इससे नई पीढ़ी के बीच यह संदेश गया है कि



आधुनिकता और आध्यात्मिकता परस्पर विरोधी नहीं हैं। लेकिन यहाँ यह भी समझना होगा कि किसी राजनीतिक या लोकप्रिय व्यक्तित्व की उपस्थिति किसी आध्यात्मिक प्रवृत्ति की सफलता का अंतिम प्रमाण नहीं हो सकती। किसी भी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसके चरित्र-निर्माण और सामाजिक प्रभाव में होती है। यदि भजन क्लबिंग युवाओं को नशे से दूर करती है, मानसिक तनाव कम करती है, परिवार से जोड़ती है, सेवा की प्रेरणा देती है और जीवन में संयम पैदा करती है, तभी इसकी सार्थकता सिद्ध होगी। हर नई लोकप्रिय प्रवृत्ति के साथ कुछ जोखिम भी जुड़े होते हैं। सबसे बड़ा खतरा यह है कि भक्ति धीरे-धीरे केवल एक फैशनेबल ट्रेंड बनकर रह जाए। यदि उद्देश्य आत्मिक शांति के बजाय केवल तेज संगीत, रोशनी, नृत्य और मनोरंजन रह गया तो भजन क्लबिंग और सामान्य क्लब संस्कृति के बीच अंतर धीरे-धीरे समाप्त हो सकता है। दूसरा खतरा व्यावसायीकरण का है। यदि भक्ति के नाम पर महंगे टिकट, प्रायोजक, ब्रांडिंग और दिखावे की संस्कृति हावी हो गई तो आध्यात्मिकता बाजार की वस्तु बन सकती है। तीसरा खतरा किसी व्यक्ति, समूह या शैली के प्रति अंधानुकरण का है। समुदाय बनाना अच्छी बात है, लेकिन समुदाय यदि विचार-विमर्श के बजाय अंध-समर्पण पैदा करने लगे तो वह स्वस्थ आध्यात्मिकता नहीं रह जाता। चौथा प्रश्न संगीत की तीव्रता का है। आध्यात्मिकता का अर्थ हमेशा धीमा संगीत नहीं है और तेज संगीत अपने आप में आध्यात्मिकता-विरोधी भी नहीं है। भक्ति परंपरा में नृत्य, कीर्तन और उत्सव का अपना स्थान रहा है। लेकिन यदि ध्वनि इतनी तीव्र हो जाए कि मन भीतर की ओर जाने के बजाय उलेजना में उलझ जाए, तो मूल उद्देश्य कमजोर पड़ सकता है। इस पूरी बहस का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यही है कि अध्यात्म बाहरी अभिव्यक्ति से आगे की यात्रा है। भजन क्लब में दो घंटे झूमना अच्छी अनुभूति दे सकता है, लेकिन उसका वास्तविक मूल्य तब होगा जब उस अनुभव का असर अगले दिन के जीवन में दिखाई दे। प्रश्न है कि इस भजन-संस्कृति में डूबने से क्या युवा अधिक संयमी हुआ? क्या उसके व्यवहार में करुणा बढ़ी? क्या वह माता-पिता के प्रति अधिक सम्मानशील हुआ? क्या वह नशे से दूर हुआ? क्या उसके भीतर सेवा की भावना पैदा हुई? क्या क्रोध कम हुआ? क्या वह प्रकृति और समाज के प्रति संवेदनशील हुआ? यदि इन प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' में हैं, तो भजन क्लबिंग केवल मनोरंजन नहीं, आध्यात्मिक सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बन सकती है। आने वाले वर्षों में भजन क्लबिंग का विस्तार निश्चित रूप से नए रूपों में हो सकता है। मंदिरों, आध्यात्मिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और युवा संगठनों द्वारा संगीत, ध्यान, योग, संवाद और सेवा को जोड़कर नए कार्यक्रम विकसित किए जा सकते हैं। लेकिन इसके लिए एक स्पष्ट सूत्र होना चाहिए-आधुनिक प्रस्तुति हो, लेकिन आध्यात्मिक मूल्यों से समझौता न हो।

भक्ति को युवा बनाना आवश्यक है, लेकिन भक्ति की आत्मा को युवा बनाने की आवश्यकता नहीं है। वह सनातन है, वह शाश्वत है, वह सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदेशिक है, आवश्यकता केवल उसकी भाषा, प्रस्तुति और पहुँच को समयानुकूल बनाने की है। भजन क्लबिंग इसलिए एक अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इस बात का कि आधुनिक युवा को धर्म और अध्यात्म से जोड़ने का एक नया द्वार खुला है। चुनौती इस बात की कि कहीं यह द्वार बाजारवाद, दिखावे, अपसंस्कृति और अति-मनोरंजन का प्रवेशद्वार न बन जाए। अंततः भजन क्लबिंग की सफलता इस बात से तय नहीं होगी कि कितने युवा संगीत पर झूमे, बल्कि इससे होगी कि कितने युवा अपने भीतर झाँकने लगे। यदि क्लब की ऊर्जा आत्मा की शांति तक पहुँचाती है, संगीत मन को निर्मल करता है और भक्ति जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा देती है, तो यह केवल नई पीढ़ी का नया फैशन नहीं, बल्कि आधुनिक समय में अध्यात्म की नई दस्तक है और यदि भक्ति मंच से उतरकर व्यवहार में आ गई, तो सचमुच कहा जा सकेगा-क्लब में संगीत बदला है, लेकिन उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि जीवन का संगीत बदलने लगा है।

- ललित गर्ग

दालों की महंगाई पर केंद्र सरकार का वार- व्यापारियों को देना होगा साप्ताहिक स्टॉक का हिसाब

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में त्यौहारों का मौसम बीतने के बाद भी दालों की कीमतें कम न होने से चिंतित केंद्र सरकार ने महंगाई पर लगाम कसने और जमाखोरी रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब दाल कारोबार से जुड़े सभी व्यापारियों, आयातकों, मिलर्स, डीलरों, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को अपने पास मौजूद दालों के स्टॉक की जानकारी हर सप्ताह ऑनलाइन पोर्टल पर देनी होगी। केंद्र सरकार का मानना है कि इस पहल से बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर शिकंजा कसा जा सकेगा।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की सचिव निधि खरे ने हाल ही में बड़े कारोबारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट किया कि त्यौहारों के बाद दालों की कीमतों में बढ़ोतरी का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि मंडियों में दालों के दाम घटने का फायदा आम उपभोक्ताओं तक भी पहुंचना चाहिए। दरअसल, केंद्र सरकार को आशंका है कि कुछ कारोबारी जमाखोरी और मुनाफाखोरी के जरिए कीमतों को कृत्रिम रूप से ऊंचा बनाए हुए हैं, जबकि मंडियों में कीमतें अपेक्षाकृत कम हुई हैं।

केंद्र सरकार के इन सख्त कदमों और बेहतर आपूर्ति स्थितियों के चलते आने वाले दिनों में दालों की कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। खरीफ में उड़द और अन्य दालों की अच्छी बुवाई हुई है, वहीं रबी फसलों की बुवाई में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नियमित आयात भी बाजार में दालों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है।

सिर्फ दालें ही नहीं, केंद्र सरकार ने चावल और चीनी जैसे अन्य आवश्यक खाद्य पदार्थों पर निगरानी बढ़ा दी है। हाल ही में, व्यापारियों और मिलर्स के लिए आसमती, गैर-बासमती चावल, टूटे चावल और धान का साप्ताहिक स्टॉक बताना भी अनिवार्य किया है। वहीं, नए चीनी सीजन के दौरान डीलरों के लिए अधिकतम 1,000 क्विंटल या 15 दिन की खपत के बराबर स्टॉक रखने की सीमा निर्धारित की गई है। सरकार के इन व्यापक प्रयासों का उद्देश्य खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी रोकना और आम जनता को बढ़ती महंगाई से राहत दिलाना है।

भारत का व्यापार घाटा 12 महीने के उच्चतम स्तर पर, निर्यात-आयात ने भी तोड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एजेंसी। अक्टूबर माह में भारत का व्यापार घाटा पिछले 12 महीनों के उच्चतम स्तर 39.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह वृद्धि रिकॉर्ड वस्तुओं के आयात के कारण हुई, जो 89.35 अरब डॉलर रहा। हालाँकि, इसी अवधि में भारत का निर्यात भी 49.47 अरब डॉलर के अब तक के सबसे ऊँचे स्तर पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 45 फीसदी की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्शाता है। इस परिदृश्य में, सेवा क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए देश के समग्र व्यापार संतुलन में सकारात्मक योगदान दिया है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 39.88 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले 12 महीनों का सर्वाधिक स्तर है। इस दौरान वस्तुओं का आयात रिकॉर्ड 89.35 अरब डॉलर रहा, जबकि निर्यात में भी 45 फीसदी की वृद्धि के साथ यह 49.47 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। अधिकारियों के अनुसार, आयात में यह वृद्धि और बढ़ता व्यापार घाटा काफी हद तक मौसमी रुझान का हिस्सा हो सकता है, जैसा कि पिछले वर्ष भी अक्टूबर में देखा गया था, जब व्यापार घाटा 42.58 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान, वस्तुओं का कुल निर्यात 22 फीसदी बढ़कर 309.06 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 16 फीसदी बढ़कर 527.21 अरब डॉलर हो गया। इस तरह, इस अवधि में देश का व्यापार घाटा 218.15 अरब डॉलर दर्ज किया गया। अच्छी खबर यह है कि सेवा क्षेत्र ने अक्टूबर में शानदार प्रदर्शन किया। अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक, सेवा निर्यात 15 फीसदी बढ़कर 40.51 अरब डॉलर रहा, जबकि सेवा आयात 17 फीसदी बढ़कर 20.72 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप, अक्टूबर में सेवाओं के व्यापार से भारत को लगभग 19.79 अरब डॉलर का अनुमानित अधिशेष प्राप्त हुआ। निर्यात में यह मजबूत बढ़ोतरी सरकार द्वारा चालू वित्त वर्ष के लिए निर्धारित कुल 1 लाख करोड़ डॉलर (वस्तुओं और सेवाओं दोनों) के महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्य की हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस तेज निर्यात वृद्धि का एक और सकारात्मक प्रभाव सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में निर्यात की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी के रूप में सामने आया है। लगातार तीन वर्षों तक गिरावट दर्ज करने के बाद, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वस्तुओं के निर्यात की जीडीपी में हिस्सेदारी बढ़कर 14 फीसदी हो गई है। यह वित्त वर्ष 2022-23 के स्तर पर वापसी है, जब भारत का वार्षिक वस्तु निर्यात रिकॉर्ड ऊंचाई पर था। वैश्विक मांग में सुस्ती और अमेरिकी शुल्कों जैसे कारकों के कारण पिछले कुछ वर्षों में यह हिस्सेदारी प्रभावित हुई थी, लेकिन अब इसमें सुधार दिख रहा है।

त्योहारों की चमक फीकी, कर्ज का बोझ भारी, कैसे निपटें?

नई दिल्ली। एजेंसी। दिवाली की रौनक अक्सर भारी खर्चों का बोझ ले आती है, जिसकी कीमत बाद में चुकानी पड़ती है। नोएडा के एक 34 वर्षीय व्यक्ति ने्हीहर पर दिल खोलकर खरीदारी की और अब लाखों के कर्ज में डूब गए हैं। उनकी कहानी चेतावनी है कि कैसे त्योहारी छूट की चकाचौंध हमें महंगे कर्ज के जाल में फंसा सकती है। उनका सिक वेतन 95,000 रुपये है, ने दिवाली पर 62,000 रुपये का टीवी, 38,000 रुपये की वॉशिंग मशीन, 78,000 रुपये का स्मार्टफोन खरीदा, साथ ही जयपुर यात्रा और सोने का सिक्का भी लिया। नतीजतन, उनका क्रेडिट कार्ड बकाया 1.45 लाख रुपये तक पहुंच गया। यह सिर्फ उनकी कहानी नहीं है, दिवाली के दौरान पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड और बाय नाउ पे लेटर जैसी सुविधाओं का उपयोग तेजी से बढ़ता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सबसे पहले अपने सभी कर्जों की एक सूची बनाएं, जिसमें बकाया राशि, ब्याज दर और भुगतान की तारीख शामिल हो। विशेषज्ञ कहते हैं, किराये और चुनियादी खर्चों के बाद बची रकम से कर्ज चुकाने की योजना बनाएं। क्रेडिट स्कोर बचाने के लिए हरेक कर्ज का न्यूनतम भुगतान अवश्य करें। एक्सपर्ट पैनल के अनुराग मेहरा के अनुसार, उच्च ब्याज वाले क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन का भुगतान प्राथमिकता पर करें। गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करें और तीन-चार महीने में कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखें।

उछाल और गिरावट के बीच झूलता रहा बाजार

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने दिवाली के उत्साह के साथ-साथ शानदार तेजी दर्ज की। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के दम पर प्रमुख सूचकांकों ने नए रिकॉर्ड उच्च स्तर छुए, जिसमें निफ्टी ने पहली बार 25,000 का आंकड़ा पार किया। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन मुनाफावसूली हावी रही, जिससे बाजार की बढ़त को कुछ हद तक कम किया। सप्ताह की शुरुआत सौमवार को हल्की गिरावट के साथ हुई, लेकिन बाजार ने जल्द ही खुद को संभाला। पिछले हफ्ते की शानदार तेजी और एफआईआई की आक्रामक खरीदारी, बेहतर वैल्यूएशन, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और दूसरी तिमाही के मजबूत नतीजों जैसी सकारात्मक खबरों ने निवेशकों का मनोबल बढ़ाया। बीएसई सेंसेक्स 107.25 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,106.65 पर और निफ्टी 58.25 अंक चढ़कर 25,044.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को दिवाली-बालीप्रतिपदा के उपलक्ष्य में



बाजार बंद रहा। बुधवार को बाजार ने जबरदस्त उछाल देखा। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह, उम्मीद से बेहतर दूसरी तिमाही के परिणामों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को मजबूत आधार दिया। सेंसेक्स 1,097.33 अंक चढ़कर 82,186.92 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 274.30 अंक की बड़त के साथ 25,317.55 पर कारोबार कर रहा था। यह लगातार नौवां कारोबारी सत्र था जब बाजार ने तेजी दर्ज की, जिसमें निफ्टी ने 25,250 का स्तर पार किया। गुरुवार को बाजार में उतार-चढ़ाव दिखा, लेकिन अंततः हरे निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 31.61 अंक बढ़कर 81,911.01 पर, जबकि निफ्टी 44.30 अंक की बढ़त के साथ 25,299.35 पर लगभग सपाट बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक और श्रीराम फाइनेंस जैसे शेयरों ने इस बढ़त में योगदान दिया। हालांकि, 10 दिनों की हरियाली के बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को मुनाफावसूली हावी रही। बैंकिंग और ऑटो जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बिकवाली के दबाव ने बाजार को नीचे खींचा। सेंसेक्स 318.35 अंकों की गिरावट के साथ 81,592.66 पर बंद हुआ, और निफ्टी 160.10 अंक टूटकर 25,139.25 के स्तर पर आ गया। रुपये में भी डॉलर के मुकाबले कमजोरी देखी गई।

एफएसएसएआई का दूध-डेयरी उत्पादों के लिए नया लोगो

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दूध और डेयरी उत्पादों की शुद्धता व पहचान सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब जल्द ही आपको अपने पसंदीदा दूध, दही और पनीर जैसे उत्पादों के पैकेट पर एक खास नया लोगो दिखाई देगा, जो ग्राहकों को असली डेयरी उत्पाद पहचानने में मदद करेगा। एफएसएसएआई द्वारा तय किए गए इस नए समान लोगो में नीले रंग का एक चौकोर निशान होगा, जिसके अंदर सफेद रंग की बूंद का निशान बना होगा। देश की सभी डेयरी कंपनियों को अपने दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स के पैकेट पर एक जैसा ही यह निशान लगाना अनिवार्य होगा। यह नया लोगो ग्राहकों को बाजार में असली दूध और दूध से बने उत्पादों को नकली से अलग करने में सहायक होगा। जिस तरह खाने-पीने की चीजों पर शाकाहारी होने का संकेत हरा निशान और मांसाहारी होने का संकेत लाल निशान देता है, ठीक उसी तर्ज पर यह नीला चौकोर निशान दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स की स्पष्ट पहचान कराएगा। एफएसएसएआई है इस नए नियम को लागू करने की तारीख भी निर्धारित कर दी है। 1 जुलाई 2028 से सभी डेयरी निर्माण कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग पर इस नीले-सफेद रंग के लोगो को लगाना अनिवार्य होगा।



अक्टूबर में म्यूचुअल फंड एसआईपी को झटका- नए खातों से ज्यादा पुराने खाते हुए बंद

नई दिल्ली। एजेंसी। अक्टूबर में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड को बड़ा झटका लगा है, जब नए खुले खातों की तुलना में बंद हुए पुराने खातों की संख्या ज्यादा रही। इस अवधि में जहां 51 लाख नए एसआईपी खाते खोले गए, वहीं 59 लाख खाते बंद हुए। यह पिछले 18 महीनों में नए खुले खातों का सबसे निचला स्तर और अप्रैल 2025 के बाद एक महीने में बंद हुए खातों की सबसे बड़ी संख्या है, जो निवेशकों के रुझान में एक अहम बदलाव को दर्शाता है। बड़ी संख्या में खातों के बंद होने के कारण कुल सक्रिय एसआईपी खातों की संख्या भी प्रभावित हुई। सितंबर में 10.89 करोड़ सक्रिय एसआईपी खाते थे, जो अक्टूबर के अंत तक घटकर 10.8 करोड़ रह गए। इसके साथ ही, एसआईपी के माध्यम से होने वाले कुल निवेश में भी कमी दर्ज की गई। अक्टूबर में सक्रिय खातों में कुल 32,160 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि सितंबर में यह आंकड़ा 32,490 करोड़ रुपए था। यह गिरावट निवेशकों के आत्मविश्वास में कमी का संकेत दे सकती है। जानकारों के मुताबिक एसआईपी खातों में इस कमी की मुख्य वजह शेयर बाजार में आया उतार-चढ़ाव हो सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि निवेशक अभी भी देश की दीर्घकालिक वृद्धि में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों में हर महीने 32,000 करोड़ से ज्यादा का योगदान देखा जा रहा है, जो निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाता है, भले ही कुछ खाते बंद हुए हों। अन्य जानकारों ने निवेशकों को चेताया है कि एसआईपी से निकलने का यह सही समय नहीं है। उन्होंने बताया कि बंद हुए खातों के आंकड़ों में ऐसे एसआईपी भी शामिल हैं जिनकी अवधि पूरी हो चुकी थी, केवल वे नहीं जिन्हें निवेशकों ने बीच में बंद किया। जानकारों के अनुसार, एसआईपी बंद होने के पीछे त्योहारों पर हुए खर्चों और ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों जैसे कारण भी हो सकते हैं, जिन्होंने घरों की नकदी पर दबाव डाला है।

आज का राशिफल



मेष- आज भाग्य आपका पूरा साथ देता नजर आएगा और कामकाज के क्षेत्र में शानदार सफलता मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से की जा रही मेहनत अब अपना असर दिखाने लगेगी और आपको प्रयासों का उचित परिणाम मिल सकता है। कोर्ट-कचहरी या कानूनी मामलों में भी राहत मिलने अथवा आपके पक्ष में फैसला आने की संभावना है।

वृषभ- आज आपका मान-सम्मान बढ़ने के संकेत हैं और लोग आपकी कार्यशैली तथा व्यवहार की सराहना कर सकते हैं। किसी खास सामाजिक या सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जहां आपकी मौजूदगी आपको अलग पहचान दिला सकती है। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और यदि पिछले कुछ समय से कोई दूरी या मनमुटाव बना हुआ था, तो उसे दूर करने का अच्छा अवसर मिलेगा।

मिथुन- आज का दिन कुछ उतार-चढ़ाव लेकर आ सकता है। कामकाज में छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए अपनी जिम्मेदारियों और लक्ष्यों पर पूरा ध्यान दें। किसी भी नकारात्मक बातों को जरूरत से ज्यादा महत्व देने के बजाय अपनी सोच सकारात्मक बनाए रखें। दोस्त आपका साथ देंगे और जरूरत पड़ने पर सहयोग के लिए आगे आएंगे।

कर्क- आज का दिन खुशियों, मनोरंजन और अपनों के साथ बिताए जाने वाले खूबसूरत पलों से भरा रह सकता है। दोस्तों या परिवार के सदस्यों के साथ घूमने-फिरने, बातचीत करने और मौज-मस्ती करने के कई अवसर मिल सकते हैं। इससे मन हल्का होगा और रोजमर्रा की व्यस्तता से राहत मिलेगी। हालांकि, प्रॉपर्टी या संपत्ति से जुड़ा कोई मामला थोड़ी चिंता पैदा कर सकता है।

सिंह- आज आप पूरे उत्साह और कर्जा के साथ अपने अधूरे कामों को पूरा करने में जुटे रहेंगे। आपकी मेहनत और सक्रियता अच्छे परिणाम दिला सकती है। कारोबार में किसी नए व्यक्ति के साथ साझेदारी शुरू करने का अवसर मिल सकता है, जो भविष्य में आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है। हालांकि, किसी भी साझेदारी को अंतिम रूप देने से पहले उसकी शर्तों और जिम्मेदारियों को स्पष्ट कर लें।

कन्या- आज आपका आत्मविश्वास और साहस मजबूत रहेगा। मन में कुछ नया करने, पुरानी योजनाओं को बदलने या किसी काम को अलग तरीके से शुरू करने की इच्छा जाग सकती है। कारोबार से जुड़े लोग अपने काम में बदलाव या विस्तार की योजना बना सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन उत्साहजनक रह सकता है और परीक्षा के परिणाम उम्मीद के अनुसार आने की संभावना है।

तुला- आज का दिन सुख-सुविधाओं, पारिवारिक सहयोग और खुशियों से भरा रह सकता है। घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे महत्वपूर्ण फैसले लेना आसान होगा। उनकी सलाह आपके अनुभव और समझ को एक नई दिशा दे सकती है। किसी कारणवश अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है, इसलिए निकलने से पहले जरूरी सामान और दस्तावेजों की जांच कर लें।

वृश्चिक- आज किसी भी महत्वपूर्ण मामले में जल्दबाजी करने के बजाय पूरी जानकारी और सोच-विचार के साथ निर्णय लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी समझदारी और दूरदर्शिता ही आपको सही दिशा दिखाएगी। परिवार की जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें और अपनों की जरूरतों के लिए समय निकालें। वैवाहिक जीवन में छोटी-मोटी खटास या असहमति हो सकती है, लेकिन धैर्य और खुलकर बातचीत करने से स्थिति संभल जाएगी।

धनु- आज मन में कुछ उलझनें और असमंजस की स्थिति बनी रह सकती है। ऐसे में गुस्से या भावनाओं में आकर कोई फैसला लेने से बचें, क्योंकि जल्दबाजी में उठाया गया कदम बाद में परेशानी का कारण बन सकता है। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं, इसलिए अपनी महत्वपूर्ण योजनाएं और निजी बातें हर किसी से साझा न करें।

मकर- आज का दिन कुछ मामलों में अच्छा तो कुछ मामलों में चुनौतीपूर्ण रह सकता है। कामकाज में तकनीकी समस्या या किसी छोटी रुकावट के कारण आपकी गति धीमी पड़ सकती है। इसलिए किसी भी काम को जल्दबाजी में पूरा करने के बजाय धैर्यपूर्वक करें। जिम्मेदारियां बढ़ने से मानसिक दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन सभी कामों को योजनाबद्ध तरीके से निपटने पर स्थिति संभल जाएगी।

कुंभ- आज लंबे समय से अटके हुए काम पूरे होने की संभावना है, जिससे आपको काफी राहत मिलेगी। आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते खुल सकते हैं और आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिल सकता है। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के संकेत हैं। यदि कोई पुराना कानूनी मामला चल रहा है, तो उसमें भी परिस्थितियां आपके पक्ष में हो सकती हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए अनुकूल और संतोषजनक रह सकता है। कामकाज में सुधार होने से मन हल्का रहेगा और आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी होगी। किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात हो सकती है, जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी और चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी। जीवनसाथी के साथ खुलकर बातचीत करने का अवसर मिलेगा।

शब्दजाल - 8450

ची	दु	से	रि	द्रो	णा	चा	र्य	न	प	क		
न	र्यो	शा	प	इं	छे	भी	म	या	इ	क		
अ	ध	जा	स	र	ग	स	द	ह	प	न		
जी	न	ल	पा	न	दू	स	न	ह	जु	त		
त	या	अ	सौ	न	जा	ला	ब्यु	अ	प	दे		
आ	यु	इ	मो	व	प	म	क	ह	यु	बां		
ग	धि	ल	ह	व	भि	रि	पा	व	प	ज		
र	ह	भा	त्क	अ	प	स	रा	ब्रा	वि	ला		
क	र	टो	तें	व	न	क	र्ण	ता	जू	दे		
र	घ	ल	प	व	सिं	ल	स	अ	प	श		
बां	स	ल	भी	भ्र	पि	ता	मा	ह	क	र		

शब्द जाल में 10 चौंढाओं के नाम हैं, जिन्होंने महाभारत युद्ध लड़ा था. नाम ऊपर से नीचे एवं लिखे भी हैं.

युधिष्ठिर, घटोत्कच, अभिमन्यु, अर्जुन,भीम, दुर्योधन, भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कर्ण, दुशासन.

शब्दजाल - 8449 का हल

म	क	स	ज	स	ते	यी	र	मे	त	ध		
वि	त	में	ता	जा	का	ल	मे	रा	ब	ल		
अ	त	न	ती	प	र	ज	र	क				
क	ल	म	ह	ब	ल	स	त	क				
ब	ल	रा	म	ज	न	म						
ज	न	म										
म												

फिल्म वर्ग पहेली- 7384



ऊपर से नीचे:-

१. जीदि, जीत की 'भी उम्र का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,१
२. अनोखा, शहि, पत्नोन, नौतु की फिल्म-३
३. 'चले चलना आप' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
६. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली शंकर खय्या, रेखा की फिल्म-३
७. सचिन, मुमेता की 'हमका कका बिंदिया गजब' गीत वाली फिल्म-४
११. झरि, चंकी, गैलम की फिल्म-३
१३. शंकुछा इश्क शेल, गंगिम की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी मे प्यर, मे एक जिंदगी' गीत वाली सुस्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब पद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी न आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
१९. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अमित कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमा, गंगिम की फिल्म-४
२२. 'बाबूजरे खुल खुल जायें' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्मीली की 'लिये सेंड को कसों हूँ मैं से प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'यहीं ते सड़कें' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कौन कागज पे लिखावें' गीत वाले फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल में सुहानी बेटिंगें' गीत वाली दिनीकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राकेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजीव, सुचिता की 'ऐ बिन जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'अगर है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मीला की फिल्म-३
१४. 'हम दुखे ते हुए' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'हमारी है कसमें' गीत वाली तुषार, प्रेमी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, रखी की 'ऐ औरों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'किस्त' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अंसित, पूनम की 'मिली ते प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'दिल क्यों धड़का है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. तुषार कपूर, अंशा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीनत, रामेश की फिल्म-३
२६. अभिषेक, अंशा की 'आवाज मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया यारे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'मुन वा सोनिये मुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुछ अनजानी' गीत वाली मनी, सुस्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुशांत तेट्टो, सोनी की 'दिल मेरा यहीं' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजकोरी, उर्मिला की फिल्म-२
३१. देवानंद, सूरत की 'हम हो जाने पया कोल' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'खोले खोले पिंजरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7383



Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8908



बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. अक्षेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कृष्णपात-2, 2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. हुक्का हुआ-2
23. मतवाला, रस का राजा-2

शब्द पहेली -8907 का हल

व	र			ति	रं			ज	ला
न			र	व			ध	व	
		अ	स	थ		स	ज	न	
क		म				ह	र		
ल			ध	र			ण		
प									
		अ	ध	क		ह	र		
व		न							
न									

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



रविवार 2026 वर्ष का 319 वा दिन	
दिशाशूल पश्चिम जतु, प्रवास।	
विक्रम संवत् 2083 शोभन संवत् 1948	
सूरज पार्वति पद्मा सुबह	
चंदि कही 02.02 चले रात को समाप्त।	
नक्षत्र उत्तराषाढा 23.29 चले को समाप्त।	
योग शुल 06.23 चले को समाप्त।	
करण कौलव 12.45 चले तैतलव	
तैतल 02.02 चले रात को समाप्त।	

ग्रह	स्थिति	ग्रहगोचर समय	
सूर्य	वृश्चक में	सूर्योदय 06.25 चले से	चन्द्रराशि 5.2 चले
चंद्र	कर्कट में	चंद्र 08.41 चले से	नक्षत्र दिशाशूल पश्चिम जतु, प्रवास।
मंगल	सिंह में	सूर्यास्त 10.46 चले से	विक्रम संवत् 2083 शोभन संवत् 1948
बुध	तुला में	कुंभ 12.32 चले से	सूरज पार्वति पद्मा सुबह
गुरु	सिंह में	मीन 14.05 चले से	चंदि कही 02.02 चले रात को समाप्त।
शुक्र	कन्या में	मेष 15.35 चले से	नक्षत्र उत्तराषाढा 23.29 चले को समाप्त।
शनि	तुला में	वृष 17.16 चले से	योग शुल 06.23 चले को समाप्त।
राहु	कुंभ में	मिथुन 19.14 चले से	करण कौलव 12.45 चले तैतलव
केतु	सिंह में	कर्क 21.27 चले से	तैतल 02.02 चले रात को समाप्त।
		सिंह 23.45 चले से	
		कन्या 01.55 चले से	
		तुला 04.06 चले से	

राहुकाल 4.30 से 6.00 चले तक।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	06.56 से 07.23 चले तक	शुभ	09.36 से 07.09 चले तक
अमृत	07.23 से 08.51 चले तक	अमृत	07.09 से 08.41 चले तक
शुभ	08.51 से 10.18 चले तक	चर	08.41 से 10.14 चले तक
अमृत	10.18 से 11.46 चले तक	रोग	10.14 से 11.46 चले तक
चल	11.46 से 01.14 चले तक	काल	11.46 से 01.19 चले तक
लाभ	01.14 से 02.41 चले तक	शुभ	01.19 से 02.51 चले तक
रोग	02.41 से 04.09 चले तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 चले तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 चले तक	शुभ	04.24 से 06.03 चले तक

चौघड़िया मुहूर्तशुभ- शुभफल चेष्ठ मुख, अमृत व सब, मध्यम धन, अमृत मोक्ष, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की गणना देखने बिन्दु के आधार पर है। आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पगडंडी

चौ हे रास्ते ने पास चलती पगडंडी से कहा - 'अरी पगडंडी, मेरे रहते मुझे तुम्हारा अस्तित्व अतावश्यक-सा जान पड़ता है। व्यर्थ ही तुम मेरे आजे-पीछे, जाल-सा बिछाए चलती हो!' पगडंडी ने भोलेपन से कहा, 'नहीं जानती, तुम्हारे रहते लोग मुझ पर क्यों चलते हैं। एक के बाद एक दूसरा चला। और फिर, तीसरा, इस तरह मेरा जन्म ही अनायास और अकारण हुआ है!' रास्ते ने दर्प के साथ कहा, 'मुझे तो लोगों ने बड़े यत्न ने बनाया है, मैं अनेक शहरों-गावों को जोड़ता चला जाता हूँ।' पगडंडी आश्चर्य से चुप रही थी। 'सच?' उसने कहा, 'मैं तो बहुत छोटी हूँ!' तभी एक विशाल वाहन, घरघराकर रास्ते पर रुक गया। सामने पड़ी छोटी पुलिया के एक तरफ खड़े लगा था, 'बड़े वाहन सावधानी पुलिया क्रमजोर है।' वाहन, एक भरी हुई यात्री-गाड़ी थी, जो पुलिया पर से नहीं जा सकती थी। पूरी गाड़ी खाली करवाई गई। लोग पगडंडी पर चल पड़े। पगडंडी, पुलिया वाले सूखे नाले से जाकर, फिर उसी रास्ते से मिलती थी। उस पार, फिर यात्रियों को बैठाकर गाड़ी चल दी। रास्ते ने एक गहरा निश्वास छोड़ा 'री, पगडंडी! आज मैं समझा छोटी से छोटी वस्तु, तक आगे पर मूल्यवान बन जाती है।'

सूडोकु नवताल- 7693

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	6
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7692 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9

सोगलपुर में 80 वर्षीय बुजुर्ग की अधजली लाश मिलने से सनसनी

एफएसएल टीम मौके पर पहुंचकर जुटाए साक्ष्य, पुलिस सभी पहलुओं पर कर रही जांच

पदमेश न्यूज। लांजी। घर के भीतर एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में अधजली लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत रमपुरा पंचायत के ग्राम सोगलपुर की है, जहां शनिवार को 80 वर्षीय वृद्ध डूडेश्वर पिता टीकाराम खोब्रागड़े का शव उनके ही मकान के दूसरे कमरे के कोने में अधजली अवस्था में बरामद हुआ। शव की स्थिति और घटनास्थल पर मिले जले हुए कपड़ों एवं बिस्तर के निशानों को देखते हुए मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। घटना के बाद से ही वृद्ध की मौत को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार करते हुए सभी संभावित पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मृतक डूडेश्वर खोब्रागड़े की बेटी अनुसूईया बाघमारे पड़ोस में ही रहती हैं। शनिवार सुबह वह अपने वृद्ध पिता के लिए चाय-नाश्ता लेकर घर पहुंची थी। उस समय पिता घर में दिखाई नहीं दिए, जिसके बाद वह चाय-नाश्ता रखकर वापस अपने घर लौट गईं। कुछ देर बाद जब वह दोबारा पिता के घर पहुंची तो मकान के दूसरे कमरे के कोने में उनका अधजला शव देखकर स्तब्ध रह गईं। उसने तत्काल शोर मचाकर परिजनों एवं ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को



सूचना दी गई। सूचना मिलते ही लांजी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मामला संदिग्ध होने के कारण बालाघाट से एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए। इसके बाद पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए लांजी अस्पताल भिजवाया। जहां दो चिकित्सकों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया गया तथा बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल सोगलपुर में हुई इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। 80 वर्षीय वृद्ध की मौत के पीछे आखिर क्या वजह रही और उनका शव अधजली अवस्था में कमरे के कोने में कैसे पहुंचा, इन सवालों के जवाब पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही सामने आ सकेंगे।

छोटे बेटे के घर से जाने को लेकर उठ रहे सवाल

घटनाक्रम में एक और महत्वपूर्ण बात सामने आई है। मृतक की बेटी अनुसूईया बाघमारे के अनुसार घटना के बाद उसका छोटा भाई अनिल खोब्रागड़े वाहन लेकर घर से कहीं चला गया। घटना के बाद उसके इस तरह घर से चले जाने की बात सामने आने के बाद मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि पुलिस ने इस संबंध में अभी किसी को दोषी नहीं ठहराया है और न ही किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि की है। वहीं घटनास्थल पर शव के समीप कपड़ों एवं बिस्तर के जलने के निशान भी दिखाई दिए हैं। ऐसे में वृद्ध की मौत किन परिस्थितियों में हुई और आग लगने की वजह क्या रही, यह जांच का विषय है। शव अधजली अवस्था में मिलने के कारण हत्या, दुर्घटना अथवा आत्महत्या सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस जांच कर रही है। इस संबंध में थाना प्रभारी धनश्याम बैरागी ने बताया कि वृद्ध का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया था। मामले में एफएसएल टीम से भी घटनास्थल की जांच कराई गई है। फिलहाल सभी पहलुओं पर विवेचना जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों एवं परिजनों के बयानों के आधार पर ही वृद्ध की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी के तीन खिलाड़ियों राष्ट्रीय स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं के लिए चयन

पदमेश न्यूज। लांजी। प्रतिभाएं कभी संसाधनों की मोहताज नहीं होतीं, उन्हें जरूरत होती है तो बस सही अवसर, मार्गदर्शन और मेहनत को सही दिशा देने की। लांजी क्षेत्र की खेल प्रतिभाएं इस बात को लगातार साबित कर रही हैं। इसी कड़ी में शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के तीन खिलाड़ियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं के लिए चयनित होकर बालाघाट जिले सहित लांजी का गौरव बढ़ाया है। इनमें राजीव नंदकिशोर चोरवाड़े का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए, जबकि कशिश अनिल बारसागड़े एवं मंशा गिरीश घोंगड़े का चयन राष्ट्रीय स्तर की इंटर यूनिवर्सिटी वेस्ट जोन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। स्कूल शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अंतर्गत 19 वर्ष आयु वर्ग की संभाग स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता नरसिंहपुर में आयोजित की गई थी। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राजीव चोरवाड़े ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई। वहीं महाविद्यालयीन खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के चलते कशिश बारसागड़े एवं मंशा घोंगड़े का चयन इंटर यूनिवर्सिटी वेस्ट जोन वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। राष्ट्रीय स्तर की यह प्रतियोगिता 15 से 19 नवंबर तक गुजरात में आयोजित होगी, जिसमें दोनों खिलाड़ी अपनी यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करेंगी। वहीं राजीव चोरवाड़े 1 से 4 दिसंबर तक मंडला में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग की ओर से मैदान में उतरेंगे। उल्लेखनीय है कि भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी में वर्तमान में पांच खेलों में लगभग 105 खिलाड़ी नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

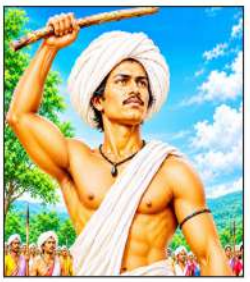


विकासखंड समन्वयक प्रज्ञात वासनिक के मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षक भगवती खान एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों के सहयोग से यहां खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और बेहतर खेल कौशल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अकादमी के खिलाड़ी प्रतिवर्ष विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। तीन खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से अकादमी में उत्साह का माहौल है। मंशा घोंगड़े, कशिश बारसागड़े एवं राजीव चोरवाड़े को अकादमी से जुड़े राकेश मस्सकोले, नवीन रामटेकर, दीपांकर भार्गव, महेंद्र खोब्रागड़े, साहिल पांडे, वरुण बड़गे, यस वानखेड़े, विनीद चौधरी, विनय सातपुते, वृहस्पति, नवीन मात्रे, खुशहाल खानोरकर, रितेश आमाडारे, जगदीश, शुभम रामटेके एवं कैश खान सहित वरिष्ठ एवं जूनियर खिलाड़ियों ने बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

बिरसा मुंडा जयंती पर आज रमपुरा-सोगलपुर में होगा भव्य आयोजन, निकलेगी बाइक रैली

जनजातीय गौरव दिवस पर संविधान विषयक एकदिवसीय विचार संगोष्ठी का होगा आयोजन

पदमेश न्यूज। लांजी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस



के अवसर पर 15 नवंबर 2026, रविवार को रमपुरा-सोगलपुर में भव्य सामाजिक एवं वैचारिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बाइक रैली, मंचीय समारोह और भारत का संविधान विषय पर एकदिवसीय विचार संगोष्ठी प्रमुख आकर्षण रहेंगे। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता, शिक्षा, संवैधानिक जागरूकता तथा महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन शासकीय अधिकारी-कर्मचारी एवं रमपुरा-सोगलपुर के समस्त ग्रामीणों (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय) के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 9 बजे सामुदायिक भवन सोगलपुर से बाइक रैली निकाली जाएगी। यह रैली चदलटोला होते हुए रमपुरा पहुंचेगी तथा वहां से पुनः सोगलपुर भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेगी। इसके पश्चात सुबह 11 बजे सामुदायिक भवन सोगलपुर परिसर में मुख्य मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

संविधान पर होगी विचार संगोष्ठी

आयोजन का विशेष आकर्षण भारत का संविधान विषय पर आयोजित एकदिवसीय विचार संगोष्ठी होगी। इसमें संविधान की महत्ता, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विशेषकर युवाओं एवं ग्रामीणों में संवैधानिक समझ विकसित करना तथा उन्हें अपने अधिकारों और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करना है।

अधिकाधिक सहभागिता की अपील

आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त ग्रामवासियों, मातृशक्तियों, युवाओं, बुजुर्गों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं शासकीय अधिकारी-कर्मचारी बंधुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, शिक्षा और जागरूकता में निहित है। सामाजिक समरसता को मजबूत करने तथा एक शिक्षित, संगठित और जागरूक समाज के निर्माण के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजकों ने सभी से 15 नवंबर को अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष को नमन करने, भारतीय संविधान के मूल्यों को समझने और सामाजिक एकता का परिचय देने का आह्वान किया है।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल में मनाया गया बालदिवस

विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पदमेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के एक छोटे से ग्राम भागेगांव में स्थित एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल आज शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम गढ़ते हुए प्रगति के रथ पर सवार है। ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर मार्गदर्शन और सर्वांगीण विकास के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्यालय द्वारा समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल केवल किताबी शिक्षा तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, प्रतिभा निखारने और भविष्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। ग्रामीण परिवेश में बच्चों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने तथा उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए तैयार करने की दिशा में संस्था के ये प्रयास क्षेत्र को शैक्षणिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी कड़ी में विद्यालय परिसर में 11 नवंबर को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम तथा 14 नवंबर को बाल दिवस समारोह का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इन दोनों आयोजनों में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।



करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सफलता के दिए मंत्र

विद्यालय परिसर में गत दिनों आयोजित करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकेश लिल्हारे, जीएसटी कमिश्नर मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ ? एवं बी.आर. गुरदे, प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय खोलेगांव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से कक्षा चौथी एवं पांचवीं के वे विद्यार्थी शामिल हुए, जो जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही उनके अभिभावकों एवं पूर्व वर्षों में नवोदय विद्यालय के लिए चयनित विद्यार्थियों की भी उपस्थिति रही। संस्था के संचालक ए.आर. कुशले के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक दिशा प्रदान करने के साथ ही उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोकेश लिल्हारे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा की शक्ति, नियमित अभ्यास, अनुशासन और संघर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत और सही दिशा में किए गए प्रयासों से सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों एवं विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को मिलने वाले अवसरों को पहचानने तथा उनका सही उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में बी.आर. गुरदे ने शिक्षा के महत्व एवं जीवन में उसकी उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से अध्ययन करने की समझाइश दी। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की शिक्षा एवं बेहतर भविष्य निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में छू लो आसमान, किसने रोका हैश् की संचालक साक्षी लिल्हारे, नवोदय विद्यालय बैतूल से संदीप चौरे, ग्राम पंचायत सरपंच राम ठाकरे, पालक संघ अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, प्रकाश पटले, दुलीचन्द काव रे, सविता मिसारे, नवोदय शिक्षक रोहित चंदेल, शुभम मेश्राम एवं सुरेन्द्र देवाहे सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अतिथियों को स्वल्पाहार वितरित किया गया।

बाल दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, खेलकूद एवं आनंद मेले ने बांधा समां

इसी तरह 14 नवंबर शनिवार को विद्यालय में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था संचालक ए.आर. कुशले एवं प्रधानपाठिका ममता कुशले द्वारा मां सरस्वती एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। बाल दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं बच्चों के उत्साह एवं मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा आयोजित आनंद मेला रहा, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मकता एवं प्रतिभा का परिचय दिया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर शिक्षक कमलेश ठाकरे, रोहित चंदेल, शुभम मेश्राम, सुरेन्द्र देवाहे, स्वप्नील श्रीवास, साहिर रजा खान, तुलसीदास रामावत, सिद्धार्थ नागदेवे, अमन ठाकरे, शिक्षिकाएं सुनीता नखाते, हीना तेलासे, रानू दखने, भागरता ठाकरे, हेमलता क्विरेन, यशोदा कलपुरे, सोनम कौशल, बबीता रोके?, निशा क्विरेन, दीपिका आठोडे, सरिता टाण्डेकर, सुनीता ठाकरे, प्रियंका राहंगडाले, वंदना बागमारे, कल्पना टोण्डरे, देवेश्री चौहान, पुष्पा आसटकर, सरिता झगराहे, ज्योति ठाकरे, प्रिया पारधी, द्रौपती बाहे, आकृती ढोगे, रजनी दखने, शरीरत नागेश्वर, अश्विनी भाग रेकर, पायल बछारे, किरणबाला बेदरे, मनिषा कटरे, प्रतिबाला बेदरे, सरिता बिहोने, दिपिका बोरकर, भारती मानकर, हिमानी रिन्हायत एवं रूची श्रीवास सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को लंच एवं मिठाई वितरित की गई।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में बाल दिवस पर विभिन्न सांस्कृतिक, मनोरंजक एवं खेलकूद गतिविधियों का हुआ आयोजन

पदमेश न्यूज। लांजी। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर बाल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक, मनोरंजक एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डी.के. पुंडरे ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी आशा भी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार, परिश्रम, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रप्रेम को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में आगे बढ़ने की अपार क्षमता होती है, आवश्यकता केवल उसे उचित दिशा, अवसर और प्रोत्साहन देने की है। बाल दिवस के आयोजन में विभिन्न गतिविधियों के साथ बालिकाओं की क्रिकेट प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रतियोगिता के लिए विद्यालय की दो टीमें बनाई गई थीं, जिनमें एक्सीलेंस इंगल की कप्तान वंशिका वाघया तथा एक्सीलेंस टाइगर की कप्तान तेजस्वी मेहरबान रहीं। दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। प्रतियोगिता में सुहाना धुर्वे ने शानदार खेल प्रदर्शन किया, वहीं वंशिका वाघया ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार हासिल किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों के साथ सहभागिता कर उनका उत्साहवर्धन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एवं विजेता प्रतिभागियों को शिक्षकों की ओर से पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन, उनके विचारों तथा बच्चों के प्रति उनके विशेष स्नेह और लगाव पर भी प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए जिम्मेदार, संवेदनशील एवं कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में माध्यमिक विभाग से पदमाकर लटारे, गजेंद्र येरपुडे, ममता भने, समता बागड़े, ज्योति पारधी, रीता वाकड़े, संगीता भीमटे, प्रेमलता अवसरे, अनीता लिल्हारे, प्रेमलता पांडे एवं रचना नागभीड़े तथा उच्चतर माध्यमिक विभाग से जी.आर. चौखुले, एस.एस. परते एवं सी.के. वैद्य सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। पूरा आयोजन उत्साह, उमंग और आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।

बाल दिवस पर नन्हे मुन्हे बच्चों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति

पदमेश न्यूज। किरनापुर। नगर में बाबा जुमदेवजी जनकल्याण समिति वारा किरनापुर द्वारा संचालित सार्थक पब्लिक स्कूल किरनापुर के आज 14 नवम्बर 2026 को बाल दिवस स्कूल प्रांगण में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। संस्था प्रमुख इंजी. विजेंद्र भोंडेकर द्वारा स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी एवं शिक्षा की देवी माता सरस्वती जी के छायाचित्र की पूजा अर्चना कर माल्यार्पण कर नारियल भेंट किया गया,केक काटा गया.सभी बच्चों को तिलक लगाया गया । तत्पश्चात संस्था प्रमुख ने अपने वक्तव्य में बताया कि स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में हुआ था।15 अगस्त 1947 को जब भारत आजाद हुआ, तो पंडित नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी और देश में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और उद्योगों के विकास को बढ़ावा दिया। उन्होंने सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, आईआईटी और एम्स मेडिकल कॉलेज स्वास्थ्य पर शिक्षा जैसे कई प्रमुख संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।पंडित नेहरू को बच्चों से बहुत गहरा स्नेह था। वे मानते थे कि आज के बच्चे ही कल के भारत का निर्माण करेंगे। बच्चों के प्रति इसी प्रेम के कारण बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। यही कारण है कि हर साल 14 नवंबर को उनके जन्मदिन के अवसर पर पूरे देश में बाल दिवस मनाया जाता है।तत्पश्चात स्कूली



बच्चों को प्रसाद वितरित किया और स्कूल प्रबंधन द्वारा सभी बच्चों को भोजन कराया गया। आज के इस बाल दिवस के कार्यक्रम को सफल बनाने में जिज्ञरिया नायक,अजीत भागलकर,रोहिणी ऊके,कापिल गजभिए, सीमा पांचे ,भूपेंद्र सिंह,शोभा ठाकरे,अजय सूर्यवंशी,नेहा, कावडे,सुधंदा मनोतियां,ललिता सिंगनदूपे, सविता कुथे,गायत्री तुरकर,कल्याणी सहारे,आशीष जाँन,ज्योति भोयर, आशीष नागवंशी,सत्यवचन पाथौ ?,रूपाली जांगे ?, सिफा खान, सुजाता मस्के,तुरसा पांचे,वैशाली वैध, वैशाली छिपेकर,सुमिता क्विरेन, आँचल भीमटे,प्रिया पांचे,कृष्णी पांचे,प्रतीक्षा नागेश्वर, भूमेश्वरी पंथ,सुलेमान खान,कैलाश जांगे ? व अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

भारतीय रेलवे ने नेपाल में जनकपुर धाम को भारत में अयोध्या से जोड़ने वाली साप्ताहिक ट्रेन सेवा को मंजूरी दी

क्रॉस-बॉर्डर संपर्क, धार्मिक पर्यटन और भारत-नेपाल मित्रता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम

भोपाल। एजेंसी। भारत-नेपाल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, इंडियन रेलवे ने नेपाल में जनकपुर धाम और भारत में उत्तर प्रदेश के अयोध्या के बीच एक नई साप्ताहिक ट्रेन सर्विस शुरू करने की मंजूरी दे दी है। यह सर्विस रामायण परंपरा से गहराई से जुड़ी दो जगहों - जनकपुर धाम, जिसे माता सीता का जन्मस्थान माना जाता है, और अयोध्या, जो प्रभु श्री राम का जन्मस्थान है - के बीच एक जरूरी रेल लिंक बनाएगी। इस पहल से दोनों देशों के यात्रियों को इन खास धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक बेहतर पहुंच मिलेगी, साथ ही उनकी साझा सभ्यता की विरासत भी मजबूत होगी।

सीमा पार प्रमुख गंतव्यों को जोड़ना

लगभग 604 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह साप्ताहिक सेवा जनकपुर धाम को अयोध्या कैंट से जोड़ेगी, और बिहार और उत्तर प्रदेश के कई महत्वपूर्ण कस्बों और शहरों से होकर गुज़रेगी। ट्रेन के टर्मिनल स्टेशनों के अलावा जयनगर, मधुबनी, शिशो, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर, बस्ती, मनकापुर और अयोध्या धाम पर रुकेगी।



वाणिज्यिक ठहराव होंगे। यह सर्विस हफ़्ते में एक बार चलेगी, और इसकी शुरुआत शनिवार को जनकपुर धाम से और सोमवार को अयोध्या कैंट से होगी।

पर्यटन, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा

नई सर्विस से तीर्थयात्रियों, टूरिस्ट और दूसरे यात्रियों के लिए बॉर्डर पार यात्रा ज़्यादा आसान होने की उम्मीद है। इससे जनकपुर और अयोध्या के बीच धार्मिक यात्राएं आसान होंगी, रामायण से जुड़े टूरिज्म सर्किट को बढ़ावा मिलेगा और पढ़ाई, बिज़नेस और परिवार से जुड़े कामों के लिए यात्रा करने वाले लोगों को ज़्यादा मोबिलिटी मिलेगी। बेहतर रेल पहुंच से पर्यटन ऑपरेटरों, आतिथ्य प्रतिष्ठानों, स्थानीय व्यापारियों और पारंपरिक कारीगरों के लिए अवसर पैदा करके मार्ग के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को भी लाभ होने की उम्मीद है। बिहार और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में समुदायों के लिए, यह सेवा एक अतिरिक्त यात्री परिवहन विकल्प प्रदान करेगी और आर्थिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करेगी

भारत-नेपाल मैत्री को मजबूत करना

भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक रिश्ते हैं, जिसमें धार्मिक परंपराएं और बॉर्डर पार के समुदायों के बीच रिश्ते इस पार्टनरशिप का एक अहम हिस्सा हैं। नई ट्रेन सर्विस समुदायों को करीब लाने के लिए रेलवे कनेक्टिविटी का इस्तेमाल करके आपसी सहयोग में एक और पहल जोड़ेगी।

इस पहल के माध्यम से, भारतीय रेलवे क्षेत्रीय पर्यटन, आर्थिक गतिविधि और दोनों पड़ोसी देशों के बीच स्थायी मित्रता का समर्थन करते हुए यात्री संपर्क का विस्तार करना जारी रखे हुए है

दीपावली मनाने गये बिल्डर के घर से 33 लाख का माल चोरी

भोपाल। एजेंसी। दीपावली का त्योहार मनाने परिवार के साथ गांव गए एक बिल्डर के सूने मकान की चोरों ने अपना निशाना बनाते हुए लाखों का माल उड़ा दिया। तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर के मेन गेट से लेकर भीतर के कमरों और अलमारी तक के ताले तोड़कर कीमती माल समेट लिया। बदमाश करीब 29 लाख रुपये कीमत के सोने के जेवर, 3 लाख 40 हजार रुपये कीमत की करीब पौने दो किलो चांदी और एक लाख पांच हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। वारदात का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तीन नकाबपोश चोर कॉलोनी के रास्ते जाते और घर में घुसते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, फरियादी अविंद सिंह गुर्जर एयरपोर्ट रोड स्थित इंद्र विहार कॉलोनी के ब्लॉक-12 में परिवार के साथ रहते हैं। वह बिल्डर और ठेकेदारी का काम करते हैं। 7 नवंबर की रात करीब डेढ़ बजे वह परिवार के साथ दीपावली मनाने अपने गांव गोहद खरौआ, जिला भिंड गए थे। घर के मुख्य गेट और अंदर के दरवाजों पर ताले लगाने के साथ ही अलमारी भी लॉक कर दी थी। 12 नवंबर की सुबह करीब छह बजे परिवार के साथ वापस लौटे तो मुख्य गेट का एक ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो कमरों और अलमारी के ताले भी टूटे हुए थे। घर का सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी में रखे पुश्तैनी सोने-चांदी के जेवर और नकदी गायब थी। इसके बाद उन्होंने कोहेफिजा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। सामने आए सीसीटीवी वीडियो में तीनों बदमाश कॉलोनी में आते और घर में दाखिल होते नजर आ रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पेंशनरों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो प्रदेशव्यापी आंदोलन

जबलपुर। एजेंसी। प्रदेश के करीब पांच लाख पेंशनरों की लंबित मांगों और उनके हितों की अनदेखी को लेकर अब आंदोलन की तैयारी शुरू हो गई है। जबलपुर प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार को चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर पेंशनरों की लंबित मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. अरुण पाण्डेय एवं संभागीय अध्यक्ष के.पी. शुक्ला ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पेंशनरों के हितों पर लगातार कुठाराघात किया जा रहा है। इससे पेंशनर्स में आक्रोश बढ़ रहा है। एसोसिएशन ने महंगाई राहत (डीआर) का तीन प्रतिशत बकाया जुलाई 2026 से देने, 71 माह के एरियर्स का भुगतान, चिकित्सा क्षतिपूर्ति के रूप में प्रतिमाह 10 हजार रुपये देने, निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा पेंशनर की मृत्यु होने पर उसके परिवार की एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने जैसी मांगें उठाई हैं।

इस संबंध में डॉ. अरुण पाण्डेय, के.पी. शुक्ला, अशोक शिवहरे, के.के. शुक्ला, आर.के. प्यासी, जी.डब्ल्यू. रघुवंशी, डी.डी. शर्मा, आर.एल. पाण्डेय, यू.के. पाण्डेय, प्रफुल्ल तिवारी, अशोक दुबे, के.के. गर्ग, पुष्पलता त्रिपाठी, रजनी राठौर, सुशीला पटेल, डॉ. भारती पाठक, डॉ. आर.के. कुर्मी, डॉ. अविनाश श्रीवास्तव, डॉ. विनोद बाजपेयी, डॉ. एम.एल.वी. राव, डॉ. अनिल गौर, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. के.के. द्विवेदी, डॉ. पी.के. दुबे, डॉ. पी.के. तिवारी, डॉ. हरीश पाठक एवं डॉ. दीप्ति सिंह तलुजा सहित अन्य सदस्यों ने मांगों के समर्थन में आवाज उठाई है।

बरमपुर चौराहे पर कोयला लोड ट्रैलर पलटा-सड़क पर बिखरा कोयला

कोरबा। एजेंसी। कोरबा जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में बरमपुर चौराहे के पास कोयले से लोड एक ट्रैलर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद ट्रैलर में भरा कोयला सड़क पर बिखर गया, जिससे कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। गनीमत रही कि हादसे के दौरान कोई राहगीर या अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आया और बड़ा हादसा टल गया।



कुसमुंडा से कोरबा आ रहा था ट्रैलर

जानकारी के अनुसार, ट्रैलर कुसमुंडा की ओर से कोयला लोड कर कोरबा आ रहा था। इसी दौरान बरमपुर चौराहे के पास चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते भारी-भरकम ट्रैलर सड़क पर पलट गया। दुर्घटना के बाद सड़क पर कोयला फैलने से आवागमन प्रभावित हुआ।

पुलिस और ब्रेकडाउन टीम ने हटाया वाहन

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था संभाली। बाद में ब्रेकडाउन सर्विस की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रैलर को सड़क से हटाया गया। इसके बाद सड़क पर बिखरे कोयले को हटाकर आवागमन सामान्य कराया गया।

पहले भी हुई जगह पलट चुका है कोयले से लोड ट्रैलर

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बरमपुर चौराहे के पास पहले भी कोयले से लोड ट्रैलर पलटने की घटना हो चुकी है। लगातार हो रहे हादसों से लोगों में नाराजगी है। उनका कहना है कि क्षेत्र में भारी वाहनों की लापरवाही से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण रखने और लापरवाह चालकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है।

कार का कांच फोड़कर घर में भी की तोड़फोड़

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। गोंदिया, रामनगर क्षेत्र में आपसी विवाद के चलते पड़ोसी द्वारा एक डाक्टर की कार और घर में तोड़फोड़ कर करीब 1 लाख 65 हजार रु. का नुकसान करने का मामला सामने आया है. आरोपियों ने डाक्टर को मारपीट करने की धमकी भी दी. इस मामले में रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार, रामनगर निवासी फिर्यादी डा. शैलेश रामरतनदास वैष्णव (51) का घर आरोपियों के मकान से सटा हुआ है. आरोप है कि उनके परिसर में खड़ी नई कार के पिछले हिस्से का कांच पत्थर मारकर तोड़ दिया गया. इससे करीब 15 हजार रु. का नुकसान हुआ. इसके अलावा घर के सामने स्थित गेट का एक पिलर क्षतिग्रस्त कर दिया गया. बाथरूम और शौचालय की कमोड सीट तथा घर के पीछे की कंपाउंड वॉल को भी तोड़ दिया गया. इन सभी नुकसान का अनुमानित मूल्य 1 लाख 50 हजार रु. बताया गया है. फिर्यादी की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने आरोपी नजिर खान (63), कदीर खान (32) व सजिर खान (34) के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक भाग्यश्री चव्हाण कर रही हैं।

बैंक मैनेजर से 90 हजार, युवक से 47 हजार की लूट, युवती का मोबाइल छीना

जबलपुर। एजेंसी। जिले में चाकू की नोक पर लूट और मोबाइल छिनैती की तीन वारदातें सामने आई हैं। पनागर में निजी बैंक के मैनेजर से बदमाशों ने करीब 90 हजार रुपये और मोबाइल लूट लिया। दूसरी घटना में चंडी मेला देखकर लौट रहे युवक और उसके साथी को चार बदमाशों ने चाकू और हथियार की नोक पर रोककर नकदी व मोबाइल छीन लिया। वहीं सिविल लाइन क्षेत्र में इंस्टाल जा रही युवती का करीब 40 हजार रुपये कीमत का मोबाइल बाइक सवार बदमाश छीनकर फरार हो गए। तीनों मामलों में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैंक मैनेजर से 89,929 रुपये की लूट

पनागर पुलिस ने बताया कि पनागर निवासी भोले यादव क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड, बैंगलोर के पनागर बांध कार्यालय में मैनेजर के पद पर पदस्थ हैं। शुक्रवार को वह टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल से किस्त कलेक्शन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में गए थे। ग्राम रिठौरी, छितरी, तिलगवां और गाजर से समूह के सदस्यों से कुल 89 हजार 929 रुपये की किस्त वसूलकर वे पनागर लौट रहे थे। रात दिवस दोपहर करीब 1:30 बजे तिलगवां और एलपीआर के बीच मुख्य मार्ग पर टर्निंग के पास बिना नंबर की ग्रे रंग की स्कूटी खड़ी थी। वहां तीन युवक मौजूद थे। एक युवक ने उन्हें रुकने का इशारा किया। संदेह होने पर उन्होंने बाइक निकालने का प्रयास किया, तभी एक बदमाश ने बाइक की चाबी निकाल ली और दूसरे ने चाकू अड़ाकर बैग देने की धमकी दी। बदमाश बैग में रखे 89 हजार 929 रुपये और उनका मोबाइल लूटकर एलपीआर की ओर फरार हो गए।

चंडी मेला देखकर लौट रहे युवक से 47,650 रुपये लूट

दूसरी घटना में भरदा निवासी रूपेश बर्मन ने पुलिस को बताया कि वह बोरवेल का काम करता है। शुक्रवार को वह अपने साथी अनुज रजक के साथ पड़रिया चंडी मेला देखने गया था। वहां से काम के सिलसिले में निपनिया जाने के बाद दोनों मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। रात करीब 10:15 बजे ग्राम भरदा में बड़रीया वेयरहाउस के पास पीछे से दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर चार युवक आए और उनका रास्ता रोक लिया। एक बदमाश ने रूपेश को चाकू अड़ा दिया और स्मगलिंग करने का आरोप लगाते हुए धमकाने लगा। इसके बाद चारों बदमाशों ने दोनों युवकों को पकड़ लिया और उनके पास रखे रुपये छीनने लगे। विरोध करने पर एक बदमाश ने चाकू से रूपेश की जांघ के पास हमला किया, जबकि दूसरे ने कट्टे की बट जैसी वस्तु से उसके सिर पर वार किया। अनुज के सिर पर भी किसी वस्तु से हमला किया गया। बदमाश रूपेश की जेब से 44 हजार 750 रुपये, अनुज के पास से 2 हजार 900 रुपये और मोटोरोला कंपनी का एज-17 फ्यूजन मोबाइल छीनकर जलगांव-निपनिया की ओर भाग गए।

हॉस्टल जा रही युवती का मोबाइल छीना

तीसरी घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार सिवनी निवासी रजनी सज्जाम लता गर्ल्स हॉस्टल से रैपिडो ऑटो से अपने हॉस्टल लौट रही थी। रास्ते में ओटीपी बताने के लिए उसने बैग से मोबाइल निकाला। इसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल पर आए दो युवक उसका करीब 40 हजार रुपये कीमत का मोबाइल छीनकर फरार हो गए। युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

90 लाख के बैंक ऋण में फर्जी गारंटर बनाकर 75 लाख हड़पे

आधार-पैन कार्ड में नाम और फोटो की कूटरचना कर बैंक को लगाया चूना

जबलपुर। एजेंसी। बैंक से करोड़ों रुपये का ऋण हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज और दूसरे व्यक्तियों की पहचान का इस्तेमाल करने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोपियों ने कथित रूप से आधार कार्ड और पैन कार्ड में नाम व फोटो की कूटरचना कर दो व्यक्तियों का प्रतिरूपण किया और बैंक ऑफ इंडिया की नर्मदा रोड शाखा से 90 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत करा लिया। जांच में सामने आया कि स्वीकृत राशि में से 75 लाख रुपये प्राप्त कर बैंक को आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने तीन आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बिना जानकारी के बना दिया 90 लाख के ऋण का गारंटर

गोहलपुर थाना क्षेत्र के नया पुल, नालबंद मोहल्ला निवासी 63 वर्षीय दिलदार हुसैन ने शिकायत में बताया कि उन्हें बैंक ऑफ इंडिया की नर्मदा रोड शाखा की ओर से 30 दिसंबर 2025 को सूचना पत्र और 2 जनवरी 2026 को विधिक नोटिस मिला। इसमें उन्हें मेसर्स ए.बी.एस. काम नामक पार्टनरशिप फर्म के 90 लाख रुपये के ऋण में गारंटर बताया गया था। फरियादी का कहना है कि उन्होंने न तो कभी इस फर्म के लिए गारंटी दी और न ही बैंक में अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड, आयकर रिटर्न अथवा संपत्ति संबंधी कोई दस्तावेज जमा किए। इसके बावजूद उन्हें ऋण का गारंटर दर्शा दिया गया।

दूसरे की जमीन पर भी फर्जी ऋण का मामला आया सामने

शिकायत में एक अन्य घटनाक्रम का भी उल्लेख किया गया है। 23 दिसंबर 2025 को कुछ बैंक कर्मचारी ग्राम खैरी, तहसील पनागर स्थित एक प्लॉट पर पहुंचे थे। यह प्लॉट फरियादी द्वारा पूर्व में श्रीमती मोनिका तामकार को विक्रय किया जा चुका था, जिस पर गोदाम बना हुआ है। बैंक कर्मचारियों ने कथित तौर पर गोदाम वाले प्लॉट पर 70 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत होने की जानकारी दी। इस दौरान वैल्यूएशन रिपोर्ट और ऋण लेने वाले की फोटो भी दिखाई गई। रिपोर्ट में दिलदार हुसैन का नाम और पता दर्ज था, जबकि फोटो किसी अन्य व्यक्ति की थी। इसके बाद फरियादी ने विभिन्न थानों और संबंधित बैंक में शिकायत दर्ज।

पुलिस जांच में बैंक से प्राप्त दस्तावेजों और गवाहों के कथनों के आधार पर तीन आरोपियों की भूमिका सामने आने की बात कही गई है। इनमें बाबी खान निवासी न्यू आनंद नगर आधारताल, जमील अली निवासी बड़ा मदार छप्पर और मोहम्मद हबीब निवासी गोहलपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कथित आपराधिक षड्यंत्र के तहत आधार कार्ड और पैन कार्ड में नाम तथा फोटो की कूटरचना की। जमील अली को कथित वकील अहमद और मोहम्मद हबीब को कथित दिलदार हुसैन के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस तरह फर्जी पहचान के आधार पर बैंक ऑफ इंडिया की नर्मदा रोड शाखा से 90 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कराया गया और 75 लाख रुपये प्राप्त कर बैंक को आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया।

दुर्घटना में पति-पत्नी घायल

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। रामनगर थाने के तहत अर्जनीबांध चौक, शिवनगर निवासी सदाराम उगणलाल तुरकर (62) व उसकी पत्नी आरती सदाराम तुरकर (49) अपनी स्कूटी से बाजार जा रहे थे. इसी दौरान अर्जनीबांध चौक में उनकी स्कूटी को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी. जिसमें वह पति-पत्नी घायल हो गए. फिर्यादी आदर्श सदाराम तुरकर (27) की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार वनवे कर रहे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो की मौत

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत सानगड़ी से दिघोली मार्ग पर स्थित डोंगरगांव के पास अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें दो युवकों की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, भंडारा जिले के सालेबर्डी निवासी भाविश जयकिशन फुंडे (26) व विहीरगांव निवासी देवेंद्र माधोराव कठाणे (20) लाखनी में पेपर देकर मोटरसाइकिल से अपने गांव लौट रहे थे. इसी बीच अज्ञात वाहन चालक ने अपना वाहन लापरवाहीपूर्वक चलाकर उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें दोनों युवकों की मौत हो गई. फिर्यादी जयकिशन अंताराम फुंडे (59) की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक तातरूकर कर रहे हैं।

जेसीबी से गोदाम तोड़कर 3 लाख का नुकसान

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव तहसील के शेंडे मार्केट क्षेत्र में जेसीबी मशीन से एक गोदाम को तोड़कर करीब 3 लाख रु. का नुकसान किया गया. वहीं एक महिला ने गोदाम मालिक के साथ गालीगलौज कर उसे जान से मारने की धमकी भी दी. फिर्यादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, आमगांव निवासी फिर्यादी आकाश रोशनलाल अग्रवाल (40) का शेंडे मार्केट में गोदाम है. आरोप है कि एक महिला और जेसीबी मशीन के मालिक व चालक ने आपस में सांठगांठ कर जेसीबी मशीन से उनके गोदाम को तोड़ दिया. इस घटना में करीब 3 लाख रु. की संपत्ति का नुकसान हुआ. इस मामले में कुंभारटोली निवासी 44 वर्षीय महिला आरोपी, रिसामा निवासी जेसीबी मालिक अविंद पुरनलाल मेश्राम (35) व किंडरीपार निवासी जेसीबी चालक राजेंद्र बाजीराव तुमसरे (45) खिलाफ मामला दर्ज किया गया. जांच हवलदार बरवे कर रहे हैं।

16 वर्षीय किशोर पर धारदार हथियार से हमला

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा तहसील के दलदलकुही गांव के चौक में अलाव जलाने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. एक किशोर ने दूसरे किशोर पर धारदार चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया. घायल की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, दलदलकुही निवासी फिर्यादी सम्मीर कृष्णकुमार कुंभरे (16) गांव के कुछ लड़कों के साथ गणेश चौक में अलाव जलाकर ताप रहा था. इसी दौरान गांव का ही 17 वर्षीय युवक वहां पहुंचा और अपनी जगह पर अलाव जलाने की बात कहकर समीर से विवाद करने लगा. उसने गालीगलौज करते हुए धमकी भी दी. इस पर समीर ने बताया कि वह नाले के पास से लकड़ियां लाकर जला रहा है और वे उसकी लकड़ियां नहीं हैं. इसके बाद आरोपी वहां से चला गया. कुछ देर बाद वह घर से कोई धारदार वस्तु लेकर लौटा और समीर की पीठ पर वार कर उसे घायल कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार विनोद वैद्य कर रहे हैं।

खंडवा खरगोन ही नहीं इन्दौर में भी हुई भूकंपीय हलचल, जीएसटीआई में दर्ज हुआ कंपन रिकॉर्ड

इन्दौर। एजेंसी। आज सुबह खंडवा खरगोन में आए भूकंप के झटके की खबरों की चर्चा के बीच शाम तक इन्दौर में भी भूकंपीय हलचल दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। इन्दौर में हुई यह भूकंपीय हलचल श्री जीएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (SGSITS) में स्थापित सीस्मोग्राफ (भूकंपमापी यंत्र) में सुबह रिकॉर्ड हुई हलाकि संस्थान के विशेषज्ञ फिलहाल इन कंपन का तकनीकी और वैज्ञानिक विश्लेषण कर इस भूकंपीय हलचल के संभावित प्रभावों और घटना के बाद की स्थिति का भी अध्ययन कर रहे हैं। संस्थान ने नागरिकों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और शांत एवं सतर्क रहें। उन्होंने कहा है कि किसी भी अपुष्ट सूचना या अफवाह पर विश्वास न करें और न ही उसे आगे प्रसारित करें।



नागरिकों से केवल आधिकारिक और प्रमाणित जानकारी पर भरोसा करने को कहा गया है। संस्थान द्वारा जारी विज्ञप्ति में स्पष्ट किया है कि वैज्ञानिक विश्लेषण पूरा होने के बाद ही भूकंपीय गतिविधि से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। संस्थान विशेषज्ञों के अनुसार शुरुआती अनुमान में कंपन की तीव्रता 4 मैग्नीट्यूड से कम होने की संभावना है। हालांकि, अभी इसकी वास्तविक तीव्रता की पुष्टि नहीं हुई है। भूकंप का केंद्र (एपिसेंटर), जमीन के भीतर इसकी गहराई और संभावित प्रभावों का पता विश्लेषण पूरा होने के बाद ही चल सकेगा।

अब जिप स्कूलों में ही होगी नवोदय परीक्षा की तैयारी

25 नवंबर से हर पखवाड़े आयोजित होंगी 15 ऑफलाइन अभ्यास परीक्षाएं

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। ग्रामीण क्षेत्रों के सामान्य परिवारों के विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश का अवसर मिले और वे बेहतर शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ सकें, इसके लिए जिला परिषद का शिक्षा विभाग विशेष पहल कर रहा है. अब जिला परिषद स्कूलों में ही विद्यार्थियों को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का नियमित अभ्यास कराया जाएगा।

इसके लिए जवाहर नवोदय प्रवेश परीक्षा अभ्यास टेस्ट का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है. 25 नवंबर 2026 से प्रत्येक पखवाड़े अभ्यास परीक्षा आयोजित होगी. कुल 15 टेस्ट ऑफलाइन पद्धति से लिए जाएंगे. प्रत्येक परीक्षा का परिणाम भी विद्यार्थियों को दिया जाएगा, जिससे उन्हें अपनी तैयारी का स्तर समझने और कमजोरियों में सुधार करने में मदद मिलेगी. वहीं, कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को मेडिकल और इंजीनियरिंग क्षेत्र में प्रवेश के लिए नीट-यूजी और जेईई परीक्षा की तैयारी कराने की पहल भी की गई है. इसके तहत जिला परिषद स्कूलों में पढ़ने वाले 722 विद्यार्थियों की अभ्यास परीक्षाएं डायट की ओर से शुरू की गई हैं।

तीन विषयों की होगी परीक्षा

प्रत्येक अभ्यास परीक्षा में मानसिक क्षमता, अंकगणित और भाषा इन तीन विषयों से कुल 80 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे. परीक्षा 100 अंकों की होगी. प्रश्नपत्र हल करने के लिए विद्यार्थियों को लगातार 120 मिनट का समय मिलेगा. प्रत्येक विद्यार्थी को दो प्रयास का अवसर दिया जाएगा। जिला परिषद स्कूलों के अधिक से अधिक विद्यार्थियों का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन हो, इसी उद्देश्य से 25 नवंबर से अभ्यास परीक्षा श्रृंखला शुरू की जा रही है. उन्होंने इस उपक्रम को सफल बनाने के लिए शिक्षकों और अभिभावकों से सहयोग करने की अपील की।

राजकुमार हिवारे,
प्राचार्य डायट

अंडर-19 एशिया कप - पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर भारत बना चैम्पियन

अल अमीरात। भारतीय युवा क्रिकेट टीम ने अंडर-19 एशिया कप 2026 के फाइनल में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए पाकिस्तान को एक विकेट से हरा दिया। शनिवार को अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर पाकिस्तान के जबड़े से जीत छीन ली। इस जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। एक समय लगातार विकेट गिरने से मुश्किल में फंसी भारतीय टीम को कप्तान लक्ष्य रायचंदानी, आर्यवीर सहवाग, मनाल चौहान और मोहित उल्वा की शानदार पारियों ने जीत की दहलीज तक पहुंचाया। अंतिम ओवर में मोहित उल्वा ने अद्भुत साहस और आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए टीम को चैम्पियन बना दिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 337 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 107 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं अब्दुल कादिर ने 80 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों के सामने चुनौती पेश की। भारतीय गेंदबाजी में काव्य पटेल ने चार विकेट हासिल किए, जबकि सी. वेंकट ने तीन विकेट लेकर पाकिस्तान की रन गति पर अंकुश लगाने का प्रयास किया।

338 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत चुनौतीपूर्ण रही।



हालांकि कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने जिम्मेदारी संभालते हुए 80 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्होंने पांच चौके लगाए। आर्यवीर सहवाग ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 58 रन बनाए। उनकी पारी में नौ चौके शामिल रहे। दोनों बल्लेबाजों के योगदान से भारत मुकाबले में बना रहा, लेकिन मध्यक्रम के विकेट लगातार गिरने से पाक खिलाड़ियों की पकड़ में जाता दिखाई देने लगा।

ऐसे मुश्किल समय में मनाल चौहान और मोहित उल्वा ने मोर्चा संभाला। दोनों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तानी गेंदबाजों पर दबाव बनाया और तेजी से रन बटोरकर मुकाबले का रुख बदल दिया। मनाल चौहान ने 32 गेंदों में 47 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल रहे। दूसरी ओर मोहित उल्वा ने 26 गेंदों में नाबाद 49 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने पांच छक्के और तीन चौके लगाए। दोनों की शानदार बल्लेबाजी ने भारतीय खेमे में जीत की उम्मीद जगा दी।

हालांकि 48वें ओवर की दूसरी गेंद पर नियाकाब शफीक ने मनाल चौहान को आउट कर भारत को बड़ा झटका दिया। मनाल ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, लेकिन गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आई और लॉन्ग ऑफ पर उस्मान खान ने उनका कैच लपक लिया। मनाल के आउट होने के बाद भी मोहित उल्वा ने हार नहीं मानी और अंत तक जीज पर डटे रहे। आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए आठ रन की जरूरत थी। अहमद हुसैन के ओवर की पांचवीं गेंद पर विगुरुथति वेंकट ने एक रन लेकर स्ट्राइक मोहित उल्वा को सौंप दी। अब मुकाबले का फैसला अंतिम गेंद पर होना था। मोहित ने दबाव की परवाह किए बिना लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शानदार चौका जड़ दिया। इस चौके के साथ ही भारतीय टीम ने नौ विकेट के नुकसान पर 339 रन बनाकर एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज कर ली। मोहित उल्वा अंत तक 49 रन बनाकर नाबाद रहे।

जीत का चौका लगते ही भारतीय खिलाड़ियों में जश्न शुरू हो गया। मोहित उल्वा तिरंगा लपेटकर मैदान पर दौड़ते नजर आए। साथी खिलाड़ियों ने मैदान में पहुंचकर उन्हें गले लगा लिया। पाकिस्तान के खिलाफ इस यादगार जीत में भारतीय युवा खिलाड़ियों ने आखिरी समय तक संघर्ष और जुझारूपन का परिचय दिया। मोहित उल्वा और मनाल चौहान की विस्फोटक साझेदारी ने न केवल मुकाबले का रुख पलटा, बल्कि भारत की नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप का सरताज भी बना दिया।

भारतीय टेस्ट टीम में बड़ा फेरबदल- कुलदीप बाहर, गुरनूर बराड़ की एंट्री और ऋषभ पंत की वापसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय क्रिकेट टीम में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। टीम चयनकर्ताओं ने अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट स्क्वॉड से रिलीज कर दिया है, जबकि उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को टीम में शामिल किया है। इन बदलावों के साथ ही, लंबे समय से चोट के कारण मैदान से दूर चल रहे स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की भी टेस्ट टीम में वापसी हो गई है, जिससे टीम को बड़ी मजबूती मिली है। बीसीसीआई ने 14 नवंबर को इन घोषणाओं के साथ, भारतीय टीम की आगामी रणनीति को लेकर चर्चाओं को तेज हुई है।

कुलदीप यादव को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए स्वदेश लौटने का निर्देश दिया है, जहां वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज पूरी होने के बाद हिस्सा लेंगे वापसी है। यह निर्णय न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की टीम प्रबंधन की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इसी रणनीति के तहत बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को टेस्ट टीम में मौका मिला है। हालांकि, गुरनूर बराड़ टेस्ट टीम में शामिल होने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें वनडे मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं रहने वाले हैं। जबकि कुलदीप पांचवें वनडे में टीम का हिस्सा बने रहने वाले हैं।

पंत की वापसी भारतीय टीम के मध्यक्रम को अनुभव और आक्रामक बल्लेबाजी का महत्वपूर्ण विकल्प देती है। उनकी चोट के बाद यह टीम के लिए एक बड़ी सकारात्मक खबर है, जो टेस्ट फॉर्मेट में अपनी भूमिका विभिन्न पारियों के लिए जाने जाते हैं। यह बदलाव तब आया है जब भारत और न्यूजीलैंड के बीच चल रही वनडे सीरीज काफी रोमांचक मोड़ पर है। भारतीय टीम फिलहाल सीरीज में 2-1 से आगे है, लेकिन चौथे वनडे में भारत की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई थी। टीम महज 89 रन पर ऑलआउट हुई, जिससे न्यूजीलैंड ने 244 रन से बड़ी जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी की



उम्मीदें जगा दी हैं। इस प्रदर्शन के बाद पांचवें वनडे और आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम संयोजन पर गहन विचार-विमर्श हो रहा है।

बीसीसीआई द्वारा जारी अपडेटेड टेस्ट टीम में शुभमन गिल (कप्तान) और केएल राहुल (उपकप्तान) के साथ यशस्वी जायस्वाल, देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और गुरनूर बराड़ जैसे प्रमुख खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, पांचवें वनडे के लिए श्रेयस अय्यर (कप्तान) के नेतृत्व में रोहित शर्मा, विराट कोहली, ईशान किशन, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे, जिसमें कुछ युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया गया है।

आईपीएल ट्रेड विंडो में बड़ा उलटफेर-शमी, करन और जायसवाल के नाम पर गंभीर चर्चा

मुंबई। आईपीएल ट्रेड विंडो में बड़े उलटफेर की सुगबुगाहट तेज हुई है, जहां लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर गंभीर बातचीत जारी है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस संभावित मल्टी-प्लेयर डील में लखनऊ



के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और राजस्थान के इंग्लिश ऑलराउंडर सैम करन शामिल हैं। इसके अलावा, लखनऊ के बाएं हाथ के स्पिनर मणिमारन सिद्धार्थ को भी इस प्रस्ताव का हिस्सा बनाए जाने की चर्चा है, संभवतः उन्हें भी राजस्थान भेजा जा सकता है।

इस पूरी बातचीत का सबसे चौंकाने वाला पहलू राजस्थान रॉयल्स के स्टार ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का नाम सामने आना है। दोनों फ्रैंचाइजियों के बीच जायसवाल को लेकर भी मंथन हुआ है, जहां राजस्थान की टीम बदले में लखनऊ से एक और भारतीय तेज गेंदबाज की मांग कर रही है। हालांकि, जायस्वाल वाले हिस्से पर अभी तक दोनों टीमों के बीच अंतिम सहमति नहीं बनी है, लेकिन खिलाड़ियों को इन संभावित बदलावों के बारे में पहले ही संकेत मिल चुके हैं।

राजस्थान रॉयल्स की रणनीति के पीछे टीम संयोजन का एक बड़ा गणित छिपा हुआ है। राजस्थान के पास पहले से ही जोफा आर्चर, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका और नांद्रे बर्गर जैसे तेज गेंदबाज मौजूद हैं। इसके बाद में मोहम्मद शमी को अपने ग्रुप में शामिल कर राजस्थान की टीम विदेशी कोटे से केवल आर्चर को तेज गेंदबाज के रूप में खिलाना चाहती है, ताकि बाकी विदेशी स्लॉट्स का इस्तेमाल विशेषज्ञ बल्लेबाजों और ऑलराउंडर्स के लिए किया जा सके। दूसरी तरफ, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए भी यह सौदा काफी फायदेमंद नजर आ रहा है। करीब 40 साल की उम्र के करीब पहुंचने के बावजूद शमी ने साबित किया है कि वे मैच जिताने का दम रखते हैं, लेकिन भारतीय तेज गेंदबाजों की भरमार होने के कारण लखनऊ उन्हें रिलीज करने का जोखिम उठा सकती है। लखनऊ की अपनी टीम में संतुलन बनाने के लिए बेहतरीन ऑलराउंडर्स की सख्त जरूरत है, जिसे सैम करन बखूबी पूरा कर सकते हैं।

इस पूरे ट्रेड विंडो में जायसवाल का नाम लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इससे पहले भी हार्दिक पंड्या को हासिल करने के लिए मुंबई इंडियंस से हुई बातचीत में उनका नाम चर्चा में था। ऐसा लग रहा है कि राजस्थान रॉयल्स ने अपनी खतरनाक ओपनिंग जोड़ी को तोड़कर आगे बढ़ने का मन बना लिया है, क्योंकि मौजूदा दौर में किसी विश्व स्तरीय भारतीय तेज गेंदबाज को हासिल करने के लिए फ्रैंचाइजियां बड़ा दांव खेलने से पीछे नहीं हट रही हैं।

श्रृंखला का फैसला-न्यूजीलैंड में भारत की स्विंग चुनौती

नई दिल्ली। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां और अंतिम एक दिवसीय मुकाबला श्रृंखला का नतीजा तय करेगा, जहां भारतीय बल्लेबाजों को पिछली हार की क चेयी यादों को भुलाकर स्विंग लेती गेंदों का बेहतर सामना करने के इरादे से उतरना होगा। भारतीय टीम शुक्रवार को मिली एकदिवसीय प्रारूप में अपनी दूसरी सबसे बड़ी हार के बावजूद श्रृंखला में 2-1 से आगे है, लेकिन इस मुकाबले में स्विंग और सीम की अनुकूल परिस्थितियों में उनका प्रदर्शन बेहद चिंताजनक रहा। मैट हेनरी ने शुरुआती ओवरों में ही तीन विकेट झटककर भारत की बल्लेबाजी की पोल खोल दी थी, जिससे टीम का शीर्ष क्रम पूरी तरह बिखर गया। भारत को ऐसी तेज गेंदबाजी अनुकूल पिचों पर अपने खेल में सुधार करना ही होगा, खासकर 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के मद्देनजर, जहां समान परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, पूरी बल्लेबाजी क्रम की विफलता के लिए किसी एक खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराना अनुचित होगा, फिर भी रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर, जो इस पांच मैच की श्रृंखला में अब तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं, को विशेष रूप से प्रदर्शन करना होगा। अय्यर के लिए बतौर कप्तान पदार्पण भी निराशाजनक रहा। रोहित और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के लिए यह शायद न्यूजीलैंड में अपने करियर का आखिरी दौरा हो सकता है, और वे इसे यादगार बनाना चाहेंगे। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भारतीय टीम के 26.4 ओवर में मात्र 89 रन पर सिमट जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह चिंता केवल रन बनाने की नहीं, बल्कि इतनी जल्दी आउट हो जाने की है, जो हमेशा चिंता का विषय होता है। कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि दूसरी पारी में परिस्थितियां गेंदबाजों के लिए अधिक अनुकूल थीं, लेकिन न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने पावरप्ले में जो अंतर पैदा किया, वह भारतीय गेंदबाजों से कहीं बेहतर था।

श्रेयंका पाटिल को दक्षिण अफ्रीका दौरे की टीम में जगह नहीं तीनों फॉर्मेट से बाहर होने पर उठे सवाल

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए किसी भी फॉर्मेट की टीम में जगह नहीं मिली है। उनके चयन नहीं होने से क्रिकेट जगत में चर्चा शुरू हो गई है। खास बात यह है कि श्रेयंका ने गेंद और बल्ले दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके बावजूद टेस्ट, वनडे और टी-20 टीम में उनका नाम शामिल नहीं किया गया। सोशल मीडिया पर उनकी लोकप्रियता और डांस वीडियो को लेकर भी लगातार चर्चा होती रही है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या मैदान के बाहर उनकी बढ़ती लोकप्रियता उनके क्रिकेट करियर पर भारी पड़ रही है? भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी-20 मुकाबले खेलेगी। इस दौरे के लिए कई अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी हुई है, जबकि कुछ नए चेहरों को भी मौका दिया गया है। लेकिन श्रेयंका को तीनों टीमों से बाहर रखने का फैसला कई लोगों के लिए



हैरान करने वाला रहा। वह दाएं हाथ की ऑफ स्पिन गेंदबाज होने के साथ मध्यक्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी करती हैं। उनकी फील्डिंग भी टीम के लिए अहम मानी जाती है।

श्रेयंका की लोकप्रियता का अंदाजा उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स से लगाया जा सकता है। इंस्टाग्राम पर उनके करीब 53 लाख फॉलोअर्स हैं। वह अपने डांस वीडियो और ग्लैमरस अंदाज के कारण भी चर्चा में रहती हैं। कुछ क्रिकेट जानकारों का मानना है कि सोशल मीडिया पर उनकी बढ़ती लोकप्रियता को लेकर चर्चाएं उनके चयन से जुड़े विवाद को और हवा दे रही हैं। हालांकि, उनके डांस या सोशल मीडिया गतिविधियों को चयन नहीं होने की वजह बताने वाला कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। श्रेयंका ने 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। अपने तीसरे ही मुकाबले में उन्होंने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया था। वह 2026 टी-20 विश्व कप में भी भारतीय टीम का हिस्सा थीं, लेकिन टखने की चोट के कारण उन्हें बीच टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में श्रेयंका ने अब तक 33 मुकाबलों में 18.36 की औसत से 33 विकेट लिए हैं। घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने कर्नाटक की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। हालिया घरेलू मुकाबलों में उन्होंने 13 विकेट हासिल किए, जिसमें दो बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है। इसके अलावा वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से भी प्रभावशाली प्रदर्शन कर चुकी हैं। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका दौरे की तीनों टीमों से उनका बाहर होना चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि, चयनकर्ताओं की ओर से उनके चयन नहीं होने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

करारी हार के बाद आज वापसी को बेताब भारतीय फुटबॉल टीम

फ्राइडचर्च। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले अंतरराष्ट्रीय फ्रैंडली मुकाबले में 5-0 से करारी शिकस्त झेलने के बाद भारतीय फुटबॉल टीम रविवार को वापसी के इरादे से मैदान पर उतरेगी। दोनों टीमों के बीच दो मैचों की सीरीज का यह दूसरा और आखिरी मुकाबला क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। मुख्य कोच खालिद जमील ने खिलाड़ियों से अपनी गलतियों को सुधारने और इस निर्णायक मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने की अपील की है।

ऑकलैंड में मिली करारी हार को पीछे छोड़कर ब्लू टाइगर्स अब अपनी साख बचाने की कोशिश करेंगे। पहले मैच में फीफा रैंकिंग में 88वें स्थान पर काबिज न्यूजीलैंड ने भारत को पूरी तरह पस्त किया था। उस मुकाबले में भारतीय डिफेंस काफी कमजोर नजर आया और टीम विपक्षी हमलों को रोकने में पूरी तरह नाकाम रही। अब टीम के सामने अपनी गलतियों को सुधारकर पलटवार करने की बड़ी चुनौती होगी। मुख्य कोच जमील ने मैच के नतीजे पर निराशा जाहिर की, लेकिन खिलाड़ियों के रवैये की सराहना की। उन्होंने कहा, परिणाम हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं। उनका रवैया काफी अच्छा रहा है। हमें अपनी गलतियों को सुधारना होगा और वापसी करनी होगी। अगले मुकाबले में हर खिलाड़ी को जिम्मेदारी लेते हुए अपना सब कुछ देना होगा। यह ऐतिहासिक मुकाबला क्राइस्टचर्च के बिल्कुल नए वन न्यूजीलैंड स्टेडियम में खेला जाएगा। करीब 25 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस पूरी तरह छत से ढके स्टेडियम में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच का आयोजन होगा, जिसे इसी साल मार्च में खोला गया था। पहले मैच में पांच गोल खाने के बाद भारतीय टीम को निश्चित रूप से अपने डिफेंस और अटैक दोनों में जबरदस्त सुधार करना होगा। न्यूजीलैंड की टीम घरेलू मैदान पर एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखने की कोशिश करेगी, वहीं जमील की टीम पिछली हार से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि ब्लू टाइगर्स इस करो या मरो के मुकाबले में किस तरह वापसी करते हैं।

दीप्ति शर्मा और मार्को यानसन बने अक्टूबर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर मार्को यानसन को अक्टूबर महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है। दीप्ति को महिला वर्ग में, जबकि यानसन को पुरुष वर्ग में यह सम्मान मिला है। दोनों खिलाड़ियों ने अक्टूबर में बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीमों की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। दीप्ति शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू सीरीज में बेहतरीन खेल दिखाया। महिला वनडे सीरीज में उन्होंने अपने एकमात्र बल्लेबाजी अवसर में नाबाद 106 रन की शानदार पारी खेली। इसके अलावा गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। उन्होंने 3.42 की इकोनॉमी रेट से पांच विकेट हासिल किए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने वनडे सीरीज में जिम्बाब्वे को 3-0 से सफाया किया।

टी20 सीरीज में भी दीप्ति ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। उन्होंने 37 गेंदों में 49 रन बनाए और ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते हुए दो विकेट अपने नाम किए। यह दीप्ति का दूसरा आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2023 में भी इस सम्मान से नवाजा गया था। इस बार उन्होंने बांग्लादेश की शोभना मोस्तरी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़कर पुरस्कार हासिल किया। पुरस्कार मिलने पर दीप्ति ने खुशी जताते हुए कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ

सीरीज भारतीय टीम के लिए शानदार रही। टीम के सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया, खासकर युवा खिलाड़ियों का योगदान सराहनीय रहा। उन्होंने कहा कि शतक बनाना उनके लिए विशेष उपलब्धि थी, क्योंकि इससे टीम को जीत दिलाने में मदद मिली। उन्होंने अपने साथियों, कोच और प्रशंसकों का भी आभार जताया। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर पुरुष वर्ग का पुरस्कार जीता। उन्होंने तीन मैचों की आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के दौरान कुल 198 रन बनाए और 13 विकेट हासिल किए।

गकेबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में यानसन ने बल्ले से 85 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। गेंदबाजी में भी उन्होंने कमाल दिखाते हुए पहली पारी में पांच विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका को मजबूती दी। यानसन की इस सफलता का असर आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी दिखाई दिया। वह टेस्ट गेंदबाजी और ऑलराउंडर, दोनों श्रेणियों में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। वह 2024 में कैगिसो रबाडा के बाद टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले पहले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी बने। वहीं, ऑलराउंडर रैंकिंग में अगस्त 2014 के बाद शीर्ष स्थान हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी भी बने।

मुश्ताक अली ट्रॉफी-वैभव नहीं दिखा सके कमाल, बिहार को सौराष्ट्र ने पांच विकेट से हराया

इंदौर। युवा स्टार वैभव सूर्यवंशी की कप्तानी वाली बिहार टीम को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में शनिवार को सौराष्ट्र के हाथों पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। होलकर क्रिकेट स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 137 रन बनाए। जवाब में सौराष्ट्र ने 16.3 ओवर में पांच विकेट पर 138 रन बनाकर 21 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। बिहार की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 39 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। कप्तान वैभव सूर्यवंशी 12 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 18 रन बनाकर चेतन साकरिया का शिकार बने। अल्लाह अशरफ ने 20 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि रघुवेंद्र प्रताप सिंह ने 21 गेंदों में 14 रन का योगदान दिया। पृथ्वी राज ने 27 गेंदों में चार छक्कों की मदद से सर्वाधिक 38 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। बिहार की टीम 137 रन तक ही पहुंच सकी। सौराष्ट्र की ओर से चेतन साकरिया और प्रेरक मांकड़ ने तीन-तीन विकेट लिए। साकरिया ने चार ओवर में 33 रन दिए, जबकि मांकड़ ने 20 रन खर्च कर तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। क्राइस्ट फ्लेजा ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में महज 10 रन देकर एक विकेट हासिल किया। 138 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सौराष्ट्र को हरवंश पंगालिया ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने महज 11 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्कों की मदद से 33 रन ठोक दिए। हरविक देसाई ने 18 गेंदों में 21 और विश्वराज जडेजा ने 14 गेंदों में 18 रन बनाए। प्रेरक मांकड़ ने भी 14 गेंदों में 16 रन का योगदान दिया। बिहार के गेंदबाजों ने 95 रन पर सौराष्ट्र के पांच विकेट गिराकर मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन रुचित अहिर और सिद्धांत राणा ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 43 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। अहिर ने 19 गेंदों में नाबाद 21 और राणा ने 18 गेंदों में नाबाद 21 रन बनाए। बिहार की ओर से सूरज कश्यप ने 39 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि हिमांशु सिंह और मयंक कुमार को एक-एक सफलता मिली। तीन विकेट लेने वाले चेतन साकरिया को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत से सौराष्ट्र को चार अंक मिले, जबकि बिहार को कोई अंक नहीं मिला।

कृष्ण पर टिप्पणी से छतरपुर में टकराव, बागेश्वर धाम की सुरक्षा बढ़ाई

यादव महासभा के प्रदर्शन के जवाब में समर्थकों ने जाम किया एनएच-39

छतरपुर। भगवान श्रीकृष्ण को लेकर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद अब सड़क पर पहुंच गया है। मध्यप्रदेश के छतरपुर में शुक्रवार को यादव महासभा के प्रदर्शन और बागेश्वर धाम समर्थकों की प्रतिक्रिया के बाद तनाव की स्थिति बन गई। एक तरफ यादव महासभा के 300 से 400 सदस्य विरोध जताने पहुंचे, तो दूसरी तरफ धाम समर्थकों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर जाम लगा दिया। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने 100 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। विवाद के मद्देनजर बागेश्वर धाम के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। शनिवार को धाम परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस के मुताबिक फिलहाल स्थिति सामान्य है और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है।



विवाद की शुरुआत 29 अक्टूबर को शिवपुरी जिले के करैरा में आयोजित रामकथा के दौरान हुई थी। वहां धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान राम और भगवान कृष्ण के स्वरूपों की तुलना करते हुए कहा था कि राम सीधे खड़े होते हैं, जबकि कृष्ण तीन जगह से झुके हुए दिखाई देते हैं। भगवान कृष्ण की इस मुद्रा को त्रिभंगी कहा जाता है। अपने संबोधन में उन्होंने भगवान कृष्ण की बांसुरी और वृंदावन का भी उल्लेख किया था। साथ ही अयोध्या और वृंदावन की तुलना की थी। इस संबोधन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मथुरा-वृंदावन के संतों और कृष्ण भक्तों ने आपत्ति जताई। आपत्ति जताने वालों का कहना था कि भगवान राम और भगवान कृष्ण दोनों समान रूप से पूजनीय हैं। ऐसे में उनके स्वरूपों और धार्मिक महत्व की तुलना करना उचित नहीं है। इस बयान को यादव समाज के कुछ संगठनों ने भी अपनी धार्मिक भावनाओं से जोड़ते हुए विरोध जताया।

सफाई और खेद जताने के बाद भी नहीं थमा विरोध

विवाद बढ़ने पर धीरेंद्र शास्त्री ने वीडियो संदेश जारी कर सफाई दी थी। उन्होंने कहा कि भगवान राम और भगवान कृष्ण के बीच कोई अंतर नहीं है। यदि उनकी टिप्पणी से किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तो उन्हें इसका खेद है। हालांकि, यादव महासभा ने इस सफाई के बावजूद शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया। संगठन का आरोप था कि टिप्पणी से भगवान श्रीकृष्ण और यादव समाज का अपमान हुआ है। इसी के विरोध में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता छतरपुर पहुंचे।

रेलवे स्टेशन के पास रोके गए प्रदर्शनकारी

प्रदर्शन के लिए पहुंचे यादव महासभा के करीब 300 से 400 सदस्यों को पुलिस ने छतरपुर रेलवे स्टेशन के पास ही रोक दिया। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया। इस दौरान इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। दूसरी तरफ बागेश्वर धाम के समर्थकों ने भी विरोध जताते हुए सड़क पर उतरकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

समर्थकों ने एनएच-39 पर लगाया जाम

छतरपुर से करीब आठ किलोमीटर दूर बृजपुरा के पास धाम समर्थकों ने चार लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-39 को जाम कर दिया। इससे हाईवे के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। अतिरिक्त कलेक्टर विनय द्विवेदी के मुताबिक, 100 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया था। हालांकि, बाद में सभी को छोड़ दिया गया।

सोशल मीडिया पोस्ट पर भी पुलिस की नजर

पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मुताबिक, शुक्रवार को बनी तनाव की स्थिति समाप्त हो गई थी। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट करने वाले लोगों की पहचान की जा रही है। ऐसे लोगों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। एसपी ने बताया कि शनिवार और मंगलवार को बागेश्वर धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसलिए इन दिनों सामान्य तौर पर भी पुलिस की सीमित तैनाती रहती है। शनिवार को भी धाम के आसपास पुलिसकर्मी तैनात रहे। बागेश्वर धाम छतरपुर जिला मुख्यालय से करीब 24 किलोमीटर दूर स्थित है। विवाद के बाद यहां सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासन की प्राथमिकता श्रद्धालुओं की आवाजाही सामान्य बनाए रखने और किसी भी तरह के टकराव को रोकने की है। फिलहाल दोनों पक्षों के बीच शुक्रवार को बना तनाव शांत है, लेकिन सोशल मीडिया से लेकर धार्मिक और सामाजिक संगठनों तक इस बयान को लेकर बहस जारी है। अब प्रशासन के सामने चुनौती यह है कि विरोध और समर्थन के बीच कानून-व्यवस्था बनी रहे और धार्मिक विवाद सड़क पर टकराव का रूप न ले।

पंजाब में पराली जलाने के 5,429 मामले, 1.05 करोड़ का जुर्माना

चंडीगढ़। पंजाब में पराली जलाने की समस्या विकराल होती जा रही है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की 13 नवंबर, 2026 तक की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अब तक पराली जलाने के कुल 5,429 मामले दर्ज किए गए हैं। इन घटनाओं के लिए प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए 1,669 एफआईआर दर्ज की हैं और किसानों पर कुल 1.05 करोड़ रुपये से अधिक का भारी जुर्माना लगाया है। रिपोर्ट बताती है कि राज्य में धान की करीब 98 प्रतिशत फसल की कटाई पूरी हो चुकी है। पराली जलाने की घटनाओं की पुष्टि के लिए राज्यभर में 5,312 खेतों का निरीक्षण किया गया, जिसमें से 2,347 स्थानों पर वास्तव में आग लगाने की पुष्टि हुई। इसके आधार पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति (एनवायरनमेंटल कंपनसेशन) के 2,095 मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में कुल 1 करोड़ 5 लाख 85 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है, हालांकि इसमें से अब तक केवल 39 लाख 35 हजार रुपये की ही वसूली हो पाई है। इसके अतिरिक्त, राजस्व रिकॉर्ड में 1,971 रेड एंट्री की गई हैं और संबंधित अधिकारियों द्वारा 1,603 चेतावनी नोटिस भी जारी किए गए हैं। राज्य में फिरोजपुर जिले में पराली जलाने की सर्वाधिक 794 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इसके बाद तरनतारन में 695, संगरूर में 674, पटियाला में 388, लुधियाना में 300 और फाजिल्का में 211 मामले सामने आए हैं, जो सबसे अधिक प्रभावित जिलों में शामिल हैं। विशेष रूप से, पटियाला जिले में 388 घटनाओं के लिए 8 लाख 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, जिसमें से 3 लाख रुपये वसूले गए। यहां 209 एफआईआर और 136 राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री भी की गई हैं, साथ ही 390 चेतावनी नोटिस जारी किए गए। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 13 नवंबर तक राज्य में किसी भी नोडल या सुपरवाइजरी अधिकारी के खिलाफ पराली जलाने के मामलों में कोई चार्जशीट या निलंबन का आदेश जारी नहीं किया गया है। प्रशासन का कहना है कि पराली जलाने की घटनाओं पर लगातार कार्रवाई जारी है, लेकिन समस्या की व्यापकता अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है।

बजरंग दल कार्यकर्ता की गिरफ्तारी पर देहरादून में बवाल

देहरादून। देहरादून में पटेलनगर क्षेत्र में हुई 14 लाख की लूट के मामले में बजरंग दल कार्यकर्ता सिद्धांत बड़ोनी की गिरफ्तारी को लेकर विवाद बढ़ गया है। गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ता एसएसपी कार्यालय पहुंच गए और पुलिस के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ कर संगठन को बदनाम करने की साजिश का आरोप लगाया। प्रदर्शन की घोषणा को देखकर एसएसपी कार्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कई अन्य संगठनों ने भी बजरंग दल के प्रदर्शन को समर्थन दिया। कार्यकर्ताओं ने बड़ोनी के साथ कथित बर्बरता का आरोप लगाकर पटेलनगर थाना प्रभारी नरेश राठौर को बर्खास्त करने की मांग की। मामला बढ़ते पर एसपी सिटी शेखर सुयाल ज्ञापन लेने पहुंचे, लेकिन कार्यकर्ताओं का विरोध जारी रहा। उधर, एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने मामले की जांच एसपी ग्रामीण जया बलोनी को सौंप दी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि लूट प्रकरण के साथ पुलिस पर लगाए गए आरोपों की भी निष्पक्षता से जांच कराई जाएगी।

सोशल मीडिया पोस्ट विवाद- अभिषेक बनर्जी से पुलिस ने की पूछताछ

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी शनिवार को भवानीपुर थाने में पुलिस के सामने पेश हुए। यह पेशी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और गुजराती समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाने वाले सोशल मीडिया पोस्ट से संबंधित प्राथमिकी के सिलसिले में हुई। डायमंड हार्बर से सांसद बनर्जी मामले में पूछताछ के लिए जारी नोटिस के जवाब में निर्धारित समय 12 बजे से पहले ही थाने पहुंच गए। यह प्राथमिकी भवानीपुर निवासी अर्नब कांति दास की शिकायत पर 27 मई को दर्ज हुई थी, जिन्होंने टीएमसी नेता बनर्जी के एक्स पर साझा किए गए पोस्ट को लेकर 2 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि तृणमूल नेता ने चुनाव आयुक्त कुमार की बंगाल विरोधी गुजराती गिरोह की कठपुतली बताया था। उन पर नफरत फैलाने, एक विशेष समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, साम्प्रदायिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाली गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां करने का आरोप है। शिकायतकर्ता दास ने अपनी शिकायत में पूरे गुजराती समुदाय को गिरोह या आपराधिक समूह बताने को अपमानजनक बताकर देश की बहुलतावादी संस्कृति को कमजोर करने की आशंका जाहिर की है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देना, सार्वजनिक उपद्रव को बढ़ावा देने वाले बयान देना और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित करना शामिल हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से तृणमूल कांग्रेस के इस नेता के खिलाफ पुलिस में कई मामले दर्ज किए गए हैं, और वह विभिन्न मामलों में कई बार पुलिस और अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के सामने पेश हो चुके हैं।



बालाघाट
रविवार 15 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की ख़बरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

ओवरब्रिज निर्माण के बीच जाम से राहत की कवायद

जनप्रतिनिधियों ने किया डायवर्सन मार्गों का निरीक्षण

एसडीएम के साथ बैठक के बाद मार्गों की स्थिति देखी, अतिक्रमण हटाने, सड़क मरम्मत और यातायात व्यवस्था सुधारने पर हुई चर्चा

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण के चलते शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। रेलवे क्रॉसिंग बंद होने से वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है, लेकिन बढ़ते यातायात दबाव के कारण बूढ़ी और बैहर चौकी क्षेत्र में आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। इस समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने के लिए 14 नवंबर को नगर पालिका अध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने एसडीएम गोपाल सोनी के साथ बैठक कर यातायात व्यवस्था सुधारने की रणनीति पर चर्चा की। इसके बाद जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों का दल परिवर्तित मार्गों के निरीक्षण के लिए रवाना हुआ।



निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, वार्ड क्रमांक 1 के पूर्व पार्षद अनिल सोनी, वार्ड क्रमांक 2 के योगराज लिल्हारे सहित नगर पालिका के कर्मचारी और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। दल ने चोंदा पाडन मार्ग और बैहर चौकी से गुजरने वाले डायवर्सन मार्ग की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान सड़क की जर्जर हालत, अतिक्रमण, विद्युत पोल और भारी वाहनों की आवाजाही से उत्पन्न हो रही समस्याओं पर चर्चा की गई। बैहर चौकी की ओर जाने वाले परिवर्तित मार्ग का एक हिस्सा कच्चा होने के कारण उसे पक्का कराने और डामरीकरण कराने की आवश्यकता जताई गई। वहीं बूढ़ी मार्ग पर बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए चौपहिया वाहनों को निर्धारित डायवर्सन मार्ग से निकालने की संभावना पर भी विचार किया गया। इसके लिए बूढ़ी मार्ग पर अतिक्रमण हटाने और वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने की योजना बनाई जा रही है। जनप्रतिनिधियों का मानना है कि वैकल्पिक मार्गों की मरम्मत और यातायात का उचित प्रबंधन होने से दोनों क्षेत्रों में लगने वाले जाम से नागरिकों को राहत मिल सकती है।

ओवरब्रिज निर्माण के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी प्राथमिकता - भारती

नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन के प्रयासों से स्वीकृत ओवरब्रिज परियोजना क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण सौगात है, लेकिन निर्माण कार्य के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य जल्द पूरा होने के साथ डायवर्सन मार्गों का सुधार, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षित वैकल्पिक रास्तों की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। पुलिस और नगर पालिका कर्मचारियों के समन्वय से यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने की आवश्यकता भी उन्होंने जताई। श्रीमती ठाकुर ने कहा कि परिवर्तित मार्गों पर अत्यधिक धूल उड़ने से आसपास के रहवासियों और राहगीरों को परेशानी हो रही है। धूल नियंत्रण की मुख्य जिम्मेदारी ओवरब्रिज निर्माण कर रहे ठेकेदार की है। ठेकेदार को निर्देशित किया जाना चाहिए कि वह दिन में चार से पांच बार नियमित रूप से पानी का छिड़काव करें। इससे धूल पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी और लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने महर्षि विद्या मंदिर और सेंट मेरी स्कूल में बड़ी संख्या में बच्चों की आवाजाही का उल्लेख करते हुए उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक डायवर्सन मार्गों पर ट्रैक्टरों की आवाजाही प्रतिबंधित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया। साथ ही अंडरपास निर्माण में आ रही बाधाओं को संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से जल्द दूर करने की आवश्यकता बताई, ताकि परियोजना का कार्य समय पर आगे बढ़ सके।

अतिक्रमण हटाने में नागरिक सहयोग करें - गोपाल सोनी

एसडीएम गोपाल सोनी ने कहा कि वैकल्पिक मार्गों पर अतिक्रमण के कारण कई स्थानों पर सड़कें संकरी हो गई हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है और जाम की स्थिति बनती है। प्रशासन द्वारा आवश्यक स्थानों पर नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों और व्यापारियों से जनहित को ध्यान में रखते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की, ताकि परिवर्तित मार्गों को आवागमन के लिए सुगम बनाया जा सके और ओवरब्रिज निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

जेल में बंद 71 वर्षीय एनडीपीएस आरोपी की जिला अस्पताल में मौत

बेटे ने पुलिस पर लगाया फर्जी केस में फंसाने का आरोप

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जेल में निरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के 71 वर्षीय बुजुर्ग आरोपी की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान महाराष्ट्र जिला गोंदिया, वसंत नगर निवासी गोविंद पिता रामजी अग्रवाल के रूप में हुई है। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:15 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। मौत की खबर मिलते ही परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए। शनिवार को मजिस्ट्रियल मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराकर, अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। बुजुर्ग की मौत के बाद जहां जेल प्रशासन की ओर से बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी दी गई है, वहीं मृतक के बेटे ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए पिता को फर्जी एनडीपीएस मामले में फंसाने का दावा किया है।





2 नवंबर को हुई थी गिरफ्तारी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परसवाड़ा थाना क्षेत्र में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में पुलिस ने गोविंद अग्रवाल को आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार किया था। पुलिस ने 2 नवंबर को उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। जेल प्रशासन के अनुसार, जेल दाखिले के समय से ही उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। 4 नवंबर को डॉक्टर से उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया था। इसके बाद तबीयत बिगड़ने पर 8 नवंबर को दोपहर में उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। तब से उनका उपचार अस्पताल में ही चल रहा था। बताया गया कि उन्हें सांस लेने में परेशानी थी और उपचार के दौरान रात करीब 2:15 बजे उनकी मौत हो गई।

बालाघाट पुलिस ने बनाया फर्जी मामला- पंकज

मृतक के बेटे पंकज अग्रवाल ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि पुलिस ने उनके पिता को झूठे और फर्जी मामले में फंसाया है। बेटे के मुताबिक, पुलिस ने उन्हें बताया था कि एनडीपीएस एक्ट के मामले में पकड़े गए अन्य आरोपियों ने पूछताछ के दौरान उनके पिता का नाम लिया था। इसी आधार पर गोविंद अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया। पंकज का दावा है कि जब उन्होंने संबंधित आरोपियों से इस संबंध में जानकारी ली तो उन्होंने पूछताछ में उनके पिता का नाम लेने से इनकार किया। उन्होंने यह भी बताया कि पिता की मौत शुक्रवार रात हो गई थी, लेकिन परिवार को इसकी जानकारी शनिवार सुबह करीब 5 बजे दी गई। उन्होंने आगे बताया कि केवल ये पहला मामला ही नहीं बल्कि इसके पूर्व भी बालाघाट पुलिस ने पिता के ऊपर फर्जी मामला बनाया था।

जानकारी लेकर ही दे पाएंगे जवाब- गौतम

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान एसडीओपी अभिषेक गौतम ने गोविंद अग्रवाल की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। हालांकि, गिरफ्तारी के आधार और परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर उन्होंने कहा कि मामले की पूरी जानकारी लेने के बाद ही कुछ बता पाएंगे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार- जेलर

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जेलर सहलाम ने बताया कि गोविंद अग्रवाल 2 नवंबर को जेल में दाखिल हुए थे और उस समय से ही बीमार चल रहे थे। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद 8 नवंबर को उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद से वे अस्पताल में ही उपचाररत थे। रात करीब 2:15 बजे उनकी मौत हो गई। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों को लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। मजिस्ट्रियल मौजूदगी में पीएम कार्रवाई के बाद ही स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

भांजों का झगड़ा छुड़ाना महिला को पड़ा भारी
झगड़े को देख रहे युवक ने मां-बेटी से की मारपीट

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम पौनी में आपसी झगड़ा सुलझाना एक महिला को भारी पड़ गया। झगड़ा कर रहे अपने दो भांजों को समझाने पहुंची महिला पर गांव के ही एक युवक ने हमला कर दिया। बचाव में आई उसकी बेटी को भी युवक ने पत्थर मारकर घायल कर दिया। दोनों घायलों का इलाज बिरसा अस्पताल में कराया गया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पौनी निवासी धनेश्वरी राठौर 42 वर्ष घरेलू काम करती हैं जिसके परिवार में पति लखन लाल राठौर बेटी नीलिमा राठौर और बेटा धीरज राठौर हैं। 13 नवंबर की रात करीब 8:30 बजे धनेश्वरी अपने परिवार के साथ खाना खाकर घर में बैठी थीं। तभी पड़ोस से जोर-जोर से झगड़े की आवाज आने लगी। बाहर जाकर देखा तो उनके दोनों भांजे विकास जैतवार और रवि जैतवार किसी बात को लेकर आपस में झगड़ रहे थे। वहीं गांव का युवक संकेत बड़गैया खड़ा होकर झगड़ा देख रहा था। धनेश्वरी ने दोनों भांजों को समझाते हुए कहा - तुम दोनों क्यों झगड़ रहे हो, शांत हो जाओ। इसके बाद उन्होंने संकेत से भी अपने घर जाने को कहा। धनेश्वरी के इतना कहते ही संकेत भड़क गया। उसने कहा मुझे घर जाने के लिए कहने वाली कौन होती है। इसके बाद वह धनेश्वरी को अश्लील गालियां देने लगा था।

धनेश्वरी ने गाली देने से मना किया तो संकेत ने उन पर हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया, जिससे उन्हें चोटें आईं। मां की चीख सुनकर बेटी नीलिमा बीच-बचाव के लिए दौड़ी, तो संकेत ने उस पर भी पत्थर उठाकर मार दिया। पत्थर लगने से नीलिमा के बाएं कंधे और कलाई में चोट आई है। झगड़ा देख रहे विकास और रवि ने बीच-बचाव कर दोनों को छुड़ाया। इसके बाद आरोपी ने धनेश्वरी को दोबारा किसी के झगड़े में बीच में आई तो जाने पर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। घटना के बाद धनेश्वरी अपने पति लखनलाल और बेटी नीलिमा के साथ मलाजखंड थाना पहुंचीं। पुलिस ने दोनों मां-बेटी का मेडिकल परीक्षण और इलाज बिरसा अस्पताल में करवाया। धनेश्वरी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी संकेत बड़गैया के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पदमेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट